@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
सोमवार, 27 जुलाई 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 263 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

'मन की बात' में प्रधानमंत्री बोले -
'मुझे देश की युवा शक्ति पर बहुत गर्व है'

एजेंसी
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में कहा कि उन्हें यह देखकर खुशी होती है कि भारत में ओलंपियाड और हेकेथॉन की संस्कृति निरंतर बढ़ रही है। उन्हें विश्वास है कि देश के अधिक से अधिक युवा ऐसे फोरम में अपनी रूचि दिखाएंगे और भारत का परचम लहराएंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने आज 'मन की बात' के 136वें एपिसोड में कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलने का सकारात्मक परिणाम आज पूरी दुनिया देख रही है। निजी क्षेत्र द्वारा विकसित भारत के पहले रॉकेट 'विक्रम-1' के सफल प्रक्षेपण ने देश को गौरवान्वित किया है। उन्होंने इसे भारतीय युवाओं

की प्रतिभा, नवाचार, कौशल और धैर्य का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय विज्ञान ओलंपियाड में भारतीय छात्रों के शानदार प्रदर्शन की भी सराहना की। भौतिकी और रसायन विज्ञान ओलंपियाड में सभी भारतीय छात्रों ने स्वर्ण पदक जीते, जबकि जीव विज्ञान ओलंपियाड में

● प्रधानमंत्री ने पानी की हर बूँद बचाने की अपील करते हुए कहा कि हम भी अपने आसपास किसी एक तालाब, कुएं या बावड़ी की जिम्मेदारी लें।

भी सभी प्रतिभागियों ने पदक हासिल कर देश का गौरव बढ़ाया। प्रधानमंत्री ने डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि वे जीवनभर युवाओं को बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित करते रहे। उन्होंने आगामी गुरु पूर्णिमा के अवसर पर माता-पिता, शिक्षकों और सभी गुरुजनों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का आह्वान किया। 'कारगिल विजय दिवस' पर प्रधानमंत्री ने वीर शहीदों और वीर सैनिकों को श्रद्धापूर्वक नमन किया और कहा कि ये दिन हमें अपने वीर जवानों के अद्भुत साहस की याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि आज भारत अपने वीर जवानों को याद करने के साथ उनकी विजयगाथा नई पीढ़ी तक पहुंचाता भी है। इस संबंध में उन्होंने 'शौर्य विजय यात्रा' को याद किया और कहा कि 14 जुलाई को दिल्ली के 'राष्ट्रीय समर समारक' से शुरू हुई यह मोटरसाइकिल यात्रा, द्रास के कारगिल वॉर मेमोरियल तक पहुंचेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत अपने सैनिकों के साहस के साथ-साथ अपनी तकनीकी क्षमता को भी लगातार मजबूत कर रहा है। रक्षा उत्पादन, रक्षा निर्यात और मित्र देशों के साथ राजनीतिक सहयोग में भारत लगातार नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है। भारतीय नौ-सेना में आईएनएस महेंद्रगिरि शामिल होना, डीआरडीओ ने पिनाका लॉग रेंज गाइड रोकेट का सफल परीक्षण देश की आत्मनिर्भरता की बढ़ती शक्ति का प्रतीक है।

सिद्धारमैया ने वर्ष 2028 के विधानसभा चुनाव नहीं लड़ने का किया ऐलान

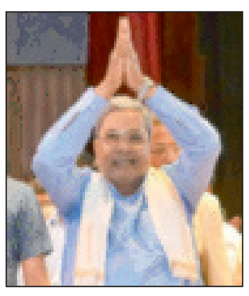

एजेंसी
बेंगलुरु। कर्नाटक के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने वर्ष 2028 का विधानसभा चुनाव नहीं लड़ने की घोषणा की है। इसके साथ ही उन्होंने अपने चुनावी राजनीतिक जीवन को विराम देने के निर्णय की घोषणा कर दी। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने एक विस्तृत पोस्ट में सिद्धारमैया ने कहा कि आज राजनीति का वातावरण काफी प्रदूषित हो चुका है और ईमानदार राजनीति के लिए जगह कम होती जा रही है। उन्होंने कहा कि अब चुनावों में उम्मीदवारों को मतदाताओं को धन देना पड़ता है। इसी कारण उन्होंने भविष्य में कोई भी चुनाव नहीं लड़ने का निर्णय लिया है। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वे सक्रिय राजनीति में बने रहेंगे और जनसेवा जारी रखेंगे।

बिहार में जब नए जिले बनेंगे, तब उनमें 'बाढ़' को भी शामिल किया जाएगा: ललन सिंह

पटना। केंद्रीय मंत्री एवं जनता दल (यूनाइटेड) के वरिष्ठ नेता ललन सिंह ने रविवार को बाढ़ में आयोजित जन संवाद कार्यक्रम में कहा कि बिहार में जब भी नए जिलों के गठन का निर्णय लिया जाएगा, उसमें बाढ़ को जिला बनाने के प्रस्ताव पर भी विचार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार विकास के एजेंडे पर लगातार काम कर रही है और भविष्य में भी यह प्रक्रिया जारी रहेगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ललन सिंह ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार ने विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने विश्वास जताया कि राज्य सरकार आगे भी आधारभूत संरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य और जनकल्याण से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देती रहेगी। इसी क्रम में उन्होंने बाढ़ को जिला बनाने की लंबे समय से चली आ रही मांग का उल्लेख करते हुए कहा कि जब भी राज्य में नए जिलों के गठन की प्रक्रिया शुरू होगी, तब बाढ़ के संबंध में भी निर्णय लिया जाएगा।

मणिपुर में पांच उग्रवादी और दो ड्रग तस्कर गिरफ्तार, भारी मात्रा में हथियार और नशीले पदार्थ जब्त

इंफाल। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने पिछले 24 घंटों में राज्य भर में चलाए गए अलग-अलग अभियानों के दौरान अलग-अलग विद्रोही संगठनों से जुड़े पांच उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधिकारियों ने रविवार को बताया कि भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया और दो ड्रग तस्करों को पकड़ा। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए पांच उग्रवादी कांगलेईपाक कम्युनिस्ट पार्टी, कांगलेई यावोल कन्ना लुप और यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट से जुड़े हैं। ये उग्रवादी किडनैपिंग और जबरदस्ती फिरौती वसूलने जैसी कई आपराधिक गतिविधियों में शामिल थे। इन्हें इंफाल ईस्ट, काकचिंग और थोउबल जिलों में अलग-अलग ऑपरेशन के दौरान पकड़ा गया। अधिकारी ने बताया कि थोउबल जिले के थोउबल बाजार से यूएनएलएफ के दो एक्टिव सदस्यों को गिरफ्तार किया गया। शुरुआती जांच से पता चला कि ये दोनों प्रतिबंधित संगठन के लिए नए सदस्य भर्ती करने में शामिल थे।

सीएम नायडू ने टीडीपी कार्यकर्ताओं को दिया घर-घर पहुंचने का निर्देश, गठबंधन सरकार की उपलब्धियां जनता तक पहुंचाने पर जोर

अमरावती। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री और तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एन. चंद्रबाबू नायडू ने पार्टी कार्यकर्ताओं से राज्य में गठबंधन सरकार की दो वर्षों की उपलब्धियों को हर घर तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों को बताएं कि सरकार ने चुनाव के दौरान किए गए वादों को किस तरह पूरा किया। सोमवार से पूरे राज्य में शुरू होने वाले 45 दिवसीय डोर-टू-डोर अभियान से पहले मुख्यमंत्री ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और जनप्रतिनिधियों के साथ टेलीकॉन्फ्रेंस के जरिए बैठक की। इस दौरान उन्होंने अभियान को सफल बनाने के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश दिए और कहा कि मंत्री, सांसद, विधायक, विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) सहित पूरी पार्टी मशीनरी इस अभियान में सक्रिय रूप से हिस्सा ले। सीएम नायडू ने कहा कि जिस तरह चुनाव के समय कार्यकर्ता घर-घर जाकर वोट मांगने और पार्टी के वादों को समझाने गए थे, उसी तरह अब लोगों को यह बताना जरूरी है कि गठबंधन सरकार अपने वादों को पूरा कर रही है। यदि जनता के मन में कोई सवाल या संदेह हो, तो उसे सरल भाषा में दूर किया जाए।

शिक्षकों-कर्मचारियों को डेढ़ करोड़ का दुर्घटना बीमा: मुख्यमंत्री योगी

कौमी पत्रिका

लखनऊ। यूपी सरकार ने रविवार को शिक्षकों-कर्मचारियों को बड़ा तोहफा दिया है। अब प्रदेश के शिक्षक व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को 1.50 करोड़ तक का व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा की सुविधा मिलेगी। वहीं, आगरा में आयोजन को संबोधित करते हुए सीएम

योगी ने कहा कि भारत की प्रगति से चिढ़ने वाली विदेशी ताकतें अत्याधुनिक तकनीक और विदेशी फंड का दुरुपयोग कर समाज में अफवाहें फैलाकर विद्वेष व अव्यवस्था फैलाने का षड्यंत्र रच रहीं हैं। वहीं, पीएम मोदी ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के क्रियान्वयन को लेकर उत्तर प्रदेश की सराहना की और कहा कि यह मेरे लिए गर्व का विषय है। वहीं, आजमगढ़ में एक महिला अपने तीन बच्चों को लेकर पोखर में कूद गई। हादसे में दो बच्चों की मौत हो गई। इसके अलावा, बदायूं के उझानी रेलवे स्टेशन पर केंद्रीय राज्यमंत्री बीएल वर्मा ने रविवार को कासगंज-ऐशबाग एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। यह ट्रेन कासगंज से उझानी, बदायूं होते हुए लखनऊ जाएगी। पढ़ें, प्रदेश की बड़ी खबरें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगरा में उच्च शिक्षा विभाग के शिक्षकों को दोहरा तोहफा दिया। एक तरफ मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा सुविधा योजना का शुभारंभ किया। वहीं इस अवसर पर उच्च शिक्षा विभाग ने पीएनबी के साथ एमओयू भी किया। इसमें शिक्षकों व कर्मचारियों को डेढ़ करोड़ तक का दुर्घटना बीमा कवर मिलेगा। पढ़ें पूरी खबर दिल्ली के जंतर मंतर पर हुए प्रदर्शनों के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को आगरा के डॉ. बीआर आंबेडकर विश्वविद्यालय के समारोह में शिक्षकों से कहा कि भारत की प्रगति से चिढ़ने वाली विदेशी ताकतें अत्याधुनिक तकनीक और विदेशी फंड का दुरुपयोग कर समाज में अफवाहें फैलाकर विद्वेष व अव्यवस्था फैलाने का षड्यंत्र रच रहीं हैं। पढ़ें पूरी खबर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को मन की बात के 136वें एपिसोड में उत्तर प्रदेश की सराहना की। उन्होंने कहा कि 'एक पे ? मां के नाम' अभियान के तहत यूपी में जनशक्ति का अद्भुत संकल्प देखने को मिला। वहां (उत्तर प्रदेश) एक ही दिन में 12 जुलाई को 35 करो ? से अधिक पौधे लगाए गए हैं। उत्तर प्रदेश से सांसद होने के नाते मेरे लिए ये विशेष गर्व की बात है।

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

*भारतीय मनीषा एवं सनातन संस्कृति में गुरु को साक्षात् परम ब्रह्म माना गया है। विक्रम संवत् 2083 की आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा (29 जुलाई, 2026) को **गुरु पूर्णिमा** का पावन पर्व हम सबके लिए गुरुजनों के प्रति श्रद्धा, कृतज्ञता और सम्मान प्रकट करने का अवसर है।*

*सनातन परंपरा में यह पर्व महर्षि वेदव्यास की स्मृति में **'व्यास पूर्णिमा'** के रूप में मनाया जाता है। बौद्ध परंपरा में यह भगवान बुद्ध के प्रथम उपदेश और धर्मचक्र प्रवर्तन का स्मृति-दिवस है। जैन परंपरा में इसका संबंध गौतम स्वामी के ज्ञान-दीक्षा प्रसंग से है। सिख परंपरा में भी गुरु-वाणी सर्वोपरि है। इसीलिए **गुरु पूर्णिमा गुरु-शिष्य परंपरा एवं आध्यात्मिक चेतना का सार्वकालिक उत्सव है।***

प्रभु श्रीराम ने गुरु वशिष्ठ से ज्ञान और संस्कार प्राप्त कर आदर्श जीवन की मर्यादाओं को आत्मसात किया। भगवान श्रीकृष्ण ने महर्षि सांदीपनि के आश्रम में रहकर ज्ञान प्राप्त किया। कठोपनिषद् में नचिकेता ने यमराज के समक्ष क्षणिक सुख और वैभव का नहीं, अपितु 'श्रेय' अर्थात् सत्य एवं आत्मज्ञान का मार्ग चुना।

*जहां गुरु का सम्मान होता है, वही समाज उन्नति करता है। इसी भावना के अनुरूप **हमारी सरकार ने विगत नौ वर्षों में शिक्षक सम्मान एवं उनके सशक्तीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है।** पारदर्शी भर्ती, समयबद्ध सेवा-सुविधाएं, आधुनिक डिजिटल संसाधन तथा निरंतर क्षमता संवर्धन सुनिश्चित कर हमने अपने गुरुजनों को ऐसा समर्थ परिवेश देने का प्रयास किया है, जहां वे ज्ञान, संस्कार और राष्ट्रनिर्माण की अपनी भूमिका का प्रभावी ढंग से निर्वहन कर सकें।*

*शिक्षकों का सम्मान और उनका कल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। इसी उद्देश्य से **'मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना'** आरंभ की गई है। इसका लाभ बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा से जुड़े प्रदेश के **60 लाख शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी एवं उनके आश्रित परिजन** प्राप्त कर रहे हैं। उच्च शिक्षा विभाग के राज्य एवं निजी विश्वविद्यालयों, अशासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालयों, स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के **7.50 लाख से अधिक शिक्षकों तथा उनके आश्रित परिजनों** को भी इसकी परिधि में लाया गया है तथा शीघ्र ही **2.50 लाख से अधिक शिक्षणेत्तर कर्मचारी एवं उनके आश्रित परिजन** भी इस योजना से लाभान्वित होंगे। साथ ही, शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को **सामाजिक सुरक्षा बीमा कवर** भी प्रदान किया जा रहा है।*

*वास्तव में, गुरु शिक्षा ही नहीं देते, जीवन को दिशा भी देते हैं। गुरु स्वयं ज्ञान का आलोक हैं, जो शिष्य को अज्ञानरूपी तम से निकालकर सत्य, संस्कार और प्रकाश के पथ पर अग्रसर करते हैं। **मेरा आप सबसे विशेष आग्रह है कि अपने गुरुजनों का सदैव स्मरण रखें। उनके दिए आदर्शों को जीवन में उतारें। इससे आपका विकास सुनिश्चित होगा तथा विकसित प्रदेश का मार्ग भी तभी प्रशस्त होगा।***

आपका
योगी आदित्यनाथ

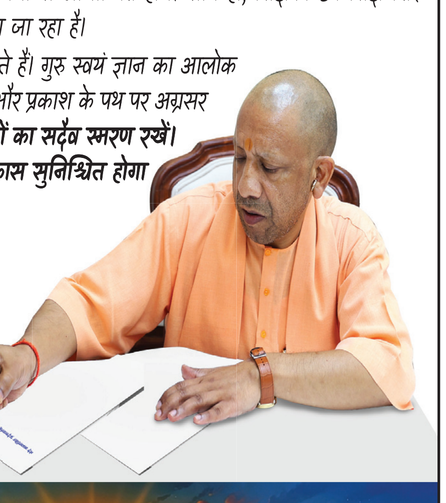

स्वस्थ शिक्षक सशक्त प्रदेश
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश UPGovtOfficial CMOUttarpradesh CMOfficeUP

पाकिस्तान के साथ अब कोई भी बातचीत सिर्फ पीओके पर फोकस होगी : राजनाथ

भारतीय सेना के योद्धा बेजोड़, कारगिल में दी गई कुर्बानी पीढ़ियों को प्रेरित करेगी: सेना प्रमुख इतिहास

पाकिस्तान के साथ कोई भी बातचीत सिर्फ़ पीओके पर फोकस होगी।

एजेंसी
द्रास। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को 27वें कारगिल विजय दिवस पर द्रास से देश को संबोधित किया। उन्होंने फिर से कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान की हर हरकत का जवाब देने के भारत के इरादे और काबिलियत को दिखाया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के साथ कोई भी बातचीत सिर्फ़ पीओके पर फोकस होगी। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि भारत तरक्की के लिए खड़ा है, जबकि पाकिस्तान आतंकवाद को बढ़ावा देता है। उन्होंने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि 'यह दिल मांगे मोर' की भावना अब डिफेंस में आत्मनिर्भरता और विकसित भारत 2047 के विज़न की ओर भारत के कदम को आगे बढ़ा रही है। कारगिल विजय दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की संप्रभुता के विरुद्ध हर घृणित कृत्य का उसी दृढ़ता से जवाब से दिया जाएगा, जिस दृढ़ जवाब से भारतीय रक्षा बलों ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से आतंकवादियों और उनके संरक्षकों को अद्वितीय वीरता के साथ दिया था। राजनाथ सिंह ने जोर देकर कहा कि पाकिस्तान में सेना और आतंकवादियों के बीच का अंतर मिट चुका है, क्योंकि पाकिस्तान ने आतंकवाद को अपनी राज्य नीति का हिस्सा बना लिया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की सेना न केवल आतंकवादी संगठनों को शरण देती है, बल्कि उनके साथ मिलकर काम भी करती है। इसीलिए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमने यह स्पष्ट कर दिया था कि भारत अब आतंकवादियों और उन्हें बढ़ावा देने वाली सरकारों को अलग-अलग इकाई के रूप में नहीं देखता।

कछार में इंडस्ट्रियल यूनिट में एलपीजी सिलेंडर विस्फोट

चार मजदूरों की मौत | कई अन्य घायल

एजेंसी
कछार (असम)। असम के कछार जिले में रविवार को एक औद्योगिक इकाई में एलपीजी सिलेंडर में हुए विस्फोट में कम से कम चार मजदूरों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को सिलचर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एसएमसीएच) में भर्ती कराया गया है, जहां कई की हालत नाजुक बताई जा रही है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। यह हादसा उधारबंद विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत पानग्राम स्थित खादी रोड इंडस्ट्रीज में हुआ। शुरुआती जानकारी के अनुसार, एलपीजी सिलेंडर में हुआ विस्फोट इतना तेज था कि उसकी आवाज दूर-दूर तक सुनाई दी और आसपास का इलाका दहल उठा। धमाके के बाद फैक्ट्री परिसर में अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों में भी दहशत फैल गई ।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन और राहत-बचाव दल मौके पर पहुंच गए। बचावकर्मियों ने घायलों को मलबे और प्रभावित क्षेत्र से निकालकर तत्काल इलाज के लिए सिलचर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल भेजा। चिकित्सकों की टीम गंभीर रूप से घायल मजदूरों का उपचार कर रही है। अधिकारियों के अनुसार, कुछ घायलों की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है, जिसके कारण मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। घटना के बाद कानून-व्यवस्था बनाए रखने और जांच में किसी प्रकार की बाधा न आए, इसके लिए पुलिस ने फैक्ट्री के मुख्य प्रवेश द्वार को सील कर दिया। कछार के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी), अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण कर राहत एवं बचाव कार्यों की निगरानी की। मृतक मजदूरों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

महाराष्ट्र-ओडिशा में बारिश का रेड अलर्ट: असम में बाढ़ से 7 लाख लोग प्रभावित, 66 मौतें

● हिमाचल में लैंडस्लाइड से 134 सड़कें बंद

एजेंसी
नई दिल्ली। मौसम विभाग का कहना है कि बंगाल की खाड़ी से बने लो प्रेशर और वेस्टर्न डिस्टरबेंस के असर से गुजरात, बंगाल, ओडिशा, महाराष्ट्र और पूर्वोत्तर के राज्यों में भारी बारिश हो रही है। लेकिन यह बारिश अब भी सामान्य से 16.1फीसादी कम है। उत्तर भारत में 31 जुलाई तक बारिश का दौर जारी रहेगा। हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और उत्तराखंड में तेज बारिश की संभावना है। हिमाचल, उत्तराखंड, पंजाब समेत कई राज्यों में भारी बारिश होगी। इधर, असम में बाढ़ के हालात अब भी गंभीर हैं। अब तक 66 की मौत हो चुकी है। 7 लाख से ज्यादा लोग अब भी बाढ़ से प्रभावित हैं।

हिमाचल प्रदेश में लगातार हो रही भारी बारिश, भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ से 134 सड़कें बंद हैं। 4 जिलों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। वहीं, बिहार के 17 जिलों में यलो अलर्ट है। इन जिलों में 40-50द्मद्वश्च्द्ध की रफ्तार से हवा चल सकती है। मध्य प्रदेश के शहडोल, अनूपपुर, डिंडौरी, मंडला और बालाघाट में अगले 24 घंटे के दौरान भारी बारिश का अलर्ट है। इन जिलों में 4 इंच या उससे ज्यादा बारिश हो सकती है। उत्तराखंड में आज मानसून सक्रिय है। देहरादून, उत्तरकाशी, नैनीताल और पिथौरागढ़ में भारी बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। सभी पर्वतीय जिलों में बिजली गिरने और तेज बारिश की चेतावनी है। छत्तीसगढ़ के कोरबा में धान की रोपाई के दौरान खेत में बिजली गिरने से 3 किसानों की मौत हो गई। हादसे के वक्त 25-30 किसान खेत में काम कर रहे थे। यूपी की गंगा, यमुना समेत 10 नदियां उफान पर हैं। घाघरा और शारदा समेत 4 नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। बलिया में एक सरकारी स्कूल और मकान सरयू नदी में समा गया, जबकि गोंडा में 100 बीघे से ज्यादा फसल डूब गई। बिहार के 17 जिलों में आज बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। इन जिलों में 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है। 29 जुलाई तक बारिश की संभावना है। बिजली गिरने की भी आशंका जताई गई है।

संक्षिप्त समाचार

लोकतंत्र में जवाबदेही को लंबे समय तक टाला नहीं जा सकता : शशि थरूर

नई दिल्ली, एजेंसी। शनिवार का दिन भारत के लिए ऐतिहासिक रहा। नीट पेपर लीक मामले में केंद्रीय शिक्षा धर्मेंद्र प्रधान ने जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया। सरकार द्वारा छात्रों की सभी मांगों को भी मान लिया गया। इसके बाद कॉकरोच जनता पार्टी ने जंतर-मंतर पर छात्रों के प्रदर्शन को खत्म करने का ऐलान कर दिया। इस मामले पर अब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद शशि थरूर का भी बयान सामने आया है। थरूर ने कहा कि शिक्षा मंत्री का इस्तीफा भी तब आया है जब संसद मार्च करने वाले छात्रों के ऊपर पुलिस ने बर्बरता से हमला किया था। केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे पर शशि थरूर ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा कि शिक्षा मंत्री का इस्तीफा इस बात की स्वीकारोक्ति है कि लोकतंत्र में जवाबदेही को अनिश्चित काल के लिए नहीं टाला जा सकता। यह इस्तीफा देश भर में दृढ़तापूर्वक, शांतिपूर्ण और प्रतिबद्ध आवाज उठा रहे छात्रों, अभिभावकों और नागरिकों के हफ्तों लंबे शांतिपूर्ण संघर्ष के बाद आया है। शशि थरूर ने लिखा कि यह तब आया है जबकि असंख्य युवा भारतीय नागरिकों को शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन के अपने लोकतांत्रिक अधिकार के कारण पुलिस की बर्बरता का अनुचित रूप से सामना करना पड़ा। इसकी चिंता हर नागरिक को होनी चाहिए, चाहे उसकी राजनीतिक विचारधारा कुछ भी हो, लेकिन जवाबदेही एक इस्तीफे से खत्म नहीं होती।

दीपके बिहार आकर सम्राट चौधरी की सरकार उखाड़ फेंकिए तेज प्रताप यादव ने दिया न्योता

पटना, एजेंसी। बिहार की सियासत में एक बार फिर बड़ा भूचाल आ गया है. जेजेडी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की सरकार के खिलाफ सीधी जंग का ऐलान कर दिया है. तेज प्रताप ने सोशल मीडिया पर एक बेहद चौंकाने वाला और आक्रामक पोस्ट साझा कर विपक्षी खेमे में हलचल तेज कर दी है. तेज प्रताप यादव ने 'कॉकरोच जनता पार्टी' के संस्थापक अभिजीत दीपके से तुरंत बिहार आने की विशेष अपील की है. उन्होंने कहा कि सूबे के मौजूदा सियासी हालात को देखते हुए अब एक बड़े और कड़े जनांदोलन की सख्त जरूरत है. तेज प्रताप ने अभिजीत दीपके से आग्रह किया है कि वे बिहार की धरती पर कदम रखें।

कर्नाटक : सीएम शिवकुमार बोले- प्राइवेट स्कूल मालिकों को सरकारी स्कूल गोद लेने चाहिए

चित्रदुर्ग , एजेंसी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट से अपील की है कि वे अच्छी शिक्षा देने के लिए राज्य के ग्रामीण इलाकों में सरकारी स्कूलों को गोद लें. शनिवार को चित्रदुर्ग जिले में मीडिया से बात करते हुए शिवकुमार ने कहा कि इसका मकसद गांव के स्कूलों को इंफ्रास्ट्रक्चर और क्वालिटी दोनों में बेंगलुरु के स्कूलों के स्तर तक ले जाना है. उन्होंने कहा कि उन्होंने पहले प्राइवेट सेक्टर के साथ एक कॉन्ट्रैक्ट साइन किया था. उन्होंने कहा कि जो लोग बड़े प्राइवेट स्कूल चलाते हैं, वे उद्यमियों के अलावा कुछ नहीं हैं और ऐसे उद्यमियों को सीएसआर अवसर पर पैसा खर्च करना जरूरी है. उन्होंने कहा, 'इसलिए मैंने प्राइवेट स्कूलों से कहा है कि उन्हें सीआरआर पॉलिसी के अनुसार पैसा खर्च करना चाहिए. एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि कर्नाटक कैबिनेट का विस्तार अगले हफ्ते होगा. कैबिनेट का विस्तार 21 जुलाई को होना था, लेकिन लोकसभा नेता राहुल गांधी के नीट परीक्षा पेपर लीक को लेकर विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के कारण पार्टी हाईकमान इसे अंतिम मंजूरी नहीं दे सका. उन्होंने कर्नाटक लोक सेवा आयोग के चेयरमैन के निलंबन के मामले में भी भाजपा पर पलटवार करने की कोशिश की।

1980 में वोटर लिस्ट में सोनिया गांधी का कथित रूप से नाम जुड़वाने पर FIR दर्ज करने की मांग पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट के सेशंस कोर्ट ने शनिवार को 1980 में वोटर लिस्ट में सोनिया गांधी का कथित रूप से नाम जुड़वाने पर एफआईआर दर्ज करने की मांग पर फैसला सुरक्षित रख लिया है. स्पेशल जज विशाल गोगने ने अब इस मामले में 13 अगस्त को फैसला सुनाने का आदेश दिया. याचिका वकील विकास त्रिपाठी ने दायर किया है. विकास त्रिपाठी ने सोनिया गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के मजिस्ट्रेट कोर्ट के खारिज करने के आदेश को सेशंस कोर्ट में चुनौती दी है. 9 दिसंबर 2025 को कोर्ट ने सोनिया गांधी और दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया था. इसके पहले 11 सितंबर को एडिशनल चीफ जुडिशियल मजिस्ट्रेट वैभव चौरसिया ने याचिका खारिज कर दिया था. याचिका में कहा गया है कि वोटर लिस्ट में सोनिया गांधी का नाम 1980 में ही जुड़ गया था जबकि वो 1983 में भारत की नागरिक बनीं. याचिका में कहा गया है कि सोनिया गांधी का नाम दिल्ली के नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र के वोटर लिस्ट में 1980 में ही जुड़ गया था।

छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों की संपत्ति होगी जब्त: सीएम योगी आदित्यनाथ

फतेहपुर , एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस व समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि पेपर लीक वाला नकल माफिया इन्हीं दलों की विरासत है, जिसे मिट्टी में मिला दिया जाएगा। छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों के लिए केवल दो ही जगह हैं- जेल या जहन्नुम।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार नकल माफिया के खिलाफ ऐसा सख्त कानून ला रही है, जिसके तहत दोषियों को कम से कम 10 वर्ष की सजा और ?10 करोड़ तक के जुर्माने का प्रावधान होगा।

मुख्यमंत्री शनिवार को फतेहपुर सदर और अयाह-शाह विधानसभा क्षेत्रों के लिए ?489 करोड़ से अधिक लागत की 125 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करने के उपरांत जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम स्थल पर मुख्यमंत्री के पहुंचते ही 'जय श्रीराम', 'मोदी-योगी जिंदाबाद' के नारों से पूरा परिसर गूंज उठा। मुख्यमंत्री ने विकास परियोजनाओं की प्रदर्शनी का अवलोकन किया, विभिन्न स्टॉल्स पर लोगों से बातचीत की तथा बच्चों को गोद में लेकर दुलार किया, उन्हें तिलक लगाया और खिलौने भेंट किए।

कोई नहीं रोक सकता नकल माफिया को मिट्टी में मिलने से : अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन्होंने युवाओं का शोषण किया, छात्रों के सामने अंधकारमय जीवन खड़ा

किया, पूरी की पूरी पीढ़ी के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया, वही समाजवादी पार्टी और कांग्रेस आज घड़ियाली आंसू बहाने का काम कर रही हैं। हम प्रधानमंत्री जी के आभारी हैं, जिन्होंने छात्रों के भविष्य को देखते हुए पिछले तीन दिनों में बड़े-बड़े निर्णय लिए हैं। ये नकल माफिया मिट्टी में मिलेंगे, कोई रोक नहीं सकता इन माफिया को मिट्टी में मिलने से। ये नकल माफिया कांग्रेस व सपा की विरासत हैं। इन्होंने ही माफिया को पाला-पोसा और संरक्षण दिया था।

पेपर लीक पर पीएम मोदी जी ने उठाए कड़े कदम : मुख्यमंत्री ने कहा कि नीट परीक्षा समय सीमा के भीतर कराई गई, ताकि छात्रों का पूरा वर्ष खराब न हो, और निर्धारित समय सीमा में उसका परिणाम भी घोषित कर दिया गया। कुछ माफिया ने प्रश्नपत्र लीक कराया था, उनकी गिरफ्तारी हुई और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के तमाम अधिकारियों को बर्खास्त किया गया। कुछ लोगों की गिरफ्तारी हुई है, उनकी संपत्तियां जब्त होंगी और उन्हें सजा मिलेगी। ये छात्रों के उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखकर पीएम मोदी जी द्वारा उठाए गए कड़े कदम हैं। मैं उनका हृदय से स्वागत करता हूं, अभिनंदन करता हूं और आभार व्यक्त करता हूं।

सीएम ने कहा कि पीएम मोदी जी ने छात्रों व युवाओं के लिए पिछले 12 वर्षों में अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। डिजिटल इंडिया, प्रधानमंत्री स्टार्टअप योजना और प्रधानमंत्री स्टैंडअप योजना के माध्यम से भारत के नौजवानों में आशा की नई किरण जगाई। राष्ट्रीय शिक्षा नीति देकर नौजवानों को वैश्विक स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने का अवसर दिया। आज भारत के नौजवानों को दुनिया में सम्मान मिलता है। मोदी जी ने युवाओं को एक वर्ष में 12 लाख सरकारी नौकरियां दीं और गत 12 वर्षों में करोड़ों युवाओं को रोजगार के अवसर देकर उनके जीवन को उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर किया है। आज जब युवाओं के मन में कुछ कसक थी, तब पीएम स्वयं सामने आए, युवाओं के साथ संवाद किया और संसद में सख्त कानून लाने के लिए कैबिनेट से नए अधिनियम के मसौदे को पारित कराया, यह अभिनंदनीय है।

माफिया पर नकेल कसी और दीं 9 लाख से ज्यादा सरकारी नौकरियां : मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं यूपी के नौजवानों से कहना चाहता हूं कि जिसने छात्रों व युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया, उस माफिया के लिए दो ही जगह होंगी- जेल या जहन्नुम। माफिया के बाप-दादा की कमाई गई संपत्ति भी जब्त कर ली जाएगी। हमने माफियाओं पर सख्ती से लगाम कसी है। ऐसा न किया होता तो हम 9 लाख से अधिक नौजवानों को सरकारी नौकरी नहीं दे पाते।

भाजपा की जमीन पर था पूर्व सपा विधायक का कब्जा : सीएम ने कहा कि सपा के एजेंडे में विकास कभी नहीं था और न है। सपा के लोग अब बेरोजगारों की तरह घूम रहे हैं, क्योंकि ठेके, पट्टे और अवैध जमीनों पर कब्जे का उनका धंधा चौपट हो चुका है। इसलिए वे हताश-निराश बैठे हुए हैं। पहले वे किसी भी खाली जमीन या प्लॉट पर कब्जा कर लेते थे। भाजपा ने 1990 में लखनऊ में एक कार्यालय के लिए जमीन ली थी। जब कार्यकर्ताओं ने चंदा इकट्ठा कर कार्यालय निर्माण की प्रक्रिया आगे बढ़ाई तो पता चला कि उस जमीन पर भी सपा के एक पूर्व विधायक ने कब्जा कर रखा था। कल हमने बुलडोजर भेजकर उस कब्जे को हटवाया है। यही इनका धंधा था। खेत बोता कोई और था, लेकिन फसल काटने ये लोग पहुंच जाते थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज गरीब को मुफ्त राशन व आवास की सुविधा मिल रही है। आयुष्मान भारत योजना के तहत ?5 लाख तक की स्वास्थ्य सुविधा मिल रही है और गरीब के घर में रसोई गैस का चूल्हा पहुंचा है।

विपक्षी गठबंधन इंडिया संसद में एनडीए पर नीट का दबाव बनाए रखेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। विपक्षी गठबंधन इंडिया नीट/ सीबीएसई की गड़बड़ियों को लेकर एनडीए पर दबाव कम करने के मूड में नहीं है, जबकि देश भर में छात्रों के विरोध प्रदर्शन के कारण शनिवार को शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा. एकजुट विपक्ष ने 20 जुलाई को मॉनसून सेशन शुरू होने के दिन से ही नीट पेपर लीक मामले पर जवाबदेही की मांग करते हुए संसद का कामकाज रोक दिया. लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने साफ तौर पर कहा कि सदन में किसी भी बहस के लिए शिक्षा मंत्री का इस्तीफा एक शर्त है. एनडीए ने संसद में रुकावट खत्म करने की कोशिश में नीट मामले पर बहस करने की पेशकश की थी. हालांकि शनिवार को वह शर्त पूरी हो गई थी, लेकिन इंडिया. गठबंधन ने कहा कि वह सरकार पर दबाव बनाना जारी रखेगा और सोमवार को जब सदन की बैठक फिर से होगी तो विपक्ष की बाकी दो मांगों को पहले ही आगे बढ़ाएगा. कांग्रेस के राज्यसभा सांसद सैयद नसीर हुसैन ने बताया, 'हमारी एक मुख्य मांग (शिक्षा मंत्री का इस्तीफा) पूरी हो गई है. इसका मतलब है कि संसद सोमवार से काम करना शुरू कर सकती है. हालांकि, ऐसा होने से पहले हमारी बाकी दो मांगें पूरी होनी चाहिए. प्रधानमंत्री को पूरे मामले पर सदन में बयान देना चाहिए और गृह मंत्री को 20 जुलाई को प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस की बर्बरता पर बयान देना चाहिए. तभी हम शिक्षा सुधारों के बड़े मुद्दे पर बहस कर सकते हैं, जिसमें नीट का मामला भी शामिल है.' उन्होंने कहा, इंडिया गठबंधन के नेता सोमवार को विपक्ष के दो नेताओं, राज्यसभा में मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में राहुल गांधी की लीडरशिप में अगले हफ्ते के लिए अपनी स्ट्रैटेजी का रिव्यू करेंगे.' सूत्रों ने कहा कि देश भर में फैल रहे स्टूडेंट प्रोटेस्ट की वजह से सरकार को एजुकेशन मिनिस्टर का इस्तीफ़ा लेना पड़ा, इसलिए केंद्र अपनी इज्जत बचाने के लिए पेपर लीक मामलों में कड़ी कार्रवाई का सुझाव देने वाला एक बिल लाने की योजना बना रहा है. सूत्रों ने आगे कहा कि बिल में जेल की सजा 2 साल से बढ़ाकर 10 साल, पेनल्टी 1 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 10 करोड़ रुपये करने और ऐसे मामलों का फैसला फास्ट ट्रैक कोर्ट में करने का सुझाव दिया गया है. कांग्रेस के लोकसभा सांसद सप्तगिरी शंकर उलाका ने बताया, 'वे 2024 के नीट पेपर लीक के बाद पहले एक बिल लाए थे. कानून की वजह से असल में कुछ नहीं हुआ और वही घटना बिना किसी सज़ा के दोहराई गई. सिस्टम में सड़ांध बहुत गहरी है. इसलिए हमारे नेता राहुल गांधी ने पेपर लीक के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है और एजुकेशन सिस्टम में पूरी तरह से बदलाव की मांग कर रहे हैं.' हालांकि पार्लियामेंट की स्ट्रैटेजी इंडिया ब्लॉक के नेता मिलकर तय करते हैं, लेकिन एजुकेशन रिफॉर्म का मुद्दा हमारे लिए एक गंभीर मामला है. हम बीमार लोगों को ठीक करने के लिए एजुकेशन सिस्टम में सुधार की मांग करते रहेंगे।

छात्र बनकर आए और मचाया बवाल! कोलकाता हिंसा मामले में 11 गिरफ्तार, 70 की पहचान

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में पुलिस ने शनिवार को 11 लोगों को गिरफ्तार किया। ये गिरफ्तारियां एक दिन पहले छात्रों और युवाओं के जुलूस के दौरान हुई अशांति के सिलसिले में की गईं। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों में से कोई भी छात्र नहीं था और दो आरोपी दूसरे राज्य भागने की योजना बना रहे थे। उन्हें पश्चिम बर्धवान जिले के अंडाल से गिरफ्तार किया गया। पश्चिम बंगाल में कोलकाता पुलिस ने 24 जुलाई को कोलकाता में छात्रों की रैली के दौरान हुई हिंसा के मामले में 11 लोगों को गिरफ्तार किया है। एडिशनल सीपी कुणाल अग्रवाल ने कहा, 'कल हुई हिंसा और पत्रकारों पर हमलों के सिलसिले में कुल 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें से कोई भी छात्र नहीं है। ये सभी उपद्रवी हैं जो कल सीजेपी की रैली में मौजूद थे और तोड़-फोड़ में शामिल थे।' गिरफ्तार किए गए 11 लोगों के नाम हैं- इरफान खुर्शीद (30), अरशद अली उर्फ साजिद (50), मो. मोइनुद्दीन (26), मो. आलमगीर उर्फ राजू (48), इमरान अहमद उर्फ गोपी (19), खालिद रजा उर्फ रिंकू (47), जमीर अहमद उर्फ मिंकू (42), मोहसिन खान (30), दीपक भौमिक उर्फ विक्की (38), मो. आजाद और मो. अफरोज। एडिशनल सीपी (क्राइम) कुणाल अग्रवाल ने बताया कि मो. आजाद और मो. अफरोज पश्चिम बंगाल से भागने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन उन्हें अंडाल के पास दुर्गापुर एक्सप्रेसवे पर पकड़ लिया गया। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी द्वारा अशांति फैलाने वाले लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी देने के 24 घंटे के भीतर ही पुलिस ने यह कार्रवाई की। गिरफ्तार किए गए लोगों में मोहम्मद अफरोज नाम का एक आरोपी भी शामिल है। वह कोलकाता के मेतियाब्रुज के राजाबागन इलाके का निवासी है। पुलिस ने वीडियो फुटेज देखने के बाद उसकी पहचान कर ली। पुलिस शुक्रवार से ही उसकी तलाश कर रही थी। आखिरकार, पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी युवक पश्चिम बर्धमान के अंडाल में है। कोलकाता के गार्डन रीच इलाके के निवासी मोहम्मद आजाद को भी अंडाल से गिरफ्तार किया गया।

भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ भव्य सोने के आभूषणों से सजे महाप्रभु श्री जगन्नाथ, लाखों श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

पुरी, एजेंसी। भगवान जगन्नाथ और उनके भाई-बहनों, देवी सुभद्रा और भगवान बलभद्र की 'सुना बेषा' देखने के लिए लाखों भक्त पुरी के ग्रैंड रोड पर इकट्ठा हुए हैं. दर्शन शनिवार को देर रात तक जारी रहेंगे. भगवान के सोने के कपड़े (सुना बेषा) को 'बड़ा तधौ बेषा' भी कहा जाता है. परंपरा के अनुसार, बहुड़ा यात्रा (एकादशी) के अगले दिन, श्रीमंदिर के सिंहद्वार के सामने 'रथरुढ़ चतुर्धमूर्ति' (रथों पर सवार त्रिमूर्ति) को सोने के कपड़े पहनाए जाते हैं. दिन में पहले, रथ पर महाप्रभु की धूप-बत्ती की रस्म की गई. फिर पलिया भंडारी मेकप, पलिया खुंटिया के सेवक मजिस्ट्रेट, पुलिस और मंदिर के अधिकारियों की मौजूदगी में मंदिर के खजाने से सोने के गहने लाए. शाम 5:30 से 6:30 बजे के बीच भगवान जगन्नाथ को सोने के गहनों से सजाया गया. पौराणिक कथा के मुताबिक, रथ यात्रा के पहले दिन,

उस समय के राजा इंद्रद्युम्न ने महाप्रभु को यह दुर्लभ सोने का कपड़ा पहनाया था. बाद में, दक्षिणात्य की जीत के बाद, गजपति कपिलेंद्र देब 16 हाथी गाड़ियों में भरकर सोने के गहने लाए और उन्हें भगवान जगन्नाथ के चरणों में चढ़ा दिया. उस समय, राजा कपिलेंद्र देब ने तधौकरण की सलाह पर बहुदा एकादशी पर महाप्रभु का सुनहरा पहनावा किया था. चूंकि महाप्रभु का सुनहरा पहनावा सिंहासन पर किया गया था, इसलिए दूसरे वर्ग के भक्त यह नजारा देखने से वंचित रह गए थे. इसलिए, राजा की इजाजत से, रथ यात्रा की बहुड़ा एकादशी पर रथ पर त्रिदेवों का दिव्य सुनहरा पहनावा किया जाता है. चूंकि यह पहनावा तधौकरण के कहने पर किया जाता है, इसलिए रथ पर महाप्रभु के सुनहरे पहनावे को 'बड़ा तधौ बेषा' कहा जाता है. इस बीच, अधिकारियों ने बताया कि शनिवार शाम को रथों पर 'सुना बेषा' (सुनहरे कपड़े) की रस्म से पहले, नेशनल हाईवे-316 पर भारी ट्रैफिक जाम की खबर मिली, जो तीर्थ नगरी पुरी को भुवनेश्वर से जोड़ता है. अधिकारियों ने बताया कि ओडिशा पुलिस शुक्रवार रात से पुरी-भुवनेश्वर रोड पर हर एक घंटे में ट्रैफिक एडवाइजरी जारी कर रही है. पुलिस ने ट्रैफिक कंट्रोल रूम पुरी से जारी अपनी नई एडवाइजरी में कहा है कि भुवनेश्वर की तरफ से पुरी की तरफ गाड़ियों का बहुत ज़्यादा आना-जाना है, जिससे रास्ते में बहुत ज्यादा जाम लग गया है. इसमें कहा गया है कि पुरी शहर के पास एंट्री पॉइंट, माल्टीपटपुर पर इंतज़ार का समय अब बढ़कर लगभग 150 मिनट हो गया है और दिन चढ़ने के साथ इसके और बढ़ने की संभावना है. पुलिस ने आने-जाने वालों से कहा है कि वे अपनी यात्रा उसी हिसाब से प्लान करें और आगे की ट्रैफिक एडवाइजरी से अपडेट रहें. पुलिस ने लोगों से भी कहा है कि वे इस त्योहार के समय में ट्रैफिक को आसान बनाने और सभी भक्तों की सुरक्षा के लिए ड्यूटी पर मौजूद लोगों के साथ सहयोग करें।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर अमित शाह ने कहा, बीजेपी कार्यकर्ताओं के लिए पद से बड़ा देश और छात्र

नई दिल्ली, एजेंसी। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर प्रतिक्रिया देते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि भाजपा देश, युवाओं और छात्रों को किसी भी पद से ज्यादा महत्वपूर्ण मानती है. एक्स पर एक पोस्ट में शाह ने कहा, 'बीजेपी कार्यकर्ताओं के लिए देश, हमारे युवा और छात्र किसी भी पद से कहीं ज़्यादा जरूरी हैं. केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का अपने पद से इस्तीफ़ा इसी सिद्धांत का उदाहरण है.'

उन्होंने आगे कहा, 'मोदी सरकार देश के युवाओं की भावनाओं का सम्मान करती है और पेपर लीक के खिलाफ जरूरी सुधार लागू करने के लिए कमिटेड है. पेपर लीक के दोषियों को कड़ी सजा दिलाने के लिए मोदी जी के फैसले तारीफ के काबिल हैं. मुझे पूरा भरोसा है कि इन कदमों से नीट परीक्षा में

सफल हुए स्टूडेंट्स को पूरा इंसाफ मिलेगा.' शिक्षा मंत्री के तौर पर धर्मेंद्र प्रधान के कार्यकाल के बारे में बताते हुए शाह ने कहा, 'अपने कार्यकाल के दौरान, धर्मेंद्र प्रधान ने नेशनल एजुकेशन पॉलिसी को असरदार तरीके से लागू करने, पीएम श्री स्कूलों को बढ़ाने, डिजिटल एजुकेशन को बढ़ावा देने, स्किल डेवलपमेंट और इंडस्ट्री-एकेडेमिया के बीच तालमेल को मजबूत करने में बड़े सुधार किए हैं. उनका कार्यकाल भारत को एक विकसित देश बनाने के उनके इरादे के प्रति उनके समर्पण का सबूत है.' इस बीच पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि प्रधान के इस्तीफे के बाद उनका 'दिल भारी' है. मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने एक्स पर कहा,'आज जब धर्मेंद्र प्रधान ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री के पद से अपना इस्तीफा दिया तो मेरा 'दिल भारी' है. पब्लिक लाइफ में अक्सर मुश्किल फैसले लेने पड़ते हैं, लेकिन देश बनाने में उन्होंने जो योगदान दिया है, वह पीढ़ियों तक याद रहेगा. नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 के जरिए उन्होंने एक ऐसे एजुकेशन सिस्टम की नींव रखी जो मजबूत बुनियादी लिटरेसी को बढ़ावा देता है. मल्टीडिसिप्लिनरी लर्निंग को बढ़ावा देता है और हमारे युवाओं को ग्लोबल स्टेज पर कॉन्फिडेंस के साथ मुकाबला करने के लिए एडवांस्ड स्किल्स से तैयार करता है. उनका विजन सिर्फ पढ़ाना नहीं था, बल्कि हर युवा भारतीय को भारत के मूल्यों से जुड़ा एक ग्लोबल नागरिक बनने के लिए मज़बूत बनाना था.' नीट पेपर लीक पर स्टूडेंट्स के विरोध के बाद प्रधान ने पद छोड़ दिया. उन्होंने अपने इस्तीफे की घोषणा करते हुए कहा कि उन्होंने स्टूडेंट्स के हित में और यह पक्का करने के लिए कि परीक्षा में गड़बड़ियों को लेकर चल रहे विरोध का फायदा 'देश-विरोधी ताकतें' न उठा पाएं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना इस्तीफा सौंप दिया है।

पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती के इस बयान पर विवाद, नेशनल कॉन्फ्रेंस ने माफी मांगने को कहा

श्रीनगर, एजेंसी। कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीपल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती पर यह आरोप लगा है कि उन्होंने आतंकवाद का हवाला देते हुए कश्मीर में प्रदर्शनकारियों पर सुरक्षा बलों द्वारा किए गए बल प्रयोग या हिंसा को एक तरह से सही ठहराया है. इसको लेकर विवाद खड़ा हो गया है. दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन के दौरान महबूबा मुफ्ती ने कथित तौर पर कहा था कि कश्मीर में आतंकवाद और सुरक्षा बलों के बीच संघर्ष की स्थिति होने के कारण वहां प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग कुछ हद तक समझ में आता है. अपनी बेटी इल्तिजा मुफ्ती के साथ नई दिल्ली में जंतर-मंतर गईं मुफ्ती ने कॉकरोच जनता पार्टी को समर्थन देने के दौरान यह बात कही. हालांकि, उसी वीडियो क्लिप में मुफ्ती बिना हथियार वाले स्टूडेंट्स के खिलाफ दिल्ली पुलिस की कार्रवाई की बुराई करती दिख रही हैं. मुफ्ती ने कहा, 'सिर्फ दिल्ली पुलिस ही नहीं, बल्कि दंगाई भी स्टूडेंट्स को पीटने में उनकी मदद कर रहे थे. हमने कश्मीर में कई सालों से यह देखा है, लेकिन वहां आतंकवाद है, जहां एक तरफ सुरक्षा बल हैं और दूसरी तरफ आतंकवादी हैं. इसलिए, यह कुछ हद तक समझ में आता है. लेकिन ये छात्र बिना हथियार के, अहिंसक थे और उनके पास कोई पत्थर नहीं था. फिर भी, दिल्ली पुलिस और दंगाई उन्हें बेरहमी से पीट रहे थे. मैंने ऐसा पहले कभी नहीं देखा।

नेशनल कॉन्फ्रेंस के मुख्य प्रवक्ता और विधायक तनवीर सादिक ने मुफ्ती की टिप्पणी के लिए उनकी आलोचना की और पीडीपी से माफी की मांग की. उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि, क्या जम्मू-कश्मीर का हर नागरिक आतंकवादी है. क्या रिजर्वेशन के मुद्दे या दूसरे मुद्दों पर प्रदर्शन करने वाले आतंकी हैं. उन्होंने महबूबा की टिप्पणी को 'शर्मनाक' बताया.

तनवीर ने कहा कि कश्मीरी भी देश के नागरिक हैं, लेकिन मुफ्ती ने कश्मीर में हर प्रदर्शनकारियों को 'मिलिटेंट' कहा है. उन्होंने कहा, 'कश्मीरी छात्र या प्रदर्शनकारी का दर्द, इज्जत और हक किसी भी दूसरे भारतीय से कम नहीं हैं. दुख की बात है कि पीडीपी अक्सर कश्मीरियों के साथ खुलकर खड़ी होने के बजाय उनके दुख को सही ठहराती रही है. यह नेतृत्व नहीं, बल्कि पद छोड़ना है.'

यह तब हुआ जब मुफ्ती और दूसरी जम्मू कश्मीर पार्टियों ने जम्मू कश्मीर को अलग राज्य बनाने के लिए राष्ट्रीय राजधानी में प्रदर्शन में शामिल होने के नेशनल कॉन्फ्रेंस के निमंत्रण को ठुकरा दिया था. 20 जुलाई को संसद के मानसून सत्र के पहले दिन इस प्रदर्शन को नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने लीड किया.

एनसी नेता ने दूसरे राजनीतिक पार्टियों पर निशाना साधते हुए उन पर चुप रहने का आरोप लगाया, जबकि, नेशनल कॉन्फ्रेंस लोगों के हक के लिए लड़ रही थी. तनवीर ने कहा, 'यह दुख की बात है कि यहां बैठे कई राजनीतिक नेता अपने घरों से ट्वीट कर रहे थे।

करगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ: राजनाथ बोले, 'देश की सेना हर चुनौती से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार'

श्रीनगर, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि भारत की सेना किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार है. उन्होंने कहा कि देश के दुश्मन बार-बार नाकाम होने के बावजूद प्रॉक्सी वॉर और घुसपैठ जैसी 'नापाक चालें' अपनाते रहते हैं. रविवार को सशस्त्र बल करगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ मनाएंगे. यह दिवस 1999 के करगिल युद्ध में भारत को जीत दिलाने वाले ऑपरेशन विजय की सफलता की याद में मनाया जाता है. 27वें करगिल विजय दिवस की एक शाम पहले द्रास में एक यादगार कार्यक्रम के दौरान सैनिकों को संबोधित करते हुए, सिंह ने 1999 के कारगिल युद्ध में लड़ने वाले सैनिकों को श्रद्धांजलि दी. उन्होंने कहा कि उनकी हिम्मत, देशभक्ति और बलिदान सेना और देश दोनों को प्रेरणा देते रहते हैं. सिंह ने कहा, 'भले ही दुश्मन के इरादे बदले नहीं हैं और वह प्रॉक्सी वॉर (परोक्ष युद्ध) और घुसपैठ जैसे खतरनाक तरीके अपना रहा है, फिर भी भारतीय रक्षा बल किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार है.' उन्होंने कहा कि करगिल लड़ाई के दौरान भारतीय सैनिकों ने जो बहादुरी दिखाई, वह आज भी हिम्मत और देश के गर्व की निशानी है. सेना पर भरोसा जताते हुए, रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत की सुरक्षा उसके सैनिकों के पक्के इरादे पर टिकी है. उन्होंने कहा, 'जब तक देश के बहादुर सैनिकों की देशभक्ति और इरादा पक्का है, तब तक कोई भी भारत पर बुरी नजर डालने की हिम्मत नहीं कर सकता. उनकी हिम्मत हर नागरिक को बिना किसी डर के अपने सपने पूरे करने और उन्हें पूरा करने में मदद करती है.'

सैनिकों के साथ पारंपरिक बड़ाखाना खाने पर बातचीत के दौरान, सिंह ने कहा कि, देश को करगिल में मिली जीत का जश्न मनाना चाहिए और साथ ही बदलती सुरक्षा चुनौतियों के प्रति भी अलर्ट रहना चाहिए. उन्होंने कहा, 'करगिल की जीत को याद करके हमें गर्व महसूस होता है, लेकिन हमें

यह भी याद रखना चाहिए कि हमारे सामने आने वाली चुनौतियां कम नहीं हुई हैं.' सिंह ने नरेंद्र मोदी सरकार के सेवारत कर्मियों और पूर्व सैनिकों की भलाई के लिए वादे को दोहराया. उन्होंने कहा कि सरकार सशस्त्र बलों को एडवांस्ड हथियार, बेहतर ट्रेनिंग और आधुनिक क्षमताओं से लैस करके उन्हें मॉडर्न बनाने पर ध्यान दे रही है. उन्होंने नई टेक्नोलॉजी अपनाने और भारत की रक्षा तैयारियों को मजबूत करने के लिए सेना की भी तारीफ की. सिंह ने कहा, 'यह सदी हमारी है. भविष्य भी हमारा है. आत्मनिर्भरता की दिशा में हमने जो कदम उठाए हैं, उसे देखते हुए मुझे विश्वास है कि आने वाले समय में हमारी रक्षा सेना दुनिया में सबसे अच्छी बनेगी. शौर्य भोज नाम का यह यादगार कार्यक्रम द्रास के विश्वनाथन स्टेडियम में हुआ. इसमें ड्रोन, रोबोटिक खच्चरों और आर्मी मार्शल आर्ट्स रूटीन ड्रिल का प्रदर्शन किया गया, जिसमें भारतीय सेना द्वारा ऊंचाई वाले ऑपरेशन में टेक्नोलॉजी के बढ़ते इस्तेमाल को दिखाया गया. इस कार्यक्रम में लद्दाख की रिच हेरिटेज दिखाने वाले सांस्कृतिक प्रदर्शन और छात्र की देशभक्ति वाली प्रस्तुति भी शामिल थीं. लद्दाख स्काउट्स रेजिमेंटल सेंटर बैंड ने देशभक्ति की धुनों के साथ प्रोग्राम की शुरुआत की, इसके बाद कॉर्प्स ऑफ़ मिलिट्री पुलिस सेंटर और स्कूल की श्वेत अश्व टीम ने मोटरसाइकिल का प्रदर्शन किया, जिसमें सटीक राइडिंग और प्रोफेशनल एक्सीलेंस दिखाया गया.

प्रोग्राम का समापन विजय भोज के साथ हुआ, जिसमें ऑपरेशन विजय के नायकों को श्रद्धांजलि देने के लिए सेवारत सैनिक, वेटरन, गैलेंट्री अवार्ड विजेता, वीर नारी, शहीद सैनिकों के परिवार, सिविल गणमान्य और स्थानीय निवासी एक साथ आए. इससे पहले शाम को, सिंह ने करगिल वॉर मेमोरियल पर शौर्य संध्या में भाग लिया, जहां देशभक्ति के प्रदर्शन के बाद ऑपरेशन विजय के दौरान सर्वोच्च बलिदान देने वाले सैनिकों के सम्मान में एक समारोह हुआ।

सैनिकों, पूर्व सैनिकों और अग्नि वीरों के कल्याण के लिए हरियाणा सरकार प्रतिबद्धः राव नरबीर सिंह

चंडीगढ़। राव नरबीर सिंह ने कहा कि हरियाणा सदैव वीर सैनिकों की भूमि रहा है। राज्य के युवा थल सेना, जल सेना और वायु सेना के साथ-साथ बीएसएफ, सीआरपीएफ, सीआईएसएफ, आईटीबीपी, एसएसबी तथा असम राइफल्स जैसे केंद्रीय अर्धसैनिक बलों में भी महत्वपूर्ण सेवाएं दे रहे हैं। उनके लिए हरियाणा सैनिक एवं अर्धसैनिक कल्याण निगम का गठन किया जा रहा है ताकि सैनिकों, पूर्व सैनिकों, अर्धसैनिक बलों के जवानों और उनके आश्रितों के कल्याण को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। कारगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ की पूर्व संध्या पर कारगिल के शहीदों को नमन करते हुए राव नरबीर सिंह ने कहा कि कोई भी समाज या राष्ट्र मातृभूमि की रक्षा करने वाले अपने सैनिकों का ऋण नहीं चुका सकता, लेकिन सरकारें उन वीर जवानों तथा उनके परिवारों के कल्याण एवं हितों की रक्षा के लिए सदैव प्रतिबद्ध रहती हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में अब तक शहीद सैनिकों के 420 आश्रितों को सरकारी नौकरी प्रदान की जा चुकी है। साथ ही सशस्त्र पुलिस बलों और अग्नि वीरों के लिए दी जाने वाली एकमुश्त वीरता पुरस्कार राशि में भी वृद्धि की जाएगी। मंत्री ने कहा कि हरियाणा देश का पहला राज्य है जिसने अग्निवीरों के पुनर्वास के लिए सरकारी नौकरियों में भूतपूर्व सैनिकों की तर्ज पर आरक्षण देने का निर्णय लिया है। इस संबंध में हरियाणा मंत्रिमंडल द्वारा नीति को मंजूरी प्रदान की जा चुकी है। अग्निवीरों अपनी चार वर्ष की सेना में सेवा करने उपरांत 31 जुलाई को पहला बैच वापिस आ रहा है। जिसमें अग्निपथ योजना के तहत वर्ष 2022-23 में अग्निवीर के रूप में भर्ती हुए हरियाणा के 1830 अग्निवीरों में से 25 प्रतिशत सेना की नियमित सेवाएं देंगे विशेष 75 प्रतिशत लगभग 1373 अग्निवीर वापिस लौटेंगे, सरकार ने पहले ही इनके लिए हरियाणा अग्निवीर नीति 2024 क्रियान्वित की है जो अगस्त 2026 प्रभावित होगी। ऐसा प्रावधान करने वाला हरियाणा देश का एकमात्र राज्य है। उन्होंने बताया कि गुरुग्राम, पलवल, पानीपत, झज्जर, नूंह, फतेहाबाद, जींद, नारनौल और रेवाड़ी में एकीकृत सैनिक सदनों के निर्माण की प्रक्रिया जारी है। नूंह में जिला सैनिक एवं अर्धसैनिक कल्याण विभाग का कार्यालय भी खोला गया है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने हरियाणा के सेवानिवृत्त केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल कर्मियों का पंजीकरण सैनिक एवं अर्धसैनिक कल्याण विभाग की वेबसाइट भी लांच की है, जिसपर हरियाणा निवासी केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के पूर्व कर्मी अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। उन्होंने पंचायती राज संस्थाओं तथा स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों से अपील की कि वे पात्र कर्मियों को पंजीकरण के लिए प्रेरित करें और आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करें।

किसान की मेहनत का सम्मान और हरियाणा की कृषि शक्ति का उत्सव है मैंगो मेलाः मंत्री श्याम सिंह राणा

कौमी पत्रिका

चंडीगढ़। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग मंत्री श्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि यह मेला किसान की मेहनत का सम्मान है और हरियाणा की कृषि शक्ति का उत्सव है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया की सबसे तेज बढ़ती अर्थव्यवस्था बन रहा है। इस यात्रा की सबसे बड़ी ताकत हमारे गांव, किसान और कृषि हैं। किसान की मेहनत का पूरा मूल्य तभी मिलेगा जब वह बाजार की ताकत भी बने। इसी सोच से देशभर में फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गेनाइजेशन का नेटवर्क बन रहा है। इसे मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी प्रदेश में पूरजोर बढ़ावा दे रहे हैं। छोटे किसानों के जुड़ने से लागत घटती है और आय बढ़ती है। मंत्री आज कुरुक्षेत्र के लाडवा के उप उष्णकटिबंधीय फल केंद्र में तीन दिवसीय 8वें मैंगो मेले के समापन अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले कैबिनेट मंत्री श्याम सिंह राणा ने उप केंद्र की नर्सरी का निरीक्षण किया और पौधे तैयार करने की विधि की जानकारी ली। उप केंद्र परिसर में पौधा रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया

और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक पेड़ मां के नाम अभियान को आगे बढ़ाने की अपील की। इसके साथ ही अलग अलग राज्यों से आए प्रगतिशील किसानों द्वारा लगाए गए स्टॉलस का अवलोकन किया और आम की विभिन्न किस्मों में गहरी रुचि दिखाई। कैबिनेट मंत्री श्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि मैंगो मेले में 200 से अधिक आम की किस्में प्रदर्शित की गई है जो हरियाणा के किसानों के अनुभव, नवाचार और परिश्रम का परिणाम हैं। वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाना है तो खेती को भी भविष्य के अनुरूप ढालना होगा। दुनिया आज एआई की चर्चा कर रही है, इसका सबसे बड़ा लाभ हमारे किसान को मिलेगा। मिट्टी में तत्व की कमी, सिंचाई का समय, लाभकारी फसल, रोग का संकेत, मंडी की मांग, यह पहले से पता चले तो समय बचेगा, लागत घटेगी और आमदनी बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि आज ड्रोन खेत सर्वेक्षण कर रहे हैं, एआई मिट्टी की सेहत जांच रहा है, मौसम की जानकारी मोबाइल तक पहुंच रही है। एआई आधारित डिजिटल अकाउंटिंग से किसान अपने मोबाइल पर ही खर्च-आमदनी का पूरा हिसाब रख सकता है। यही स्मार्ट खेती का भविष्य है। तकनीक रास्ता दिखा सकती है, परंतु खेती की आत्मा किसान का अनुभव ही है। इसलिए परंपरा और तकनीक, दोनों साथ चलेंगे। मंत्री ने कहा कि भूमि जोत छोटी होती जा रही है, इसलिए सरकार किसानों को बागवानी फसलें लगाने के लिए प्रेरित कर रही है। नया आम बाग लगाने पर 42 हजार रुपये प्रति एकड़ सब्सिडी दी जाती है। साथ ही आम की फसल को भावांतर भरपाई योजना में भी शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित कर रही है। वर्ष 2022 में शुरू हुई प्राकृतिक खेती योजना धरती की सेहत बचाने, लागत घटाने और भविष्य सुरक्षित करने का संकल्प है। लगभग 2 लाख किसानों ने 3 लाख एकड़ भूमि पंजीकृत करवाई है, 24 हजार किसान 44 हजार एकड़ से अधिक पर प्राकृतिक खेती कर रहे हैं। वर्ष 2025-26 में 20 हजार 727 एकड़ में प्राकृतिक खेती हुई और इस वर्ष प्राकृतिक खेती के लिए 30 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया गया है। मंत्री ने कहा कि प्राकृतिक खेती में देसी गाय का विशेष महत्व है। वर्ष 2025 से देसी गाय आधारित जीवामृत-घनजीवामृत के लिए सब्सिडी बढ़ाकर 30 हजार रुपये की गई है। इसके साथ साथ प्राकृतिक खेती में उपयोग होने वाले कच्चे माल के भंडारण और प्रसंस्करण के लिए चार ड्रम खरीदने हेतु प्रत्येक किसान को 3 हजार रुपये की सहायता भी दी जा रही है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के एडीसी महेंद्र सिंह, बागवानी विभाग के महानिदेशक डॉ. अर्जुन सिंह सैनी, बागवानी विभाग के मिशन डायरेक्टर डा. मनोज कुमार, चेयरमैन डा. गणेश दत्त व अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

बिनौली के युवक का पीछा नहीं छोड़ रहा एक सांप, चार माह में तीसरी बार डसा

बागपत। बागपत के बिनौली गांव में एक ऐसी घटना सामने आई है, जो हैरान करने वाली है। युवक राजा, एक ऐसे सांप के निशाने पर है जो चार माह में तीसरी बार उसे डस चुका है। शनिवार रात को एक बार फिर इस सांप ने राजा पर हमला किया, जिसके बाद उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार और एंटी स्नेक वेनम की दस वैक्सीन लगाने के बाद उसे मेरठ मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, जहां हालत में सुधार होने पर चिकित्सकों ने उसे घर भेज दिया। बिनौली के रहने वाले राजा वाल्मीकि ने बताया कि शनिवार रात करीब साढ़े दस बजे वह पेशाब करने के लिए घर के बाथरूम में गया था। तभी उसे अपने पैर में किसी जीव के काटने जैसा महसूस हुआ। पहले तो उसने मच्छर के काटने की बात सोची, लेकिन तभी उसने देखा कि एक सांप उसके पैर के पंजे के ऊपर से गुजर रहा था, जिससे उसे अहसास हुआ कि सांप ने डस लिया है। राजा ने तत्काल सांप को मारने का प्रयास किया, लेकिन वह भागने में सफल रहा। इस घटना के बाद राजा के परिवार वाले काफी चिंतित हैं। यह पहली बार नहीं है, जब राजा को सांप ने डसा हो। इससे पहले सात जुलाई को घर में बारिश का पानी भरने पर सांप ने उसके पैर में डस लिया था। वहीं, चार माह पहले झाड़ियों में क्रिकेट की गेंद तलाशते समय भी राजा को सांप ने डस लिया था। हालांकि, इन तीनों ही घटनाओं में राजा ने झाड़-फूंक करने वालों के बजाय सीधे जिला अस्पताल पहुंचकर उपचार कराया। इस मामले में डॉक्टर शाहिद अली ने बताया कि सांप के डसने पर एंटी स्नेक वेनम की वैक्सीन लगाकर जान बचाई गई। उन्होंने जोर देकर कहा कि ऐसे मामलों में अंधविश्वास से दूर रहकर तत्काल चिकित्सकीय सहायता लेना अत्यंत आवश्यक है। चार माह में तीन बार सांप द्वारा डसे जाने की इस घटना ने स्थानीय लोगों में भी चर्चा का विषय बना हुआ है।

शॉर्ट सर्किट से स्वीट्स हाउस में लगी भीषण आग, लाखों का नुकसान

अलीगढ़। टप्पल कस्बे के मुख्य मार्ग पर स्थित अशोक स्वीट्स हाउस में शनिवार देर रात दो बजे हुए शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई। जिससे काउंटर, फर्नीचर, फ्रिज सहित लाखों रुपये का सामान जल गया। दुकान के सर्विस कर्मी की सतर्कता और सूझबूझ से ऊपर की मंजिल पर सो रहे आठ कर्मचारियों को समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिससे उनकी जान बच सकी। पुलिस के अनुसार शनिवार देर रात करीब दो बजे अचानक शॉर्ट सर्किट होने से दुकान में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरे प्रतिष्ठान में फैल गई। दुकान में रखे आठ बिक्री काउंटर, आठ बड़े फ्रिज, मिष्ठान, नमकीन, कोल्ड ड्रिंक केन, कुर्सियां, मेज तथा अन्य फर्नीचर जल गया। आग की लपटें इतनी विकराल थीं कि समीप स्थित श्याम विद्या स्कूल तथा प्रतिष्ठान की छत और दीवारें भी काली पड़ गईं। दुकान के कर्मचारी बॉबी ने बताया कि वह रोज की तरह भूतल पर सो रहा था, जबकि अन्य कर्मचारी पहली मंजिल पर सो रहे थे। रात करीब दो बजे धुएं और घुटन का एहसास होने पर उसकी आंख खुली तो दुकान में आग लगी हुई थी। उसने बिना समय गंवाए ऊपर जाकर सभी कर्मचारियों को जगाया और सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

संदिग्ध हालात में युवक की मौत, पत्नी पर जहर देकर हत्या का आरोप, जांच में जुटी पुलिस

पीलीभीत। पीलीभीत के बीसलपुर नगर के मोहल्ला हबीबुल्लाह खान जनूबी स्थित एकता नगर कॉलोनी में रविवार सुबह एक युवक की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। परिजनों ने उसकी पत्नी पर चाय में जहर देकर हत्या करने का आरोप लगाया है। मामले में पुलिस ने पत्नी के कथित प्रेमी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। बीसलपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव अहिरवाड़ा निवासी विश्राम सागर मिश्रा ने बताया कि उनके बड़े भाई रमाकांत मिश्रा (34 वर्ष) परिवार के साथ एकता नगर कॉलोनी में रहते थे। उनके चार बच्चे हैं। आरोप है कि रमाकांत की पत्नी के शाहजहांपुर निवासी शिवम शुक्ला से पिछले चार-पांच वर्षों से संबंध थे। आरोपी रमाकांत पत्नी के मायके क्षेत्र का रहने वाला है। इस बात को लेकर पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता था। परिजनों का आरोप है कि शनिवार दोपहर शिवम रमाकांत के घर पहुंचा था। शाम को रमाकांत के घर लौटने पर दोनों के बीच कहासुनी और मारपीट हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस शिवम को हिरासत में लेकर कोतवाली ले गई। परिजनों का आरोप है कि शिवम के पास से तीन चाकू भी बरामद हुए थे। परिजनों के मुताबिक, रविवार सुबह रमाकांत की तबीयत अचानक बिगड़ गई। उसे पहले एक निजी अस्पताल और बाद में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल में उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। परिजनों का कहना है कि हालत बिगड़ने के बाद रमाकांत को उनकी पत्नी ही सीएचसी के बाद जिला अस्पताल लेकर गई। रविवार दोपहर उसकी मौत होने के बाद पत्नी घर चली गई। सूचना पर पहुंचे परिजन ने प्रेम प्रसंग के चलते पत्नी पर रमाकांत को विषाक्त पदार्थ पिलाने का आरोप लगाया है। घटना की सूचना पर पुलिस जिला अस्पताल पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सीओ राहुल पांडेय ने बताया कि अभी तक परिजनों की ओर से तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि मौत के कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही हो सकेगी।

NAME CHANGE
I, KAMALAMMA mother of No-2613993M, Rank-HAV, Name-P VIJAY, residing at VPO- KRISTIPADU, TEHSIL- KOILKUNTLA, DIST-NANDYAL, ANDHRA PRADESH-518134, have changed my name from KAMALAMMA to PALUTLA KANTHAMMA for all future purposes vide Affidavit dated 25/07/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Pradeep Chaurasia S/O Ram Vilas Chaurasia R/O House No 164,Gali No 5,Piple Wali Gali Guldhar Sector 23, Rajnagar, Ghaziabad, PO: New Raj Nagar Dist: Ghaziabad, Uttar Pradesh -201002, have changed the name of my minor Son Viraaj Chaurasia aged 08 Years and he shall hereafter be known as Abhiraaj Sharma

NAME CHANGE
I, NEERAJ GAUR, Father and Natural guardian of minor ANAYA, R/o HOUSE No-1045, SHAHABAD MOHD. PUR,NEW DELHI-110061, have changed the name of my minor daughter from ANAYA TO ANAYA GAUR. Henceforth She shall be known as ANAYA GAUR for all purposes.

NAME CHANGE
I, NEERAJ GAUR, Father and Natural guardian of minor DRASHTI, R/o HOUSE No-1045, SHAHABAD MOHD. PUR,NEW DELHI-110061, have changed the name of my minor daughter from DRASHTI TO DRASHTI GAUR. Henceforth She shall be known as DRASHTI GAUR for all purposes.

NAME CHANGE
I, Anil Yadav, S/o Raghunath Singh, R/o House No. C-206, Ground Floor, Mayfield Garden, Sector-50, Gurugram, Haryana – 122018, have changed my name to Anil Kumar. Henceforth, I shall be known as Anil Kumar for all purposes.

NAME AND DATE OF BIRTH CHANGE
I, RAJESHREE mother of JC-781968P, Rank-NB SUB, Name-SANTOSH PATIL residing at KOTHALI, PO-KOTHALI, DIST-BELGAUM, KARNATAKA-591287, have changed my name from RAJESHREE to RAJSHREE PATIL URF BHIMARAYI for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1959 instead of my correct date of birth as 01/01/1963 vide Affidavit dated 25/07/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, SADIYA NAZ wife of Asim Nadeem R/o House No. 593, Gali Jute Wali, Churiwalan, Jama Masjid, Delhi-110006 have changed my name from Sadia Naaz to Sadiya Naz for all future purposes.

NAME CHANGE
I, KALAWATI JINNAPPA JAIN wife of JC-781968P, Rank-NB SUB, Name-SANTOSH PATIL residing at KHADAKALAT ROAD, KOTHALI, PO-KOTHALI, DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591287, have changed my name from KALAWATI JINNAPPA JAIN to KALAVATI SANTOSH PATIL for all future purposes vide Affidavit dated 25/07/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME AND DATE OF BIRTH CHANGE
I, DILEEP PRASAD YADAV Father of No. 17028965M Rank-NK/DVR (MT) Name-RANJEET KUMAR YADAV Residing at-HASANGANJ, MAHNAUR KATIHAR, BIHAR-854337, have changed my name from DILEEP PRASAD YADAV to DILIP KUMAR YADAV for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 05/01/1959 instead of my correct date of birth as 01/01/1953 Vide Affidavit dated 25/07/2026 before Notary Public Delhi.

NAME AND DATE OF BIRTH CHANGE
I, No-15815537K Rank-NK Name-LAMBAR BHAU RAMU residing at VPO-VILWADE, TEHSIL-SAWANTWADI, DIST-SINDHUDURG, MAHARASHTRA-416511, have changed my mother's name from RAMIBAI to RAMIBAI RAMU LAMBAR for all future purposes and in my service records my mother's date of birth wrongly mentioned as 04/08/1964 instead of her correct date of birth as 01/01/1974 vide Affidavit dated 25/07/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME AND DATE OF BIRTH CHANGE
I, No-15815537K Rank-NK Name-LAMBAR BHAU RAMU residing at VPO-VILWADE, TEHSIL-SAWANTWADI, DIST-SINDHUDURG, MAHARASHTRA-416511, have changed my father's name from RAMU to RAMU DHAU LAMBAR for all future purposes and in my service records my father's date of birth wrongly mentioned as 10/04/1960 instead of his correct date of birth as 01/06/1969 vide Affidavit dated 25/07/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Gautam Sharma S/o Kewal Sharma R/o 1/100, UG/F, Plot No-3 Near Mandir Shri Ram Nagar, Shahdara, Delhi-110032 have changed my name to Goutam Sharma for all future purposes.

NAME CHANGE
I, hitherto known as Earfan Mukarmali Salmani S/O Mangu Kha, R/O VTC: Malakpur, PO: Seohara, Sub District: Dhampur, District: Bijnor, Uttar Pradesh, 246746, have changed my name and shall hereafter be known as IRFAN.

NAME CHANGE
I,BANO BEGAM W/o SHAMSHAD ANSARI, residing at H. No. T-358, Gali No. 9, Gautampuri, North East Delhi, Delhi-110053, Change My Name from BANO, BAANO to BANO BEGAM respectively, which may be amended accordingly for all purpose.

NAME CHANGE
It is for general information that I MOHD SAMIR S/o MOHD ILIYAS R/o 1154 , Gali Sayyed Wali , Kala Mahal , Kucha Chelan , PO : Darya Ganj , Dist : Central Delhi , Delhi - 110002 , declare that the name of my Father and my Mother has been wrongly written as ILYAS MALIK and NAGINA in my 10th and 12th Class Education Documents. And name of my Father has been wrongly written as ILYAS MALIK in my PAN No. TTGPS8669D. and in my Voter ID No. XVP1817261. The actual name of my Father and my Mother are MOHD ILIYAS and NAGEENA BEGUM Which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I ASHWANI KUMAR S/O JEET SINGH R/O RZ-198/G2, GALI NO.-15 TUGHLAKABAD EXTN., KALKA JI, PO: ALI, DIST: SOUTH DELHI DELHI-110019 have changed the name of my minor son MANAV aged 14 years and he shall hereafter be known as MANAV SINDHU.

Name and Date of Birth Change
I SHALAN legally mother of Army no -2810545Y, Rank - SEP, Name - GHADGE SANJAY DHONDIRAM, Presently Residing At - HATID, Post- HATID, Teh - SANGOLA Dist - SOLAPUR, State-MAHARASHTRA Pin - 413307 have changed my name from SHALAN to SHALAN DHONDIRAM GHADGE for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 02/03/1972 instead of my correct date of birth as 01/06/1966 vide Affidavit dated 25/07/2026 before Notary Public, Delhi.

Name and Date of Birth Change
I DHONDIRAM legally mother of Army no -2810545Y, Rank - SEP, Name - GHADGE SANJAY DHONDIRAM, Presently Residing At - HATID, Post- HATID, Teh - SANGOLA Dist - SOLAPUR, State-MAHARASHTRA Pin - 413307 have changed my name from DHONDIRAM to DHONDIRAM SHANKAR GHADGE for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1957 instead of my correct date of birth as 01/06/1957 vide Affidavit dated 25/07/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, hitherto Known as DESHRAJ S/O RAM PRATAP R/O H No 136 A/B Block, Gali No 4, Near Shiv Mandir, Rahul Garden, Bahaita Hajeepur, PO: Loni, DIST: Ghaziabad Uttar Pradesh-201102 have changed my name and shall hereafter be known as JAISARAJ.

NAME CHANGE
I, AZIZ FATMA W/o SHAH ALAM, R/o A-312F, SECTOR-11, VIJAY NAGAR, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201009, have changed the name of my minor Daughter Aaira, aged about 9 years and she shall hereafter be known as ABEEHA FATIMA. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE
I, KOMAL AGARWAL W/o VICKY AGARWAL, R/o PLOT NUMBER 365, SECOND FLOOR FLAT NUMBER-2, RAM NAGAR, KIRANA MANDI, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201001, have changed the name of my minor Son Aarav, aged about 11 years and she shall hereafter be known as LAKSHIV AGARWAL. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection

Public Notice
It is for general information that I Mohd Nadeem Salmani S/O Abdul Hakeem, R/O 2696, Amba Vihar, Muzaffarnagar, Muzaffarnagar, Uttar Pradesh - 251002,declare that name of mine and my wife has been wrongly written as Nadeem Salmani and Suhana in my minor daughter namely Riza Nadeem aged 16 years and in her 10th class educational documents, The actual name of mine and my wife are Mohd Nadeem Salmani and Farha Naaz, respectively which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mr. Suresh Kumar Girdhar S/o Mr. Bahadur Chand is the owner of freehold Plot no. 13, area measuring 125 Sq. Yds., out of Khasra no. 12/2/2 Situated in the area of village Kakrola, colony known as Tara Nagar in Block-B-1, Kakrola Delhi. Notarized by GPA, ATS & Will dated 18.09.2000 executed by Mrs. Kamla Singh W/o Mr. S.P. Singh in favour of Mr. Suresh Kumar Girdhar S/o Mr. Bahadur Chand Girdhar in respect of Plot no. 13, area measuring 125 Sq. Yds., out of Khasra no. 12/2/2., in the chain documents below mentioned document is GPA before that i.e.That, Notarized GPA, ATS & Will dated 02.06.1987 executed by Mr. Rajesh Kumar S/o Mr. Sukhbir Singh, Mrs. Devindri Devi W/o Mr. Tej Ram & Mrs. Santosh Devi W/o Mr. Jeewan Singh in favour of Mrs. Kamla Singh W/o Mr. S.P. Singh in respect of Plot no. 13, area measuring 125 Sq. Yds., out of Khasra no. 12/2/2. -now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same property sold to be Mr. Devendra Kumar and same has been financed by Bajaj Housing Finance Company Limited Branch: Gurgaon haryana If any person have any objection or claim with respect to the' right, title or interest in the Said Property then contact us with in 007 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

(Devendra kumar)
Tara nagar, Kakrola Dist
South west Delhi,
Delhi 110078
Mob - 9582702162

NAME CHANGE
I SURBHI MAHAWAR W/O SANJEEV KUMAR MAHAWAR R/O 9/3278 GALI NO-6 DHARAMPURA NEAR GURUDWARA GANDHINAGAR DELHI-110031 have changed my name to SANGEETA GUPTA for all future purpose.

NAME CHANGE
I hitherto known as JASMEET KAUR D/o PRITPAL SINGH W/o SUDEEP PAL SINGH CHARAYA, R/o Plot No. B-15, Deep Vihar, Near Balaji Mandir, Pansali, PO: Pehlad Pur, DIST: North West Delhi, Delhi - 110042 have changed my name and shall hereafter be known as JASMEET KAUR CHARAYA.

NAME CHANGE
I, Mohit Kumar S/O Ram Phire Singh, R/O 203, Pushp Vihar Colony, modipuram, Meerut, Uttar Pradesh - 250110, have changed the name of my minor daughter Prerna Pradhan aged 15 years and she shall hereafter be known as PRERNA ADHANA.

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mr. Vinod Kumar S/o Mr. Jai Ram Verma is the owner of Freehold Residential Built-on Property No. 245/49, area measuring 190 Sq. Yds., out of Khasra No. 1100/607, Situated in the area of Village Mandawali Fazalpur, in the abadi of East School Block, Mandawali Fazalpur, Illaqa Delhi 110092. by virtue of Regd. General Power of Attorney, Gift Agreement & Regd. Will (Vide Doc. No. 1495) dated 31.03.2010., duly registered as Doc. No. 3618, in Book No. 4, Vol. No. 3352, on Page No. 66-68, on dated 31.03.2010, in the office of SR-VIII, New Delhi/Delhi. now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same property sold to be Mr. Zafar Alam and same has been financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Laxmi Nagar Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client **Mr. Rajeev Kumar, Mr. Rakesh Kumar,Mr. Rishi Arora** in respect **Built Up First floor of Property bearing No. XVI/741 (New), area measuring 49 Sq. yds., situated at Joshi Road, Street No. 22, Karol Bagh, New Delhi.**, claiming to have undisputed ownership. Now my client intends to sell the property in which **SMFG India Home Finance Company Limited** will provide the financial assistance If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within Seven days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

सार्वजनिक सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है की, श्री दिनेश आयु 44 वर्ष पुत्र श्री रामसी लाल तथा आरती साहू आयु 47 वर्ष पत्नी श्री दिनेश साहू दोनों निवासी मकान संख्या 5-A, गली संख्या 26-I, ब्राइट वे पब्लिक स्कूल के निकट, मोलड़बंद एक्सटेंशन, बदरपुर, दक्षिण दिल्ली, दिल्ली-110044 ने अपने पुत्र राकेश आयु लगभग 26 वर्ष, तथा उसकी पत्नी भावना, आयु लगभग 22 वर्ष। को अपनी चल और अचल सम्पति से बेदखल कर दिया है आज से हमारा और हमारे परिवार का इन दोनों से किसी भी प्रकार का लेंन देंन नहीं रहा है अगर कोई भी उनसे किसी भी प्रकार का लेन देन करेगा वह स्वंम जिम्मेदार होगा।

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client **Mr. Rajeev Kumar, Mr. Rakesh Kumar, Mr. Rishi Arora** in respect **Built Up Third floor of Property bearing No. XVI/741 (New), area measuring 49 Sq. yds., situated at Joshi Road, Street No. 22, Karol Bagh, New Delhi,** claiming to have undisputed ownership. Now my client intends to sell the property in which **SMFG India Home Finance Company Limited** will provide the financial assistance If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within Seven days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

PUBLIC NOTICE
GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT BACK CHAIN OF "FLAT NO. 439FF, IN BLOCK/SECTOR-XU-01, AREA MEASURING 30 SQ. MTRS., SITUATED AT GREATER NOIDA, DISTT. GAUTAM BUDH NAGAR, UP." I.E. (1.) ORIGINAL ALLOTMENT CUM ALLOCATION LETTER DATED 17.08.2009 ISSUED BY GNIDA IN FAVOUR OF MRS. HEMLATA AGARWAL IN RESPECT OF THE SAID PROPERTY. (2.) ORIGINAL POSSESSION CERTIFICATE DATED 18.09.2013 ISSUED BY GNIDA IN FAVOUR OF MRS. HEMLATA AGARWAL IN RESPECT OF THE SAID PROPERTY & (3.) ORIGINAL LEASE DEED DATED 30.09.2013 EXECUTED BY GNIDA IN FAVOUR MRS. HEMLATA AGARWAL IN RESPECT OF THE SAID PROPERTY. AND THE SAME WAS DULY REGISTERED WITH SRO-GAUTAM BUDH NAGAR, AS DOCUMENT NO. 24172, BOOK NO. 1, VOL. NO. 14201, PAGES 89-122, ON 30-SEP-2013. HAVE BEEN LOST BY MRS. HEMLATA AGARWAL. AND IN THIS REGARD MRS. HEMLATA AGARWAL HAD LODGED LOST REPORT ON DT. 07.12.2012 BEFORE PS GHAZIABAD. CURRENTLY THIS PROPERTY OWNED BY MRS. SWETA WHO PURCHASED THE SAID PROPERTY VIDE TRANSFER DEED OF LEASE HOLD RIGHTS DATED 12-DEC-2022 EXECUTED BY MRS. HEMLATA AGARWAL (DOCUMENT NO. 43488). NOW MRS. MEENA SINGH AND MR. ROHIT KUMAR ARE GOING TO PURCHASE THE SAID PROPERTY, FROM OWNER / SELLER MRS. SWETA, WHICH WILL BE MORTGAGED WITH TRU HOME FINANCE LIMITED AS SECURITY AGAINST HOUSING LOAN FOR PURCHASING OF SAID PROPERTY. PLEASE SUBMIT THE SAID ORIGINAL DOCUMENTS IF FIND BY ANY PERSON. ALSO PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER WITH RELEVANT DOCUMENTS WITH UNDERSIGNED IF HAVING ANY OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY/DOCUMENTS WITHIN 10 DAYS OF THIS PUBLICATION. ITS USE BY ANYONE IS ILLEGAL.

ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, MANSAROVAR PARK,
SHAHDARA, DELHI-110032
MOBILE NO. 9999042521

सार्वजनिक सूचना
मैं बलविन्द्र कौर चन्दोक पत्नि स्वगीय श्री अमरबीर सिंह चन्दोक निवासी मकान सख्या एन-25, तीसरा तल (फ्लोर) साऊथ एक्सटेंशन, पार्ट-1, नई दिल्ली 110049 यह सार्वजनिक रूप से घोषित करती हूँ कि मेरी पौत्री (ग्रैंडडॉटर) सनमीर चन्दोक ने मुझसे सभी व्यक्तिगत संबंध समाप्त कर दिए हैं। अतः मैं उसे अपनी समस्त स्व-अर्जित चल एवं अचल संपत्ति से वंचित (डिसओन/डिसइनहेरिट) करती हूँ। भविष्य में मेरी किसी भी संपत्ति पर उसका कोई अधिकार या दावा स्वीकार नहीं किया जाएगा।

NAME CHANGE
I RUSTUM legally father of Army no -3010165P, Rank - HAV, Name - SAYYAD AZARUDDIN RUSTUM, Presently Residing
At - Sayyad Wasti, (Nirvagaj) Post-Nirawaghaj
Teh - BARAMATI, Dist - PUNE, State - MAHARASHTRA, Pin - 413102 have changed my name from RUSTUM to RUSTUM SILEMAN SAYYAD for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 14/05/1967 instead of my correct date of birth as 01/06/1957, Vide Affidavit dated 21/07/2026 before Notary Public Delhi.

Public Notice
I, PRIYA JANGID W/o ASHISH ANAN R/O C-17, TYPE-IV, 5TH FLOOR, MANDIR MARG, NEAR MANDIR MARG POLICE STATION, DELHI-110001 have changed the name of my minor daughter DAKSHA ANAN aged 14 years and she shall hereafter be known as DEVISHA ANAN. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को इस सार्वजनिक सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि हमारे मुवक्किल शिव कुमार एच.यू.एफ. (Shiv Kumar HUF), अपने कर्ता श्री शिव कुमार गुप्ता, पुत्र स्वर्गीय/श्री बशेशर दयाल गुप्ता के माध्यम से, फ्रीहोल्ड आवासीय भूखंड संख्या 285-ए (पश्चिमी भाग), क्षेत्रफल 100 वर्ग गज (83.61 वर्ग मीटर), जो कि कुल 200 वर्ग गज भूमि में से है, खसरा संख्या 94/15, स्थित ग्राम बुराड़ी, गली नं. 2, ब्लॉक-बी, बाबा कॉलोनी, बुराड़ी, दिल्ली के पूर्ण एवं निर्विवाद स्वामी तथा शांतिपूर्ण कब्जाधारी हैं। हमारे मुवक्किल ने उक्त संपत्ति को दिनांक 07.04.2025 की विक्रय विलेख (Sale Deed) के माध्यम से अर्जित किया, जो दिनांक 09.04.2025 को दस्तावेज संख्या 2025/19/I/4354, बुक नं. I, वॉल्यूम नं. 12060, पृष्ठ संख्या 87 से 104 तक, उप-पंजीयक-प्रथम (Sub Registrar-I), कश्मीरी गेट, दिल्ली के कार्यालय में विधिवत पंजीकृत है। यह भी सूचित किया जाता है कि उक्त संपत्ति से संबंधित स्वामित्व दस्तावेजों (Chain of Title Documents) में निम्नलिखित मूल दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं— स्वर्गीय श्री बलिस्तार त्यागी, जिनका निधन दिनांक 19.02.2020 को हुआ, का मूल मृत्यु प्रमाण-पत्र (Death Certificate) एवं स्स्ष्ट × स्वर्गीय श्रीमती शर्मा देवी, जिनका निधन दिनांक 24.01.2012 को हुआ, का मूल मृत्यु प्रमाण-पत्र (Death Certificate) एवं स्स्ष्ट, हमारे मुवक्किल यह घोषित करते हैं कि श्रीमती राखी, पत्नी श्री रोशन कुमार के अतिरिक्त किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर किसी प्रकार का अधिकार, स्वामित्व, हित, दावा, मांग, आपत्ति, बंधक (Lien), प्रभार (Charge), भार (Encumbrance) अथवा अन्य कोई दावा या सरोकार नहीं है। यह भी सूचित किया जाता है कि श्रीमती रेनू शर्मा ने उक्त संपत्ति श्रीमती राखी, पत्नी श्री रोशन कुमार को विक्रय करने हेतु सहमति प्रदान की है/विक्रय कर दिया है तथा उक्त क्रय-विक्रय लेन-देन का वित्तपोषण PNB Housing Finance Limited, शाखा-तृतीय तल, ई-136, खसरा संख्या 533, शास्त्री नगर मेन रोड, शास्त्री नगर, दिल्ली-110052 द्वारा किया गया है। यदि किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक अथवा प्राधिकरण का उक्त संपत्ति अथवा उपर्युक्त अनुपलब्ध मूल दस्तावेजों के संबंध में किसी प्रकार का अधिकार, स्वामित्व, हित, दावा, मांग, आपत्ति, बंधक, प्रभार, भार अथवा अन्य कोई दावा हो, तो वे इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपने दावे के समर्थन में समुचित दस्तावेजों सहित अधोहस्ताक्षरी के समक्ष प्रस्तुत करें। अन्यथा यह मान लिया जाएगा कि किसी भी व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई दावा या आपत्ति नहीं है तथा प्रस्तावित लेन-देन बिना किसी अन्य सूचना के पूर्ण कर दिया जाएगा। इसके उपरांत प्राप्त किसी भी दावे या आपत्ति को हमारे मुवक्किल अथवा प्रस्तावित क्रेता पर बाध्यकारी नहीं माना जाएगा।

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE
I Deepak Kumar S/o Gulab Singh R/o House No 162 Chaman Colony, Sihani Kala, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201001 have changed the name of my minor daughter Varsha aged 13 years and she shall hereafter be known as Shivani.

NAME CHANGE
I hitherto known as Mohit S/o Shivdayal R/o R C 928, Gali No 4, Prakash Nagar, Khora Colony, Khora, Khora Gaon, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201309 have changed my name and shall hereafter be known as Gagan Kumar.

NAME CHANGE
I hitherto known as AKRTI alias KANAK TYAGI D/o VIPIN TYAGI R/o 880 , Noornagar Sihani , Ghaziabad , PO : Ghaziabad Dist : Ghaziabad Uttar Pradesh – 201001 have changed my name and shall hereafter be known as KANAK TYAGI.

NAME CHANGE
I, TARSEM KAUR W/O SANJIV KUMAR SHARMA R/O HOUSE NO-C-148,PHASE-3,VIKAS NAGAR,WEST DELHI,DELHI-110059,HAVE CHANGED MY NAME TO TISHA SHARMA FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, hitherto known as SHAGUN NEGI D/O DEEPA JOSHI R/O 535 - C, SHIPRA SUN CITY,, INDIRAPURAM, GHAZIABAD,UTTAR PRADESH –201014. have changed my name and shall hereafter be known as SHAGUN JOSHI It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME AND DATE OF BIRTH CHANGE
I, M PADMA wife of No.-JC-293476A, Rank-NB SUB (RST) Name-MADUGULA VENKATESH Residing at- H NO-16A-2-208, VILL-ELURU, DIST-WEST GODAVARI, ANDHRA PRADESH-534005, have changed my name from M PADMA to MADUGULA PADMA for all future purposes, in my husband's service record my date of birth wrongly mentioned as 28/07/1991 instead of my correct date of birth as 01/01/1991, Vide Affidavit dated 25/07/2026 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME AND DATE OF BIRTH CHANGE
I, VENKATA RAMANA Father of No.-JC-293476A, Rank-NB SUB (RST) Name-MADUGULA VENKATESH Residing at- H NO-16A-2-208, VILL-ELURU, DIST-WEST GODAVARI, ANDHRA PRADESH-534005, have changed my name from VENKATA RAMANA to MADUGULA RAMANA for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 12/10/1970 instead of my correct date of birth as 01/01/1958, Vide Affidavit dated 25/07/2026 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME AND DATE OF BIRTH CHANGE
I, M MANGA mother of No.-JC-293476A, Rank-NB SUB (RST) Name-MADUGULA VENKATESH Residing at- H NO-16A-2-208, VILL-ELURU, DIST-WEST GODAVARI, ANDHRA PRADESH-534005, have changed my name from M MANGA to MADUGULA MANGA for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 07/09/1973 instead of my correct date of birth as 01/01/1973, Vide Affidavit dated 25/07/2026 before Executive Magistrate, Delhi.

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

13 लाख मतदाताओं ने दूसरे राज्यों में किया शिफ्ट

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य का पहला चरण पूरा हो चुका है। इस कार्य के दौरान प्रदेश भर में तैनात रहे बीएलओ को 33 लाख 84 हजार 568 मतदाता नहीं मिले हैं। इन मतदाताओं का सूचियों में तो नाम था लेकिन धरातल पर नहीं था।हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ए. श्रीनिवास ने चंडीगढ़ में जारी जानकारी में कहा कि प्रदेश में विशेष गहन पुनरीक्षण के पहले चरण का कार्य 100 प्रतिशत पूरा हो गया है। अब 31 जुलाई को ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी की जाएगी जिसे वेबसाइट के साथ हर जगह प्रकाशित किया जाएगा। इस दौरान एडिशनल सीईओ रितु और अपूर्व व ज्वाइंट सीईओ राज कुमार लोहान भी मौजूद रहे। उन्होंने एसआईआर के दौरान कार्य करने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों का सहयोग के लिए धन्यवाद करते हुए कहा कि 20629 बीएलओ द्वारा दो करोड़ 6 लाख 55 हजार से ज्यादा मतदाताओं को फॉर्म वितरित किए गए , जिनमें से एक करोड़ 72 लाख 71 हजार 361 मतदाताओं के फॉर्म डिजिटाइज किए गए हैं। जबकि 33 लाख 84 हजार 568 मतदाताओं के नाम दर्ज नहीं हो सके। इनमें से 13 लाख 75 हजार 278 जो स्थायी रूप से स्थानांतरित हो चुके हैं। सात लाख 66 हजार 205 मृत, 2,04,916 पहले से दर्ज मतदाता जबकि 9,36,646 मतदाता अनुपस्थित पाए गए तथा 1,01,523 ऐसे मतदाता है जिन्होंने किसी अन्य कारण से गणना प्रपत्र वापिस जमा नहीं किए हैं।

हिसार रेंज के आईजी ने जींद में हरियाणा-पंजाब बॉर्डर का किया निरीक्षण

जींद। पुलिस महानिरीक्षक हिसार मंडल हिसार कुलदीप सिंह ने दातासिंह वाला बॉर्डर पर कानून व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने दंगा नियंत्रण एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। पुलिस महानिरीक्षक हिसार मंडल हिसार कुलदीप सिंह शनिवार का कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से जिला के पंजाब बॉर्डर पर दातासिंह वाला नाका पर पुलिस व्यवस्था का जायजा लेने पहुंचे तथा सुरक्षा व्यवस्था के लिए तैयार की गई कंपनियों का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की तैयारियोंए उपलब्ध संसाधनों तथा आपातकालीन परिस्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने की क्षमता का गहन मूल्यांकन किया। निरीक्षण के दौरान पुलिस महानिरीक्षक ने कानून एवं व्यवस्था ड्यूटी में तैनात पुलिस बल की उपलब्धता, उनकी कार्यकुशलता तथा किसी भी चुनौतीपूर्ण स्थिति से निपटने की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की।

जींद में जनस्वास्थ्य विभाग ने काटे पेयजल के 400 अवैध कनेक्शन, 1200 को नोटिस

जींद। जनस्वास्थ्य विभाग की टीम ने पेयजल को सर्विस स्टेशन, हरी सब्जी व हरा चारा लगाने में उपयोग वाले कनेक्शन सहित 400 अवैध कनेक्शन को अभियान के तहत काट दिया है। करीब 1200 अवैध कनेक्शन व पानी बर्बाद करने वालों को नोटिस दिया गया है। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में विभाग की टीम बनाकर लोगों के पेयजल से संबंधित समस्याओं को दूर किया जा रहा है। इसके तहत विभाग की टीम अभियान के तहत विभिन्न गांवों ब शहरों में घर-घर जाकर पेयजल कनेक्शन की जांच कर रही है। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के जिला सलाहकार डा. रणधीर मताना ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र व शहरी क्षेत्र में कुछ पेयजल उपभोक्ताओं द्वारा सर्विस स्टेशन के लिए पेयजल का उपयोग किया जा रहा है, जो गलत है। अगर कोई उपभोक्ता ऐसा करता पाया जाता है तो उसके खिलाफ सख्त विभागीय कार्रवाई की जा रही है। इसके अलावा कुछ लोगो द्वारा सब्जी व हरे चारे के लिए भी पेयजल का गलत तरीके से उपयोग किया जाता है।

सांसद ने अधिकारियों को लगाई फटकार

सिरसा। जिला विकास, समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने अधिकारियों की कार्यशैली पर कड़ा असंतोष जताया। सिरसा के पंचायत भवन में आयोजित बैठक में सांसद ने शहर की सफाई व्यवस्था, पेयजल संकट, सीवर ओवरफ्लो,

स्ट्रीट लाइट, बेसहारा पशु, स्ट्रीट डॉग, सड़कों की बदहाल स्थिति, राष्ट्रीय राजमार्ग तथा रेलवे परियोजनाओं में हो रही देरी सहित कई मुद्दों पर अधिकारियों से जवाब-तलब किया। बैठक के दौरान सांसद ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों की तस्वीरें अधिकारियों को दिखाते हुए कहा कि जमीनी स्तर पर हालात बेहद चिंताजनक हैं। उन्होंने कहा कि केवल कागजों में विकास कार्य पूरे दिखाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि जनता को उसका वास्तविक लाभ भी मिलना चाहिए। बिजली विभाग की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताते हुए सांसद ने गांव आनंदगढ़ में एक गरीब महिला के प्लॉट में लगे ट्रांसफार्मर और बिजली पोल को दूसरी जगह स्थानांतरित न किए जाने का मामला उठाया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि यदि धन की कमी है तो वह अपनी ओर से चेक देने को तैयार हैं, लेकिन गरीब परिवार को राहत मिलनी चाहिए।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में गुरुग्राम में जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक संपन्न,15 में से 13 मामलों का हुआ समाधान

गुरुग्राम की स्वच्छता और सुंदरता से कोई समझौता नहीं : मुख्यमंत्री

एजेंसी

गुरुग्राम। गुरुग्राम की स्वच्छता, सौंदर्यीकरण और व्यवस्थित शहरी विकास सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल हैं। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहर की स्वच्छता और सुंदरता के साथ किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य करने वाली सभी एजेंसियां और संबंधित अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि निर्माण एवं विध्वंस (सीएंडडी) अपशिष्ट का वैज्ञानिक एवं निर्धारित स्थानों पर ही निस्तारण हो। मुख्यमंत्री गुरुग्राम में जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, पटौदी विधायक श्रीमती बिमला चौधरी, सोहना विधायक श्री तेजपाल तंवर, गुरुग्राम के विधायक श्री मुकेश शर्मा भी उपस्थित रहे। बैठक में कुल 15 परिवाद रखे गए, जिनमें से मुख्यमंत्री ने 13 का मौके पर ही निपटारा किया, जबकि 02 मामलों को आगामी बैठक तक लंबित रखने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन

लंबित मामलों की स्टेटस रिपोर्ट अगली बैठक में प्रस्तुत करें। मुख्यमंत्री ने बैठक में सीएम विंडो पर प्राप्त शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी समाधान पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि वह स्वयं सीएम विंडो पर आने वाली शिकायतों की नियमित समीक्षा करते हैं, इसलिए सभी अधिकारी प्रत्येक शिकायत का गंभीरता से, निष्पक्षता और समयबद्ध तरीके से निवारण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि यदि किसी अधिकारी की लापरवाही, उदासीनता या दुर्भावनापूर्ण कार्यशैली सामने आई तो उसके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब कोई नागरिक किसी समस्या के कारण शिकायत दर्ज कराता है तो उसका समाधान करना सरकार और प्रशासन की जिम्मेदारी है। इसलिए सभी अधिकारी जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सीएम विंडो पर प्राप्त शिकायतों का संवेदनशीलता के साथ समाधान करें, ताकि आमजन को त्वरित राहत मिल सके। बैठक में नगर निगम मानेसर क्षेत्र के वजीरपुर एन्क्लेव से आए आरडब्ल्यूए सदस्यों ने कॉलोनी की विभिन्न जनसमस्याओं को मुख्यमंत्री के समक्ष रखा। सदस्यों ने बताया कि सरकार द्वारा कॉलोनी को नियमित किए जाने के बावजूद क्षेत्र में सीवरेज, स्ट्रीट लाइट, पेयजल, गलियों के निर्माण जैसी मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। इसके अलावा बढ़ती आबादी के अनुरूप बिजली व्यवस्था सुदृढ़ करने तथा विद्युत लाइनों पर भार बढ़ाने की भी मांग रखी गई। इन शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि कॉलोनी की समस्याओं का संयुक्त रूप से सर्वेक्षण कर प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित किया जाए।

डिजिटल स्पोर्ट्स रिकॉर्ड व्यवस्था से प्रतिभा को मिलेगा न्यायः डा. अर्चना गुप्ता

नायब सरकार का स्पोर्ट्स रिकॉर्ड व्यवस्था का निर्णय प्रतिभा के सम्मान की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम हैः डा. अर्चना गुप्ता

एजेंसी

चंडीगढ़। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने कहा कि नायब सरकार द्वारा स्कूलों के खिलाड़ियों का डिजिटल स्पोर्ट्स रिकॉर्ड तैयार करने तथा प्रत्येक खिलाड़ी का ऑनलाइन सत्यापन एवं पंजीकरण सुनिश्चित करने का निर्णय भविष्य के लिए एक मजबूत और पारदर्शी खेल व्यवस्था की नींव रखेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में लिया गया यह फैसला खेलों में ईमानदारी, निष्पक्षता और प्रतिभा के सम्मान की दिशा में ऐतिहासिक कदम है।

डा. अर्चना गुप्ता ने कहा कि डिजिटल व्यवस्था लागू होने से फर्जी प्रमाणपत्र, आयु में हेरफेर और कागजी अनियमितताओं पर रोक लगेगी। उन्होंने कहा कि इससे पात्र खिलाड़ियों को ही अवसर मिलेगा तथा प्रतिभा का सम्मान सुनिश्चित होगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा ने विपक्ष की सरकारों ऐसे मामले भी देखे हैं, जहां खेल उपलब्धियों और प्रमाणपत्रों को लेकर विवाद सामने

आए। कई बार योग्य खिलाड़ियों की मेहनत पीछे रह गई। उन्होंने कहा कि अब डिजिटल और सत्यापित व्यवस्था ऐसी विसंगतियों को समाप्त करेगी। प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने कहा कि नायब सरकार के निर्णय से खिलाड़ियों को किसी सिफारिश की नहीं, बल्कि अपनी मेहनत और प्रतिभा के दम पर आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की दूरदर्शी पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह निर्णय खिलाड़ियों का भविष्य सुरक्षित करने के साथ-साथ अभिभावकों और युवाओं का विश्वास भी मजबूत करेगा।

डा. अर्चना गुप्ता ने कहा कि हरियाणा आज देश की खेल राजधानी के रूप में अपनी पहचान बना चुका है। प्रदेश के खिलाड़ियों ने ओलंपिक, राष्ट्रमंडल खेल, एशियाई खेलों सहित अनेक अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश और प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार की खेल नीति देश की सर्वश्रेष्ठ खेल नीतियों में शामिल है। सरकार खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं, पारदर्शी चयन प्रक्रिया, सम्मानजनक पुरस्कार राशि और बेहतर प्रशिक्षण उपलब्ध करा रही है। यही कारण है कि हरियाणा के खिलाड़ी लगातार नए कीर्तिमान स्थापित कर भारत का नाम विश्वभर में रोशन कर रहे हैं।

प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने कहा कि नायब सरकार युवाओं, महिलाओं, किसानों और गरीबों के उत्थान के लिए लगातार जनकल्याणकारी योजनाएं बनाकर उन्हें प्रभावी रूप से धरातल पर लागू कर रही है।

भाजपा सरकार हर वर्ग के साथ मजबूती से खड़ी है। प्रदेश में युवाओं को योग्यता और मेरिट के आधार पर रोजगार के अवसर मिल रहे हैं तथा सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारत का पदक खाता खोलने वाले पैरा पावरलिफ्टर जंडू कुमार को भी हार्दिक बधाई दी।

खेलों में भाग लेने वाले बच्चों का होगा ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने स्कूलों में मिशन ओलंपिक-2036 की तैयारियां शुरू कर दी है। जिसके चलते स्कूल शिक्षा विभाग ने पूरे राज्य में चल रही स्कूल गतिविधियों में हिस्सा लेने वाले छात्रों के लिए एक ऑनलाइन स्टूडेंट रजिस्ट्रेशन पोर्टल लांच किया है। इसका उद्देश्य सरकारी और प्राइवेट दोनों स्कूलों के छात्रों को रजिस्टर करने के लिए एक सेंट्रलाइज्ड, ट्रांसपेरेंट और कुशल डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म देना है।निदेशालय सेकेंडरी शिक्षा की तरफ से राज्य के स्कूल मुखियाओं को भेजे गए पत्र के अनुसार सभी स्कूलों को 31 जुलाई तक पोर्टल पर योग्य छात्रों को रजिस्टर करने का निर्देश दिया है। पोर्टल का मुख्य मकसद अलग-अलग खेलों में विद्यार्थियों की दिलचस्पी के बारे में पता करना है। खेल विभाग से बातचीत के बाद पोर्टल स्कूल स्तर की खेल प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने के लिए ज़रूरी स्पोर्ट्स कैटेगरी, स्पोर्ट्स का नाम, एज ग्रुप और दूसरे एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया सहित ज़रूरी एथलेटिक पैरामीटर को कैप्चर करता है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म मैनुअल पेपर वर्क को खत्म कर देगा और डेटा एंट्री में गलतियों की संभावना को काफी कम कर देगा। इसमें एक ऑटोमेटेड एलिजिबिलिटी वैलिडेशन सिस्टम भी शामिल है ताकि यह पक्का किया जा सके कि सिर्फ़ योग्य विद्यार्थी ही सही स्पोर्ट्स कैटेगरी और एज ग्रुप में एनरोल हो रहे हैं।शिक्षा विभाग के अधिकारियों के अनुसार रजिस्ट्रेशन और वेरिफिकेशन प्रोसेस को डिजिटाइज करने से ट्रांसपेरेंसी बढ़ेगी, डेटा की सटीकता में सुधार होगा और पूरे हरियाणा में स्पोर्ट्स में स्टूडेंट्स के हिस्सा लेने की समय पर मॉनिटरिंग में आसानी होगी। इस कदम से स्टेकहोल्डर्स के बीच कोआर्डिनेशन मजबूत होने, स्टूडेंट एथलीटों का एक बड़ा डेटाबेस बनने की भी उम्मीद है, जिससे राज्य में स्कूल स्पोर्ट्स का पूरा एडमिनिस्ट्रेशन मजबूत होगा।

मानसून में जलनिकासी को लेकर प्रशासन सतर्कः डीसी

एजेंसी

झज्जर। मानसून के दौरान जिला में कहीं भी जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो, इसके लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। डीसी वर्षा खांगवाल ने सभी संबंधित विभागों को फील्ड में रहकर नियमित मॉनिटरिंग करने, जलनिकासी व्यवस्था को बरसात के समय सुचारु बनाए रखने तथा किसी भी समस्या का तत्काल समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जलनिकासी कार्यों में किसी भी प्रकार से देरी न हो इसका विशेष ध्यान रखा जाए। डीसी ने कहा कि बरसात के बाद जलभराव वाले क्षेत्रों से पानी की शीघ्र निकासी सुनिश्चित की जाए, ताकि लोगों की आवाजाही, यातायात और दैनिक जीवन प्रभावित न हो। उन्होंने कहा कि प्रशासन का लक्ष्य है कि मानसून के दौरान नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। डीसी वर्षा खांगवाल ने बताया कि झज्जर, बेरी, बहादुरगढ़ और बादली के एसडीएम अपने-अपने उपमण्डल क्षेत्रों में जलनिकासी कार्यों की लगातार निगरानी कर रहे हैं। इसके साथ ही विभिन्न विभागों की संयुक्त निरीक्षण टीम संभावित जलभराव वाले क्षेत्रों का नियमित दौरा कर रही हैं, ताकि आवश्यकता पड़ते ही तत्काल कार्रवाई की जा सके। डीसी ने सिंचाई, एचएसआईआईडीसी, एचएसवीपी, जनस्वास्थ्य, विकास एवं

पंचायत तथा शहरी स्थानीय निकाय विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि संभावित जलभराव वाले क्षेत्रों में पंप सेट, मोटर, पाइप सहित सभी आवश्यक उपकरण पूरी तरह कार्यशील स्थिति में रखें, जिससे आपात स्थिति में बिना किसी देरी के जलनिकासी शुरू की जा सके।डीसी ने निर्देश दिए कि बरसात के दौरान होने वाली प्रत्येक जलभराव की घटना का विस्तृत रिकॉर्ड तैयार किया जाए। इसमें यह दर्ज किया जाए कि किस स्थान पर जलभराव हुआ, पानी निकालने में कितना समय लगा और स्थिति सामान्य होने में कितना समय लगा। उन्होंने कहा कि यह रिकॉर्ड भविष्य में स्थायी समाधान, बेहतर योजना निर्माण और प्रभावी आपदा प्रबंधन के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा। डीसी ने बताया कि मानसून के दौरान किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए लघु सचिवालय, झज्जर में 24 घंटे कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। नागरिक किसी भी जलभराव या संबंधित समस्या की सूचना 01251-254270 पर दे सकते हैं। उन्होंने बताया कि हर शिकायत पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी। डीसी वर्षा खांगवाल ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि बरसाती मौसम में जलजनित एवं संक्रामक बीमारियों की रोकथाम के लिए सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित की जाएं। अस्पतालों में दवाइयों की पर्याप्त उपलब्धता, डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ की तत्परता, स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था तथा जनजागरूकता अभियान पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि नागरिकों को सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

पीआरटी (मेवात कैडर) के चयनित अभ्यर्थियों के दस्तावेज सत्यापन का कार्य 25 व 26 जुलाई को

एजेंसी

नूंह। उपायुक्त अखिल पिलानी ने बताया कि हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग (एचएसएससी) की ओर से मेवात कैडर के प्राथमिक शिक्षक (पीआरटी) के चयनित अभ्यर्थियों की जो सूची जारी की गई है, उन अभ्यर्थियों के दस्तावेज संबंधी सत्यापन कार्य शुरू कर दिया गया है। अभ्यर्थियों के दस्तावेज सत्यापन के लिए 15 कमेटियां बनाई गई हैं तथा 5 कमेटियों को आरक्षित श्रेणी में रखा गया है। इन कमेटियों ने आज 25 जुलाई दोपहर एक बजे से दस्तावेज सत्यापन का कार्य शुरू कर दिया है। इसके बाद

कल रविवार 26 जुलाई को भी प्रातः 8 बजे से भी दस्तावेज सत्यापन का कार्य शुरू होगा। उन्होंने चयनित अभ्यर्थियों से आह्वान किया है कि वे अपने इन दो दिनों में अपने दस्तावेज सत्यापन का कार्य पूरा करवा लें। जिला नूंह में दस्तावेज सत्यापन कार्य राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय-1 (टंकी वाला), नूंह में किया जा रहा है। जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी, राजेंद्र शर्मा ने बताया कि सभी चयनित अभ्यर्थी सभी आवश्यक एवं संबंधित दस्तावेजों की स्वप्रमाणित फोटो प्रतियों का एक सेट, ऑनलाइन भरे गए आवेदन पत्र की प्रति तथा नियुक्ति से संबंधित अन्य सभी आवश्यक अभिलेख अपने मूल दस्तावेजों सहित सत्यापन के समय अवश्य साथ लेकर आएं। उन्होंने कहा कि सभी चयनित अभ्यर्थी निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित होकर दस्तावेज सत्यापन की प्रक्रिया समयबद्ध ढंग से पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने बताया कि दस्तावेज सत्यापन के उपरांत सभी चयनित अभ्यर्थियों का मेडिकल परीक्षण सिविल अस्पताल, मांडीखेड़ा में कराया जाएगा। अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए शिक्षा विभाग की ओर से राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय-1 (टंकी वाला), नूंह से सिविल अस्पताल, मांडीखेड़ा तक बसों की व्यवस्था की गई है, ताकि उन्हें मेडिकल परीक्षण के लिए किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि सभी चयनित अभ्यर्थी निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार समय पर उपस्थित होकर दस्तावेज सत्यापन एवं मेडिकल परीक्षण की प्रक्रिया को समयबद्ध ढंग से पूरा कराना सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की रैली में मनीता गर्ग ने थामा भाजपा का दामन

दो दर्जन से अधिक समर्थक भी हुए शामिल

एजेंसी

तावडू। नूंह जिले के पुन्हाना नगर में आयोजित मेवात विकास संकल्प रैली में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हजारों लोगों को संबोधित करते हुए क्षेत्र के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं तथा विभिन्न मांगों को स्वीकृति प्रदान की।

रैली के दौरान एक राजनीतिक घटनाक्रम भी देखने को मिला। तावडू नगर पालिका की पूर्व चेयरपर्सन, एकल अभियान की जिला अध्यक्ष एवं वरिष्ठ समाजसेविका मनीता गर्ग ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की मौजूदगी में भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली।

मुख्यमंत्री ने उन्हें मंच पर आमंत्रित कर पार्टी का पटका पहनाकर भाजपा में स्वागत किया। मनीता गर्ग के साथ पूर्व पार्षदों, सरपंचों, समाजसेवियों और विभिन्न दलों से जुड़े दो दर्जन से अधिक लोगों ने भी भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर मनीता गर्ग ने कहा कि यह उनके लिए किसी नई पार्टी में शामिल होने का मामला नहीं,

बल्कि घर वापसी है। उन्होंने कहा कि वह पहले भी भाजपा के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर चुकी हैं और अब पुनः पार्टी की नीतियों एवं संगठन को मजबूत करने के लिए एक कार्यकर्ता के रूप में अपनी सेवाएं देंगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और भाजपा नेतृत्व ने उन पर विश्वास जताया है। प्रदेश में भाजपा सरकार के नेतृत्व में विकास कार्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं और वह इस विकास यात्रा में अपना योगदान देने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करेंगी। मनीता गर्ग ने बताया कि मेवात विकास संकल्प रैली के सफल आयोजन तथा मुख्यमंत्री द्वारा क्षेत्र के विकास के लिए की गई घोषणाओं के लिए विशेष आभार व्यक्त किया।

एसआईआर को लेकर 27 को होगा चुनाव अधिकारियों का प्रशिक्षण : डीसी

एजेंसी

झज्जर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिला झज्जर में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम को प्रभावी एवं पारदर्शी ढंग से संचालित करने के लिए 27 जुलाई को चुनाव अधिकारियों का विशेष प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी वर्षा खांगवाल ने बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 27 जुलाई को दोपहर 2 बजे से सायं 4 बजे तक लघु सचिवालय, झज्जर के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित होगा। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण में जिला के सभी निर्वाचक पंजीयन अधिकारी तथा सहायक निर्वाचक पंजीयन अधिकारी भाग लेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रशिक्षण में सभी चिन्हित अधिकारियों की उपस्थिति बेहद अनिवार्य है। डीसी ने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत एक जुलाई 2026 को अर्हता तिथि मानते हुए मतदाता सूची का पुनरीक्षण किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण में निर्वाचन आयोग द्वारा जारी नवीनतम दिशा-निर्देशों, दावों एवं आपत्तियों के निस्तारण, नोटिस प्रक्रिया, दस्तावेजों के सत्यापन तथा मतदाता सूची को त्रुटिरहित एवं अद्यतन बनाने से संबंधित सभी महत्वपूण पहलुओं की विस्तृत जानकारी अधिकारियों को दी जाएगी। जिला निर्वाचन अधिकारी

वर्षा खांगवाल ने कहा कि अपडेट और त्रुटि रहित मतदाता सूची सजग लोकतंत्र की पहचान है। इसलिए पुनरीक्षण कार्य पूरी पारदर्शिता, निष्पक्षता और निर्धारित समयावधि में संपन्न किया जाना आवश्यक है। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे प्रशिक्षण में समय पर उपस्थित होकर निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों की गहन जानकारी प्राप्त करें तथा पुनरीक्षण कार्य को पूरी गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ संपन्न करें।

देश हित सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताः मनोहर लाल

एजेंसी

पानीपत। केंद्रीय विद्युत तथा आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री एवं करनाल लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनोहर लाल ने कहा कि देश हित हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है और केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रत्येक अधिकारी की जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

जिला सचिवालय सभागार में आयोजित जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में बोलते हुए केंद्रीय मंत्री ने विभिन्न विभागों की विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की विभागवार समीक्षा की। बैठक में 20 सूत्रीय एजेंडे पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार की सभी योजनाओं का उद्देश्य आम नागरिकों तक पारदर्शी, प्रभावी और समयबद्ध तरीके से लाभ पहुंचाना है।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक विभाग नियमित रूप से योजनाओं की समीक्षा करे और तय समय सीमा में लक्ष्यों को पूरा करे। उन्होंने कहा कि योजनाओं की जमीनी स्थिति जानने के लिए लगातार सर्वे कराए जा रहे हैं और जहां भी कमियां मिलेंगी, वहां तुरंत सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे।

बैठक में गर्भवती महिलाओं तथा बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और प्रारंभिक शिक्षा से जुड़े कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से लागू करने तथा आंगनवाड़ी सेवाओं को और मजबूत बनाने पर जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि आँगन वाड़ी में अटेंडेंस पूरी नहीं नहीं होती है तो उनके खिलाफ तुरंत कार्रवाई की जाए। बैठक के दौरान केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि केंद्र सरकार की योजनाओं का वास्तविक लाभ तभी संभव है जब सभी विभाग समन्वय, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ कार्य करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनहित से जुड़े प्रत्येक कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए तथा योजनाओं के लाभ से कोई भी पात्र व्यक्ति वंचित न रहे। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद संजय भाटिया, पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार, शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा, प्रदेश अध्यक्ष अर्चना गुप्ता, शहरी विधायक प्रमोद विज, समालखा विधायक मनमोहन भड़ाना, मेयर कोमल सैनी, सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

सतत मॉनिटरिंग से ही वायु गुणवत्ता में अपेक्षित सुधार संभवः भूपेंद्र यादव

एजेंसी

गुरुग्राम। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी तथा केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने गुरुग्राम में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु प्रदूषण नियंत्रण एवं वायु गुणवत्ता सुधार उपायों को लेकर उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। देर रात तक चली इस बैठक में वायु प्रदूषण की रोकथाम के लिए तैयार की गई कार्ययोजना के विभिन्न एजेंडा बिंदुओं पर विस्तार से समीक्षा की गई। संबंधित विभागों को समयबद्ध ढंग से कार्यों को पूरा करने के निर्देश दिए गए। बैठक में परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी प्रणाली (सीएएक्यूएमएस) के विस्तार, इलेक्ट्रिक वाहनों एवं बसों को बढ़ावा देने, पुराने वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई, नो पीयूसीसी-नो फ्यूल व्यवस्था, निर्माण एवं विध्वंस (सीएंडडी) अपशिष्ट प्रबंधन, ठोस कचरा निस्तारण, प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों पर कार्रवाई तथा धान की पराली के प्रभावी प्रबंधन सहित विभिन्न विषयों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में हरियाणा के वन, पर्यावरण एवं वन्य जीव मंत्री राव नरबीर सिंह भी उपस्थित रहे। बैठक में केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि एनसीआर में वायु गुणवत्ता सुधार के लिए केंद्र और राज्य सरकारों के बीच और अधिक बेहतर समन्वय के साथ कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों पर प्रभावी कार्रवाई, निर्माण एवं विध्वंस (सीएंडडी) अपशिष्ट के वैज्ञानिक प्रबंधन, ठोस अपशिष्ट (एमएसडब्ल्यू) के निस्तारण, बायोमास जलाने की रोकथाम तथा धान की पराली के प्रभावी प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्धारित कार्ययोजना के प्रत्येक बिंदु की नियमित समीक्षा और सतत मॉनिटरिंग से ही वायु गुणवत्ता में अपेक्षित सुधार संभव हो सकेगा। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने बैठक में निर्देश दिए कि एनसीआर के प्रमुख जिलों गुरुग्राम, फरीदाबाद और सोनीपत के मुख्य चौक-चौराहों पर व्यापक स्तर पर हरियाली विकसित की जाए।

नेपाल में भारतीय 200 और 500 नोटों को मिली वैधता, सीमा 25,000

नौ नवंबर 2016 के बाद जारी नोटों पर लागू होगा नियम

काठमांडू ।

नेपाल ने नौ नवंबर 2016 के बाद जारी भारतीय 200 और 500 रुपये के नोटों को अपने देश में लाने और बाहर ले जाने की अनुमति दे दी है। हालांकि, इसकी अधिकतम सीमा प्रति व्यक्ति 25,000 रुपये रखी गई है। इस कदम से भारत और नेपाल के बीच यात्रा तथा व्यापारिक लेनदेन और सुगम हो सकेंगे। भारत द्वारा 2016 में नोटबंदी किए जाने के बाद नेपाल में सिर्फ 100 रुपये के भारतीय नोटों को ही लाने-ले जाने की अनुमति थी। नेपाल राष्ट्र बैंक (एनआरबी) ने एक नया नोटिस जारी कर स्पष्ट किया कि नौ नवंबर, 2016 के बाद जारी 200 और 500 रुपये के भारतीय नोट अब 25,000 रुपये की सीमा के साथ मान्य होंगे। हालांकि, नौ नवंबर, 2016 से पहले जारी पुराने 500 और 1,000 रुपये के नोट नेपाल में प्रतिबंधित रहेंगे। एक एनआरबी प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि नेपाली नागरिक भारत के अलावा किसी अन्य देश से नेपाल में भारतीय मुद्रा नहीं ला सकते और न ही ले जा सकते हैं। यह नियम 11 फरवरी को राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना के माध्यम से पहले ही लागू कर दिया गया था, लेकिन केंद्रीय बैंक ने इसे दोहराकर क्रियान्वयन को और स्पष्ट किया है। इस नए प्रावधान से नेपाल आने वाले भारतीय पर्यटकों तथा भारत के साथ व्यापार करने वाले नेपाली नागरिकों को बड़ी सुविधा मिलेगी, और सीमा पार लेनदेन अधिक सुगम हो सकेगा।

चालू वित्त वर्ष में टाटा टेक्नोलॉजीज को बड़ी छलांग की उम्मीद

वैश्विक ऑटो निर्माताओं के बढ़ते आउटसोर्सिंग और निवेश से कंपनी को सीधा लाभ

नई दिल्ली।

वैश्विक उत्पाद इंजीनियरिंग और डिजिटल सेवा कंपनी टाटा टेक्नोलॉजीज को भरोसा है कि चालू वित्त वर्ष 2026-27 उसके लिए 'विकास का बड़ा साल' साबित होगा। कंपनी के एक मुख्य अधिकारी ने कहा कि दुनिया भर की वाहन विनिर्माता कंपनियां नए उत्पादों के विकास में निवेश बढ़ा रही हैं और अधिक कार्य बाहरी कंपनियों को सौंप रही हैं, जिसका सीधा लाभ उन्हें मिल रहा है। अे धिकारी ने एक साक्षात्कार में बताया कि कंपनी ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कई पूर्ण वाहन कार्यक्रम परियोजनाएं हासिल की हैं। इनमें टेनेको के साथ 10 करोड़ अमेरिकी डॉलर का अनुबंध, एक जापानी ओईएम से पूर्ण वाहन इंजीनियरिंग और एक यूरोपीय लक्जरी वाहन निर्माता के साथ बहुवर्षीय समझौता शामिल है। उन्होंने मजबूत दो अंक की वार्षिक वृद्धि के लक्ष्य पर विश्वास व्यक्त किया। उनके अनुसार वाहन विनिर्माता अब ब्रांड से जुड़े मुख्य क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, शेष इंजीनियरिंग कार्य विशेषज्ञ कंपनियों को सौंप रहे हैं। उनका मानना है कि पूर्ण वाहन विकास की जिम्मेदारी संभालने वाली कंपनियां ही भविष्य में सर्वाधिक लाभ कमाएंगी। कंपनी ने पहली तिमाही में 1,664.6 करोड़ रुपये का परिचालन राजस्व हासिल किया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 33.8 प्रतिशत अधिक है। हैरिस ने इसे 'बड़ी उपलब्धि' और मजबूत वृद्धि का संकेत बताया।

टाटा कंज्यूमर की बढ़ती लागत, मुनाफे के बावजूद उत्पादों के दाम बढ़ने की संभावना

टाटा टी, टेटली जैसे ब्रांड्स पर पड़ सकता है असर

नई दिल्ली ।

टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स ने संकेत दिया कि यदि इनपुट लागत में अस्थिरता बनी रहती है, तो वह अपने चुनिंदा उत्पादों की कीमतें बढ़ा सकती है। यह चेतावनी तब आई है जब कंपनी ने खाने-पीने की चीजों की दमदार बिक्री और ग्रामीण भारत की मजबूत मांग के कारण एक मजबूत तिमाही लाभ दर्ज किया है। कंपनी के एक कार्यकारी ने स्पष्ट किया कि कमोडिटी और पैकेजिंग की बढ़ती लागत मार्जिन पर दबाव डाल रही है, जिससे कीमतें बढ़ाना एक मजबूरी बन गया है। उन्होंने आगे कहा कि पश्चिम एशिया में बिगड़ती स्थिति ने व्यापार मार्गों को बाधित किया है और वैश्विक स्तर पर इनपुट लागत में वृद्धि की है। इसके अतिरिक्त, डॉलर के मुकाबले रुपये के कमजोर होने से यह दबाव और बढ़ गया है, जिससे भारतीय कंपनियों को अपने मार्जिन बचाने के लिए कीमतें बढ़ाने, पैक का आकार घटाने या लागत में कटौती जैसे कदम उठाने पड़ रहे हैं। 30 जून को समाप्त तिमाही में, टाटा कंज्यूमर का शुद्ध लाभ 28 फीसदी बढ़कर 4,027 करोड़ रुपये रहा, हालांकि यह विश्लेषकों के अनुमान (4,200 करोड़ रुपये) से थोड़ा कम था।

कच्चा तेल, कंपनियों के परिणाम और भू-राजनीतिक तनाव तय करेंगे बाजार की चाल

अमेरिकी फेडरल रिजर्व की महत्वपूर्ण बैठक पर रहेगी नजर, जो बाजार की दिशा तय करेगी

मुंबई

बीते सप्ताह पश्चिम एशिया में गहराते भू-राजनीतिक तनाव के चलते घरेलू शेयर बाजारों में भारी बिकवाली देखने को मिली। बीएसई का सेंसेक्स पांच कारोबारी दिनों में 2,091 अंक लुढ़क गया। अब आने वाले सप्ताह में भी निवेशकों की नजर मुख्य रूप से पश्चिम एशिया की स्थिति, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों, कंपनियों के तिमाही परिणामों और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की महत्वपूर्ण बैठक पर रहेगी, जो बाजार की दिशा तय करेगी। पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ते तनाव के कारण लंदन का ब्रेंट क्रूड वायदा एक बार फिर 100 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया है। भारत जैसे बड़े ऊर्जा आयातक देश के लिए यह स्थिति चिंताजनक है, जिसके चलते बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में पांचों दिन गिरावट दर्ज की गई। विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका-ईरान के बीच संभावित तनाव आगे भी बाजार पर दबाव बनाए रख सकता है और निवेशक इस क्षेत्र की हर खबर पर पैनी नजर रखेंगे। आने वाले सप्ताह में कई प्रमुख कंपनियों के तिमाही परिणाम जारी होने हैं, जिनमें बीईएल, केनरा बैंक, कोल इंडिया, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एलएंडटी और एशियन पेंट्स जैसे दिग्गज नाम शामिल हैं। इन नतीजों से कंपनियों के वित्तीय स्वास्थ्य और भविष्य की आय का स्पष्ट संकेत मिलेगा, जो बाजार के रुख को प्रभावित करेगा। इसके अतिरिक्त, विदेशी संस्थागत निवेशकों का रुख भी महत्वपूर्ण रहेगा; उनकी बिकवाली या लिवाली बाजार की अस्थिरता को बढ़ा या घटा सकती है। वैश्विक स्तर पर अमेरिकी फेडरल रिजर्व की आगामी बैठक के फैसलों पर भी बाजार की पैनी नजर रहेगी, खासकर ब्याज दरों को लेकर किसी भी संकेत का असर वैश्विक बाजारों पर पड़ सकता है। तकनीकी रूप से निफ्टी के लिए 23,600 का स्तर एक महत्वपूर्ण सपोर्ट के रूप में काम कर रहा है। यदि यह स्तर टूटता है, तो बाजार में 23,300 से 23,450 तक की और गिरावट आ सकती है। वहीं ऊपर की ओर 24,000 का स्तर एक मजबूत प्रतिरोध बना हुआ है। कुल मिलाकर आगामी सप्ताह में शेयर बाजार की दिशा कमजोर और सतर्क रहने की उम्मीद है।

मनीपाल हेल्थ एंटरप्राइजेज का खुल रहा आईपीओ, जीएमपी 50 रुपए पर पहुंचा

रिटेल निवेशकों के लिए 29 जुलाई को खुलेगा, 31 तक लगा सकेंगे दांव

नई दिल्ली।

मनीपाल हेल्थ एंटरप्राइजेज ने आईपीओ के लिए प्राइस बैंड का ऐलान कर दिया है। कंपनी ने 560 रुपए से 590 रुपए प्रति शेयर प्राइस बैंड तय किया है। शुक्रवार को इसका ऐलान हुआ। इस आईपीओ पर दांव लगाने की सोच रहे निवेशकों के लिए अच्छी बात यह है कि ग्रे मार्केट में स्थिति अच्दी है, जिसकी वजह से पहले दिन ही पॉजिटिव लिस्टिंग की उम्मीद बंध गई है।मनीपाल हेल्थ एंटरप्राइजेज आईपीओ रिटेल निवेशकों के लिए 29 जुलाई को खुल जाएगा। निवेशकों के पास 31 जुलाई तक आईपीओ पर दांव लगाने का मौका मिलेगा। इस आईपीओ का साइज 9275.22 करोड़ रुपए का है। कंपनी इश्यू के जरिए 13.56 करोड़ फ्रेश शेयर जारी करेगी। वहीं, ऑफर फार सेल के जरिए 2.16 करोड़ शेयरों की बिक्री होगी। कंपनी ने 25 शेयरों का एक लॉट बनाया है, जिसकी वजह से निवेशकों को कम से कम 14750 रुपए का निवेश करना होगा। बता दें, कंपनी बीएसई और एनएसई दोनों जगह लिस्ट होगी। कंपनी ने अपने कर्मचारियों को एक शेयर पर 56 रुपए की छूट दी है।मौजूदा बाजार की खराब स्थिति होने के बाद भी यह मेनबोर्ड आईपीओ ग्रे मार्केट में आईपीओ अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक ग्रे मार्केट में शुक्रवार को यह 50 रुपए के प्रीमियम पर ट्रेड किया। आईपीओ का कम से कम 75 फीसदी हिस्सा क्वालीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए कम से कम 75 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व रहेगा। वहीं, रिटेल निवेशकों के लिए अधिकतम 10 फीसदी हिस्सा और एनआईआई के लिए भी अधिकतम 10 फीसदी हिस्सा ही इश्यू का रिजर्व रहेगा।

एचजेडएल चालू वित्त वर्ष में 50-60 करोड़ अमेरिकी डॉलर का करेगी पूंजीगत निवेश

नई दिल्ली,।

मेटल किंग अनिल अग्रवाल की कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड (एचजेडएल) चालू वित्त वर्ष में करीब 50-60 करोड़ अमेरिकी डॉलर का पूंजीगत निवेश करेगी। कंपनी के सीईओ ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस निवेश का करीब 80 फीसदी हिस्सा पहले से चल रही परियोजनाओं पर खर्च किया जाएगा, जबकि 20 फीसदी राशि नई परियोजनाओं के लिए रखी गई है, जिनकी घोषणा जल्द की जाएगी।सीईओ ने बताया कि समूह की कुल परियोजना क्षमता 10 लाख टन है, जिसमें से 2.5 लाख टन क्षमता को पहले ही 12,000 करोड़ रुपए के निवेश के साथ मंजूरी मिल चुकी है। इनमें खनन और खनिजीकरण से जुड़े कार्य शामिल हैं। खनन संबंधी उपकरणों के ऑर्डर दिए जा चुके हैं और स्मेल्टर का निर्माण कार्य शुरू हो गया है, जबकि मिलिंग और कन्संट्रेट से जुड़े ऑर्डर अभी जारी होने बाकी हैं।कंपनी के सीईओ ने कहा कि बाकी 6.5 लाख टन क्षमता के विस्तार के लिए भी लगभग इसी अनुपात में निवेश किया जाएगा। इसके लिए निवेश चरणबद्ध तरीके से अगले चार से पांच साल में किया जाएगा। इसके तहत कंपनी का औसत वार्षिक पूंजीगत व्यय 7-8 हजार करोड़ रुपए रहने का अनुमान है। हालांकि, चालू वित्त वर्ष में इस निवेश का केवल 15-20 फीसदी ही वास्तविक नकद खर्च के रूप में दिखाई देगा।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से नौ का मार्केट कैप 2.74 लाख करोड़ घटा

एचडीएफसी बैंक को सबसे ज्यादा नुकसान, सिर्फ हिंदुस्तान यूनिलीवर फायदे में

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। स्थानीय बाजार में कमजोरी के रुख के बीच सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से नौ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 2.74 लाख करोड़ रुपये की बड़ी गिरावट दर्ज की गई। इस गिरावट में एचडीएफसी बैंक को सबसे ज्यादा झटका लगा, जबकि सिर्फ हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) ही अपने

बाजार मूल्यांकन में बढ़ोतरी दर्ज कर सका। समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 2,091.68 अंक टूट गया, वहीं एनएसई निफ्टी भी 566.85 अंक यानी 2.32 प्रतिशत के नुकसान में रहा।

इस बिकवाली के माहौल में सबसे ज्यादा नुकसान एचडीएफसी बैंक को हुआ,

जिसका बाजार पूंजीकरण 1,18,383.91 करोड़ रुपये घटकर 11,43,985.90 करोड़ रुपये रह गया। बैंक के शेयर में मार्जिन संबंधी चिंताओं के चलते 9.40 प्रतिशत की भारी गिरावट आई।

अन्य प्रमुख कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 65,429.82 करोड़ रुपये कम होकर 17,29,661.44 करोड़ रुपये रहा। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की बाजार हैसियत 26,814.94 करोड़ रुपये घटकर 9,36,953.84 करोड़ रुपये पर आ गई

, जबकि बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन 26,802.74 करोड़ रुपये घटकर 6,30,471.54 करोड़ रुपये रह गया। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को 15,116.74 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ, जिससे इसका बाजार मूल्यांकन 5,33,007.56 करोड़ रुपये पर आ गया।

आईसीआईसीआई बैंक की हैसियत 6,223.84 करोड़ रुपये घटकर 10,28,217.93 करोड़ रुपये रह गई। भारती एयरटेल का पूंजीकरण 6,021.64 करोड़ रुपये कम होकर 11,85,046.13 करोड़ रुपये और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मूल्यांकन 5,191.95 करोड़ रुपये घटकर 8,15,480.75 करोड़ रुपये पर आ गया।

तेज प्रताप समेत छात्रों की गिरफ्तारी पर तेजस्वी का सरकार को अल्टीमेटम

बोले- गिरफ्तार छात्रों को रिहा नहीं किया गया तो बिहारभर में होगा बड़ा आंदोलन

पटना,।

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता एवं बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने विदेश यात्रा से लौटते ही राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने छात्र आंदोलनों के दौरान पुलिस कार्रवाई को लेकर सरकार की आलोचना करते हुए मांग की कि गिरफ्तार छात्रों को तत्काल रिहा किया जाए और उनके खिलाफ दर्ज मुकदमे वापस लिए जाएं। तेजस्वी यादव ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगें तय समय में नहीं मानी गईं तो राजद पूरे बिहार में व्यापक आंदोलन शुरू करेगा।

पटना में पत्रकारों से बातचीत के दौरान तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि पटना सहित कई जिलों में छात्र-छात्राओं पर लाठीचार्ज किया गया और बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने वाले छात्रों के साथ इस प्रकार का व्यवहार स्वीकार नहीं किया जा सकता। उनके अनुसार, सरकार को संवाद के माध्यम से समस्याओं का समाधान करना चाहिए था।राजद नेता ने राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि बिहार में कानून-व्यवस्था और प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि यदि अगले दिन तक छात्रों के खिलाफ दर्ज सभी मामले वापस नहीं लिए गए और गिरफ्तार छात्रों को रिहा नहीं किया गया, तो उनकी पार्टी राज्यव्यापी आंदोलन छेड़ेगी। तेजप्रताप की गिरफ्तारी को तानाशाही बताया तेजस्वी यादव ने अपने बड़े भाई और राजद नेता तेज प्रताप यादव के खिलाफ दर्ज मामले का भी उल्लेख किया। उन्होंने आरोप लगाया कि तेज प्रताप यादव सहित कई विधायकों पर गंभीर धाराओं में मामले दर्ज किए गए हैं, जिसे उन्होंने तानाशाही करार दिया। उनका कहना था कि विपक्ष की आवाज दबाने के लिए कानून का दुरुपयोग किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि तेज प्रताप यादव को शनिवार को पटना में छात्र आंदोलन के समर्थन के दौरान पुलिस ने हिरासत में लिया था। हालांकि, उनके अधिवक्ता का दावा है कि गिरफ्तारी प्रदर्शन स्थल से नहीं, बल्कि एक शॉपिंग मॉल से की गई।

आरबीआई लाएगा प्लास्टिक के नोट, 34 करोड़ पॉलीमर शीट्स के लिए टेंडर जारी

टिकाऊपन और सुरक्षा की दिशा में नई क्रांति, बार-बार नए नोट छापने की आवश्यकता नहीं होगी

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) देश की मुद्रा प्रणाली में एक बड़े बदलाव की ओर अग्रसर है, जिसके तहत जल्द ही प्लास्टिक (पॉलीमर) के नोट प्रचलन में आ सकते हैं। आरबीआई की सहायक कंपनी, भारतीय रिजर्व बैंक नोट मुद्रण प्राइवेट लिमिटेड (बीआरबीएनएमपीएल) द्वारा लगभग 34 करोड़ पॉलीमर शीट्स खरीदने के लिए जारी किया गया हालिया टेंडर इस ओर स्पष्ट संकेत देता है कि पारंपरिक कागजी नोटों का स्थान भविष्य में प्लास्टिक नोट ले सकते हैं। यह कदम चरणबद्ध तरीके से लागू होगा, जो 2012-13 में कुछ शहरों में परीक्षण की पूर्व योजना के अधूरे रहने के बाद अब साकार होता दिख रहा है। विश्लेषण दुनिया के कई देश पहले से ही प्लास्टिक नोटों का सफलतापूर्वक उपयोग कर रहे हैं और अब भारत भी इस वैश्विक चलन का हिस्सा बनने की तैयारी में है। प्लास्टिक नोटों को अपनाने के पीछे कई ठोस कारण हैं। सबसे प्रमुख लाभ इनका अत्यधिक टिकाऊपन है; ये कागजी नोटों की तुलना में 2 से 6 गुना अधिक चलते हैं, पानी, गंदगी और फटने के प्रति अधिक प्रतिरोधी होते हैं। इससे आरबीआई को नोटों की छपाई, वितरण और नष्ट करने पर होने वाले सालाना हजारों करोड़ रुपये के खर्च में भारी कमी आएगी, क्योंकि बार-बार नए नोट छापने की आवश्यकता नहीं होगी। पिछले दस वर्षों में नोटों की छपाई पर 52 हजार करोड़ रुपये से अधिक खर्च हो चुका है। पर्यावरणीय दृष्टि से भी ये बेहतर विकल्प हैं, क्योंकि इनकी लंबी उम्र संसाधनों (कागज, स्याही, पानी, ऊर्जा) की खपत कम करती है और पुराने नोटों को आसानी से रीसाइकिल करके अन्य उपयोगी उत्पाद बनाए जा सकते हैं। सुरक्षा के लिहाज से भी प्लास्टिक नोटों को आधुनिक सुरक्षा सुविधाओं से लैस करना आसान होता है, जिससे इनकी नकल करना बेहद मुश्किल हो जाता है और नकली नोटों पर प्रभावी अंकुश लगेगा। आम जनता को भी फटे-गंदे नोटों से मुक्ति मिलेगी, क्योंकि ये नोट लंबे समय तक नए जैसे बने रहेंगे, जिससे उनके उपयोग का अनुभव बेहतर होगा।

हिंदुस्तान जिंक की 5,000 करोड़ के पूंजीगत निवेश की योजना

नई दिल्ली ।

वेदांता समूह की कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड (एचजेडएल) चालू वित्त वर्ष में करीब 50-60 करोड़ अमेरिकी डॉलर (लगभग 5,000 करोड़ रुपये) का पूंजीगत निवेश करने पर` विचार कर रही है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस निवेश का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा पहले से चल रही परियोजनाओं पर खर्च किया जाएगा, जबकि 20 प्रतिशत राशि नई परियोजनाओं के लिए रखी गई है, जिनकी घोषणा जल्द की जाएगी। उन्होंने बताया कि समूह की कुल परियोजना क्षमता 10 लाख टन है, जिसमें से 2.5 लाख टन (25 प्रतिशत) क्षमता को पहले ही 12,000 करोड़ रुपये के निवेश के साथ मंजूरी मिल चुकी है। इनमें खनन और खनिजीकरण से जुड़े कार्य शामिल हैं।मिश्रा के अनुसार, खनन संबंधी उपकरणों के ऑर्डर दिए जा चुके हैं और स्मेल्टर का निर्माण कार्य शुरू हो गया है, जबकि मिलिंग और कन्संट्रेट से जुड़े ऑर्डर अभी जारी होने बाकी हैं। उन्होंने कहा कि शेष 6.5 लाख टन क्षमता के विस्तार के लिए भी लगभग इसी अनुपात में निवेश किया जाएगा। इसके लिए निवेश चरणबद्ध तरीके से अगले चार से पांच साल में किया जाएगा। इसके तहत कंपनी का औसत वार्षिक पूंजीगत व्यय 7,000-8,000 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। हालांकि, चालू वित्त वर्ष में इस निवेश का केवल 15-20 प्रतिशत ही वास्तविक नकद खर्च के रूप में दिखाई देगा। हालांकि, उन्होंने नई परियोजनाओं की समयसीमा या उनसे संबंधित वित्तीय ब्योरा नहीं दिया।वेदांता लि. की अनुषंगी हिंदुस्तान जिंस देश की प्रमुख जस्ता उत्पादक कंपनियों में से है। यह हाल के वर्षों में परिचालन के मोर्चे पर अपनी क्षमता बढ़ाने और दक्षता सुधारने के लिए लगातार निवेश कर रही है।यह जस्ता, सीसा और चांदी उत्पादन के मामले में अग्रणी कंपनियों में शामिल है। बीएसई और एनएसई में सूचीबद्ध हिंदुस्तान जिंक में वेदांता लिमिटेड की 60.71 प्रतिशत और केंद्र सरकार की 27.92 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

तेल-तिलहन बाजार में उठापटक, आयातकों की मजबूरी और त्योहारी मांग का असर

पैसे की दिक्कतों के कारण आयातित तेलों की कीमत गिरी, वहीं घरेलू तेलों में मामूली सुधार

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में विपरीत रुझान देखने को मिला। जहां वित्तीय दबाव झेल रहे आयातकों द्वारा लागत से नीचे बिकवाली के कारण आयातित खाद्य तेलों (सोयाबीन और पाम-पामोलीन) के दाम में गिरावट आई, वहीं आगामी त्योहारी मौसम की मांग ने घरेलू तेलों जैसे सरसों और मूंगफली को मामूली मजबूती दी। बाजार सूत्रों के अनुसार पिछले सप्ताह आयातित तेलों की कीमतों में गिरावट का मुख्य कारण आयातक की वित्तीय दिक्कतें रहीं। ये आयातक अपना माल जल्द खपाकर बैंक ऋण चक्र बनाए रखने के लिए सोयाबीन और पाम-पामोलीन तेल को लागत से भी कम दाम पर बेच रहे हैं। इसी क्रम में सोयाबीन प्लांट मालिक भी किसानों से सस्ते दाम पर सोयाबीन खरीदने की कोशिश में खरीद मूल्य घटा रहे हैं। इससे किसान अपनी आवक कम कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें पहले बेहतर दाम मिल चुके हैं और अब वे सस्ते में बेचने से बचते हैं। इस दबाव ने भी सोयाबीन तेल-तिलहन के दाम प्रभावित किए। कमोबेश पाम-पामोलीन का भी यही हाल रहा जिसे आयातक लागत से नीचे बेचते नजर आए। इसके विपरीत आने वाले जन्माष्टमी और रक्षा बंधन जैसे त्योहारों के लिए मिठाई और नमकीन निर्माताओं की निरंतर बढ़ती मांग ने घरेलू तेलों को सहारा दिया। इस वजह से सरसों एवं मूंगफली तेल-तिलहन में सुधार देखा गया। नगण्य उपलब्धता के बावजूद औद्योगिक मांग बढ़ने से बिनौला तेल में भी मामूली तेजी दर्ज की गई।सरसों तेल दादरी 75 रुपये के मामूली सुधार के साथ 16,625 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दूसरी ओर सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल क्रमशः 2,705-2,805 रुपये और 2,705-2,855 रुपये टिन (15 किलो) पर स्थिर बंद हुए।

पश्चिम एशिया का बढ़ता भू-राजनीतिक तनाव बाजार के लिए सबसे बड़ी चुनौती

निफ्टी 24,000 के नीचे, अब निगाहें कच्चे तेल और तिमाही नतीजों पर

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया का बढ़ता भू-राजनीतिक तनाव बाजार के लिए सबसे बड़ी चुनौती बना हुआ है, जिसने कच्चे तेल की कीमतों को एक बार फिर 100 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंचा दिया है। इस महीने अब तक 32 फीसदी महंगा हुआ कच्चा तेल भारत के लिए आयात बिल और महंगाई बढ़ाने की चिंता पैदा कर रहा है। इसके साथ ही, अमेरिका में 10 साल के बॉन्ड की यील्ड 4.7 फीसदी के बहु-वर्षीय उच्च स्तर पर पहुंच गई है, जिससे वैश्विक निवेशक जोखिम भरे उभरते बाजारों से पैसा निकालकर सुरक्षित जगहों की तरफ रुख कर रहे हैं। इसका असर रुपये पर भी दिख रहा है, जो अपने सर्वकालिक निचले स्तर के करीब पहुंच रहा है। तकनीकी रूप से बाजार के`` विशेषज्ञों के अनुसार, निफ्टी का ढांचा कमजोर हुआ है। इसके लिए तत्काल सपोर्ट 23,600 के स्तर पर है, जिसके टूटने पर बिकवाली तेज होकर 23,300 तक जा सकती है। ऊपर की तरफ 24,000 का स्तर एक बड़ी रुकावट बना हुआ है, और जब तक यह पार नहीं होता, हर तेजी पर बिकवाली की रणनीति ही उचित रहेगी।

रेलवे की पहल से सशक्त होंगे दलित और आदिवासी उद्यमी

वेंडर डेवलपमेंट मीट में स्थानीय विनिर्माण, सरकारी योजनाओं और रेलवे में कारोबार के अवसरों पर विशेषज्ञों ने किया मार्गदर्शन

अहमदाबाद

7 आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत (2047) के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप, अहमदाबाद मंडल के सामग्री प्रबंधन विभाग ने दलित इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (डीआईसीसीआई) के सहयोग से एक वेंडर डेवलपमेंट मीट कासफल आयोजन किया।

यह आयोजन समावेशी आर्थिक विकास को बढ़ावा देने, ज़मीनी स्तर पर उद्यमिता को प्रोत्साहित करने और नीति निर्माताओं एवं छोटे व्यवसायियों के बीच की दूरी को कम करने के लिए एक रणनीतिक मंच साबित हुआ।

इस मीट का मुख्य उद्देश्य अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के प्रथम पीढ़ी के उद्यमियों को भारतीय रेलवे में उपलब्ध विशाल खरीद और व्यावसायिक अवसरों के प्रति जागरूक करना था।इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से एससी/एसटी पृष्ठभूमि के कुल 55 उद्यमियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रमुख गणमान्य और अधिकारियों की उपस्थितिकार्यक्रम में कई प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों और अधिकारियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जिनमें शामिल हैंविहार ठाकर (वरिष्ठ मण्डल सामग्री प्रबंधक, अहमदाबाद)स्वयंदीप सिंह (उप मुख्य सामग्री प्रबंधक, साबरमती)नीरज कुमार (अध्यक्ष, डीआईसीसीआई गुजरात चैप्टर)उमेश शर्मा (सहायक निदेशक, एमएसएमई-डीएफओ)डॉ. मुंजाल दवे (महाप्रबंधक, जिला उद्योग केंद्र, अहमदाबाद)भूमिका पटेल (जीईएम बिजनेस एसोसिएट, गुजरात)इन अधिकारियों की उपस्थिति से प्रतिभागियों को सीधे बहु-विभागीय मार्गदर्शन प्राप्त करने का अवसर मिला।

स्मृतियों में सदैव जीवित रहेंगे मिसाइल मैन डॉ. कलाम

डा. अब्दुल कलाम स्मृति दिवस

योगेश कुमार गोयल

15 अक्तूबर 1931 को तमिलनाडु के रामेश्वरम में एक गरीब परिवार में जन्मे अब्दुल कलाम गरीबी और कठिन परिस्थितियों के बावजूद उच्च शिक्षा प्राप्त कर वैज्ञानिक बने थे, जिनके नेतृत्व में भारत कई उपग्रह तथा स्वदेशी मिसाइलें बनाने में सफल हुआ और परमाणु शक्ति सम्पन्न राष्ट्र भी बना। उन्होंने डीआरडीओ तथा इसरो की कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर काम कर उन्हें सफल बनाया।

अब्दुल कलामः सत्ता नहीं, संस्कारों से बने महान...

'मिसाइल मैन' के नाम से विख्यात डा. एपीजे अब्दुल कलाम (अबुल पाकिर जैनुलाब्दीन अब्दुल कलाम) भारतीय इतिहास में एकमात्र ऐसे राष्ट्रपति रहे हैं, जो वैज्ञानिक थे। देश के महान वैज्ञानिक होने के साथ-साथ वह एक अद्भुत इंसान और एक प्रेरणादायक नेता भी थे। सादगी, मितव्ययिता और ईमानदारी जैसे विलक्षण गुणों की मिसाल डा. कलाम ने अपने इन्हीं गुणों की बदौलत समस्त देशवासियों को दिल जीत लिया था क्योंकि मौजूदा राजनीतिक परिवेश में ऐसे गुणों वाले व्यक्ति का मिलना दुर्लभ है। यही कारण है कि करोड़ों लोग आज भी उन्हें अपना प्रेरणास्त्रोत मानते हुए उनकी कही बातों का अनुसरण करते हैं। उनकी सबसे बड़ी विशेषता यही थी कि उन्होंने जिस भी व्यक्ति के साथ काम किया, उसी के दिल को जीत लिया। देश की युवा पीढ़ी को संदेश देते हुए वह कहते थे कि भारत के युवा वर्ग में हिम्मत होनी चाहिए कि वह कुछ अलग सोच सके, हिम्मत हो कि वह कुछ खोज सके, ऐसे नए रास्तों पर चलने की हिम्मत हो, जो असंभव हो, उसे खोज सके और मुसीबतों को जीतकर सफलता हासिल कर सके। वह कहते थे कि आसमान की ओर देखें, हम अकेले नहीं हैं, पूरा ब्रह्माण्ड हमारा मित्र है और जो सपना देखते हुए मेहनत कर रहे हैं, उन्हें बेहतरीन फल देने का प्रयास कर रहा है। सपना सच हो, इसके लिए जरूरी है कि आप सपना देखें।

15 अक्तूबर 1931 को तमिलनाडु के रामेश्वरम में एक गरीब परिवार में जन्मे अब्दुल कलाम गरीबी और कठिन परिस्थितियों के बावजूद उच्च शिक्षा प्राप्त कर वैज्ञानिक बने थे, जिनके नेतृत्व में भारत कई उपग्रह तथा स्वदेशी मिसाइलें बनाने में सफल हुआ और परमाणु शक्ति सम्पन्न राष्ट्र भी बना। उन्होंने डीआरडीओ तथा इसरो की कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर काम कर उन्हें सफल बनाया। अपने जीवनकाल में उन्होंने 'विंग्स ऑफ फायर', 'इग्नाइटेड माइंड', 'इंडिया 2020ः ए विजन फॉर न्यू मिलेनियम' इत्यादि 30 से भी ज्यादा पुस्तकें लिखी। 1999 से 2001 के बीच वे भारत सरकार के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार रहे

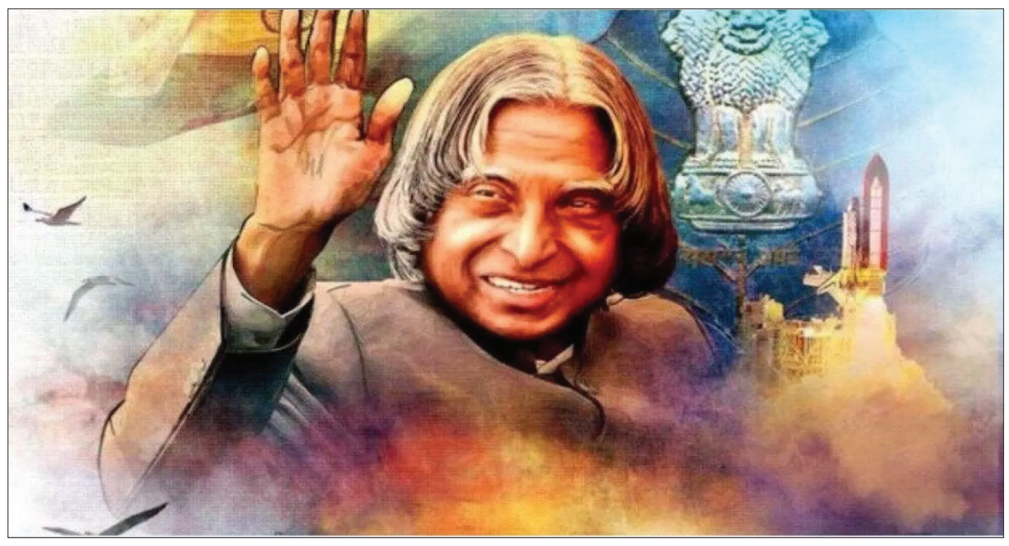

तथा 2002 से 2007 तक भारत के 11वें राष्ट्रपति रहे। राष्ट्रपति बनने के बाद जब वे राष्ट्रपति भवन पहुंचे थे तो उनके साथ सामान के रूप में केवल दो सूटकेस थे, जिनमें से एक में उनके कपड़े तथा दूसरे में उनकी प्रिय पुस्तकें थी। आज जहां नेतागण छुट्टियों पर घूमने जाने के लिए बेताब रहते हैं और संसद की कार्यवाहियों से भी गैरहाजिर रहते हैं, वहीं डा. कलाम ने राष्ट्रपति रहते अपने पूरे राजनीतिक जीवन में केवल दो छुट्टियां ली थी, एक अपने पिता के देहांत पर और दूसरी अपनी मां की मृत्यु के अवसर पर।

देश के सर्वोच्च पद पर रहते हुए कलाम साहब ने अपने कार्यकाल में सादगी, मितव्ययिता और ईमानदारी की जो मिसाल पेश की, वह आज और कहीं देखने को नहीं मिलती। ऐसा ही एक वाकया स्मरण आता है, जब एक बार उनका पूरा परिवार (कुल 52 सदस्य) उनसे मिलने दिल्ली आया। स्टेशन से सभी को राष्ट्रपति भवन लाया गया, जहां सभी आठ दिनों तक ठहरे। उन पर खर्च हुई एक-एक पाई कलाम साहब ने अपनी जेब से खर्च की। बताया जाता है कि उन्होंने अपने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया था कि उनके इन अतिथियों के लिए राष्ट्रपति भवन की कारें इस्तेमाल नहीं की जाएंगी और उनके खाने-पीने के सारे खर्च का विवरण भी अलग से रखा गया। आठ दिन बाद सभी के दिल्ली से वापस चले जाने पर कलाम साहब ने अपने निजी बैंक खाते से 3.52 लाख रुपये का चेक काटकर राष्ट्रपति कार्यालय को भेज दिया। राष्ट्रपति पद पर रहते हुए उन्होंने कभी किसी का कोई उपहार अपने पास नहीं रखा। दरअसल उनका कहना था कि उनके पिता ने उन्हें यही शिक्षा दी है कि कभी किसी का कोई उपहार स्वीकार मत करो। किसी ने एक बार उन्हें दो पैन उपहारस्वरूप दिए थे लेकिन वे भी उन्होंने राष्ट्रपति पद से विदाई के समय लौटा दिए थे।

भारत के बच्चों के भविष्य को लेकर वे चिंतित स्वर में कहते थे कि देश में प्रतिवर्ष दो करोड़ बच्चे जन्म लेते हैं, उन सभी बच्चों का क्या भविष्य होगा और जीवन में उनका क्या लक्ष्य होगा? क्या हमें उनके भविष्य के लिए कुछ कदम उठाने चाहिएं या हमें उन्हें उनके नसीब के सहारे छोड़ अभिजात्य वर्ग के फायदे के लिए ही काम करना चाहिए? डा. कलाम का मानना था कि यदि भारत को भ्रष्टाचार मुक्त और सुंदर मस्तिष्क वालों का देश बनाना है तो इसमें समाज के तीन लोग सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, पिता, माता और गुरु। भारत के भविष्य को लेकर उनके पास एक विजन था, जिस पर 'इंडिया 2020ः ए विजन फॉर न्यू मिलेनियम' नामक पुस्तक प्रकाशित हुई थी। दरअसल 'टेक्नोलॉजी इन्फॉर्मेशन, फोरकास्टिंग एंड एसेसमेंट काउंसिल' नामक एक सरकारी संगठन देश की प्रगति से जुड़ा विजन डॉक्यूमेंट तैयार करता है और 1996 में कलाम साहब इसके अध्यक्ष थे। उन्हीं की अध्यक्षता में 1996-97 में 'विजन 2020' डॉक्यूमेंट तैयार किया गया। उस रिपोर्ट में सरकार को कुछ सुझाव देते हुए बताया गया था कि 2020 तक भारत को क्या कुछ हासिल करने का लक्ष्य रखना चाहिए। रिपोर्ट के आधार पर कलाम साहब ने सरकार को सलाह दी थी कि देश के विकास के लिए तकनीक, विज्ञान, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक क्षेत्र में सरकार को क्या करना चाहिए और आम नागरिक को इसमें क्या भूमिका निभानी चाहिए। उनका मानना था कि भारत 2020 तक युवाओं के योगदान की बदौलत एक विकसित देश बन जाएगा लेकिन वर्तमान परिस्थितियों के मद्देनजर उनके इस विजन को पूरा होने में अभी बहुत लंबा समय लग सकता है।

डा. कलाम कहा करते थे कि दुनिया हमें तभी याद रखेगी, जब हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित और विकसित भारत देंगे, जो आर्थिक सम्पन्नता और सांस्कृतिक विरासत से मिला हो। उनका कहना था कि जो लोग अपने दिल से कार्य नहीं करते, वे जिंदगी में भले ही कुछ भी हासिल कर लें लेकिन वह खोखला होता है, जो उनके दिल में कड़वाहट भरता है। कलाम साहब के अनुसार जिंदगी कठिन है और आप तभी जीत सकते हैं, जब आप मनुष्य होने के अपने जन्मसिद्ध अधिकार के प्रति सजग हों। किसी व्यक्ति के जीवन में कठिनाई नहीं होगी तो उसे सफलता की खुशी का अहसास ही नहीं होगा। यह महान विभूति 27 जुलाई 2015 को भारतीय प्रबंधन संस्थान शिलांग में एक कार्यक्रम के दौरान छात्रों को सम्बोधित करते हुए अचानक दिल का दौरा पड़ने पर सदा के लिए चिरनिद्रा में लीन हो गई। (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

शर्तों की मोहताज संसद

संसद के मानसून सत्र के पांच दिन बीत चुके हैं। कोई काम नहीं, कोई चर्चा नहीं, सिर्फ हंगामा और नारेबाजी...! संसदीय व्यवस्था के अनुसार, 45 करोड़ रुपए से अधिक फुंक चुके हैं। यह किसी सरकार, विपक्ष या आंदोलनकारी की राशि नहीं थी। करदाता ने दी थी, ताकि संसद चल सके। संसद के पटल पर सिर्फ वे कागजात या रपटें रखी जा सकी हैं, जिनकी औपचारिकता विधायी तौर पर अनिवार्य होती है। स्पीकर, सभापति और पीठासीन अधिकारी आसन पर आकर बैठते हैं, विपक्ष के हंगामा करते सांसदों को 'उपदेश' देते हैं, अंततः सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित करनी पड़ती है। विपक्ष और प्रदर्शनकारी बखूबी जानते हैं कि यदि बर्फ पिघलेगी और कोई समाधान निकलेगा, तो वह सिर्फ और सिर्फ संसद में चर्चा के बाद ही निकलेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार, 23 जुलाई, देर रात फास्ट ट्रैक कोर्ट बिल के मसविदे की घोषणा की है और शिक्षा मंत्रालय के दो शीर्ष, सचिव स्तर के अधिकारियों के तबादले किए हैं। अब कैबिनेट की स्वीकृति के बाद विधेयक संसद में आना है। संसद में ही उसे पारित किया जा सकता है और राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद वह कानून बन सकता है। यदि संसद की कार्यवाही नहीं चल पाई, तो फास्ट ट्रैक कोर्ट का बिल और माफिया को जल्द और कठिन दंड और असंभव-सी जमानत वाला कानून लटक कर रह जाएगा। सडकों पर नारेबाजी और हुड़दंग मचाने से कोई भी विधायी व्यवस्था नहीं बन सकती। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और लगभग समूचे विपक्ष की यह शर्त है कि पहले शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा लिया जाए अथवा प्रधानमंत्री उन्हें बर्खास्त करें। उसके बाद ही संसद में चर्चा संभव है। जंतर-मंतर पर बीते 35 दिनों से प्रदर्शन कर रहे युवाओं की भी यही शर्त है। बहरहाल हर सड़किया प्रदर्शनकारी की शर्तों के मुताबिक, न तो संसद चलती है और न ही बहस की दिशा और आधार तय होते हैं। इस देश में संसद और आंदोलनकारी दोनों ही स्वतंत्र हैं। शुक्रवार, 24 जुलाई, की सुबह एक सुखद खबर मिली कि देर रात करीब 12.40 बजे सोनम वांगचुक ने 26 दिन से जारी अपना अनशन तोड़ दिया। केंद्रीय मंत्रियों-जेपी नड्डा और डॉ. जितेन्द्र सिंह-ने 'मेदांता'अस्पताल जाकर उन्हें जूस पिलाया और यूं वांगचुक का अनशन टूटा। अब उन्हें प्रदर्शन कर रहे युवाओं का आह्वान करना चाहिए कि आंदोलन समाप्त करो, सरकार के आश्वासन पर भरोसा कर कुछ समय दो, लेकिन वांगचुक ने ऐसा नहीं किया है, हालांकि आंदोलनरत कॉकरोचों ने अनशन तोड ? को बड़ी राहत माना है। बहरहाल शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की शर्त वांगचुक और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की नहीं है। वे बेहतर शिक्षा-व्यवस्था और पेपरलीक सरीखे राष्ट्रीय मुद्दे पर संसद के भीतर सकारात्मक चर्चा के पक्षधर हैं। मंत्री का इस्तीफा तो कभी भी हो सकता है, लेकिन सरकार के विरोध में सबसे बुलंद और

चिंतन-मनन

सत्ता-संपदा का उन्माद

मनुष्य विचारशील प्राणी है, विवेकशील प्राणी है। उसके पास बुद्धि है, शक्ति है। वह अपनी बुद्धि का उपयोग करता है, चिंतन के हर कोण पर रुकता है, विवेक को जगाता है, शक्ति का नियोजन करता है और संसार के अन्य प्राणियों से बेहतर जीवन जीता है। जीने के लिए वह अनेक प्रकार की सुविधाओं को जुटाता है। सत्ता और संपदा ये तो ऐसे तत्व हैं, जिनका आकषर्ण अधिकांश लोगों को बना रहता है। सत्ता के मूल में सेवा की भावना है और संपदा के मूल में जीवनयापन की। न सत्ता के बल पर कोई व्यक्ति बड़ा बनता है और न संपदा ही किसी को शिखर पर बिठा सकती है। जो लोग सेवा की पवित्र भावना से सत्ता के गलियारे में पांव रखते हैं और जीवनयापन के साधन के रूप में अर्थ का उपयोग करते हैं, वे सत्ता और संपदा प्राप्त करके भी कुछ अतिरिक्त अनुभव नहीं करते। सहज सादगीमय जीवन जीते हुए वे सत्ता और संपदा के द्वारा हितकारी प्रवृत्तियों में संलग्न हो जाते हैं।

कुछ लोगों की अवधारणा है कि व्यक्ति का अस्तित्व और व्यक्तित्व सत्ता और संपदा पर ही निर्भर है। इसलिए वे जैसे-तैसे इन्हें हथियाने का प्रयास करते हैं और ये हस्तगत हो जाएं तो इनका उचित-अनुचित लाभ भी उठा लेते हैं। ऐसे लोगों में न तो सेवा की भावना होती है और न ही वे उपयोगितावादी दृष्टि से अर्थ का अंकन करते हैं। इनके द्वारा अहंकार बढ़ता है और वे स्वयं को आम आदमी से बहुत बड़ा मानने लगते हैं। यहीं से एक भेद-रेखा बनने लगती है, जो सत्ताधीश और संपत्तिशाली को दूसरे नजरिए से देखने का धरातल तैयार करती है। जिस व्यक्ति के पास सत्ता हो और संपदा हो, फिर भी उन्माद न हो; बहुत कठिन बात है। इन दोनों में से एक पर अधिकार पाने वाला व्यक्ति भी मूढ़ हो सकता है। जहां दोनों का योग हो जाए, वहां मूढ़ता न आए, यह तो संभव ही नहीं है। इस बात को सब लोग जानते हैं, फिर भी सत्ता और संपदा पाने की आकांक्षा का संवरण नहीं होता। जिनकी आकांक्षा पूरी हो जाती है, वे सौभाग्य से ही मूढ़ता से बच पाते हैं। किंतु जिनकी आकांक्षा पूरी नहीं होती, वे एक दूसरे प्रकार के उन्माद का शिकार हो जाते हैं।

जय और पराजय की सोच से बाहर निकलें योद्धा

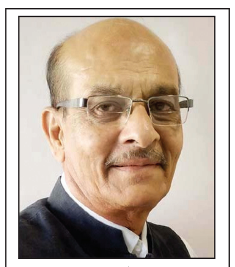

सनत जैन

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा हो चुका है। कॉकरोच जनता पार्टी और विपक्ष इसे अपनी सबसे बड़ी जीत बता रहा है। पिछले 12 साल की मोदी सरकार के दौरान जितने भी आंदोलन हुए हैं, उन आंदोलनो में निश्चित रूप से कॉकरोच जनता पार्टी के बेनर तले हुआ आंदोलन प्रभावी रहा, प्रदर्शनकारियों को भारी जीत मिली है। युवाओं के मन से डर और भय पूरी तरह से बाहर निकल गया है। वह अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ने के लिए स्वयं तैयार हो गए हैं। नेतृत्व तो एक मुखौटा है। इस सत्य को युवा शक्ति, सरकार और विपक्ष को स्वीकार करना होगा। कॉकरोच जनता पार्टी का जो नेतृत्व कर रहे हैं, ना तो उनकी कोई पहचान है, नाही उनकी कोई विश्वसनीयता है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की एक टिप्पणी जिसमें उन्होंने युवा बेरोजगारों को फर्जी डिग्री धारी मानकर उन्हें कॉकरोच कह दिया था। इसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया करोड़ों युवाओं में हुई है। 30 करोड़ से ज्यादा युवा जो कई साल पहले स्नातक- परास्नातक और प्रोफेशनल कोर्स की डिग्रियां लेकर सड़कों पर बेरोजगार के रूप में घूम रहे हैं। उन्हें कहीं नौकरी नहीं मिल रही थी। सहानुभूति के स्थान पर उन्हें सुप्रीम कोर्ट में कॉकरोच कह दिया गया। जब वह अपनी मांग को लेकर सड़कों पर उतरते थे, तब उन पर सरकार द्वारा लाठियां बरसाई जाती थीं, सरकार द्वारा उनके ऊपर मुकदमे दर्ज कर उन्हें डरा और धमकाकर चुप करा दिया जाता था। मुख्य न्यायाधीश की इस टिप्पणी ने पढ़े लिखे डिग्री धारी बेरोजगारों की समस्याओं का समाधान करने के स्थान पर उस आग में घी डालने का काम किया था। यह आग अब बुरी तरह से सारे देश में फैल चुकी है। इन्हें एक नेतृत्व की जरूरत थी, जिसे कॉकरोच जनता पार्टी के नाम से सोशल मीडिया पर प्लेटफार्म मिला। देशभर के सारे युवा अपने भविष्य की लड़ाई लड़ने के लिए सड़कों पर उतर आए। इसमें जंतर-मंतर और कॉकरोच पार्टी एक संयोग के रूप में सामने आई है।

12 साल में मोदी सरकार के लिए यह सबसे बड़ी पराजय है। सरकार के अंदर भारतीय जनता पार्टी तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के आंतरिक संगठन में इसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया होना स्वाभाविक है। आने वाले विधानसभा और लोकसभा चुनाव में भी इसका असर होना तय है। अभी तक जो लोग डरे हुए थे, उनका डर और भय इस आंदोलन के बाद पूरी तरह से समाप्त हो चुका है। केवल युवा ही नहीं अन्य वर्ग के लोग भी अब सरकार के सामने खड़े होने की हिम्मत कर पा रहे हैं। सभी वर्ग अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ने मुखर हो रहे हैं। ऐसी स्थिति में सरकार की जिम्मेदारी है, वह बदली हुई परिस्थितियों के अनुसार अपने आपको बदले। मोदी सरकार के बारे में यह कहा जाता है, वह अपने अपमान को कभी भूलते नहीं है। समय आने पर तिगुने वेग के साथ हमला कर सामने वाले को पूरी तरह से नेस्त-नाबूत कर देते हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इसका ताजा उदाहरण हैं। नीतीश कुमार भी अब बिहार के मुख्यमंत्री नहीं रहे। उनकी पार्टी और उनका भविष्य अब भाजपा के रहमों करम पर है। ऐसी स्थिति में लोगों को आशंका है, आंदोलन खत्म होने के बाद सरकार जल्द ही बदले की कोई कार्रवाई करेगी।

किसान आंदोलन खत्म करने के समय जो वादे सरकार ने किये थे, वह आज तक पूरे नहीं हुए। किसान संगठन एक बार फिर सड़कों में आने की तैयारी कर रहे है। कॉकरोच जनता पार्टी का जो शीर्ष नेतृत्व है, वह जिस तरह से जीत का जश्न मना रहा है, भाजपा को लग रहा है, वह कॉकरोच जनता पार्टी के माध्यम से युवाओं को जैसा चाहेगी वैसा नचा सकती है। यह भविष्य में संभव नहीं होगा। युवाओं के बीच विस्वसनीयता के साथ राहुल गांधी की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। अन्ना आंदोलन के बाद मोदी सरकार का बनना, केजरीवाल सरकार और आम आदमी पार्टी का इतिहास सारे देश के सामने है। मोदी सरकार में जो सबसे ज्यादा भ्रष्ट था, जिसे किसी भी कारण से सरकार को उसके पद से हटाना पड़ा। उसके बाद उसे मोदी सरकार ने पुरस्कृत ही किया है। मोदी सरकार पिछले 12 वर्षों से यही करती आ रही है। धर्मेंद्र प्रधान को वह किस रूप से पुरस्कृत करेगी, यह अभी से चर्चा का विषय बना हुआ है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यही कहा जा सकता है। दोनों ही पक्षों को जय और पराजय से बाहर निकलकर युवाओं और देश की वास्तविक समस्याओं का समाधान करने के लिए आगे आना होगा। सरकार को विपक्ष के साथ भी चर्चा करके आम सहमति बनानी होगी। परिस्थितियाँ अब पूरी तरह से बदल गई हैं। सब अपने-अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। अस्तित्व की लड़ाई में जंगल का कानून लागू होता है। इसमें या तो शिकार मरता है या शिकारी मरता है। युवाओं के इस आंदोलन ने अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन की याद दिला दी है। उस समय भी देश का युवा आजादी की लड़ाई में बिना डर-भय के सड़कों पर आ गया था।

इमारतें ढहाने से कमजोर होता है देश

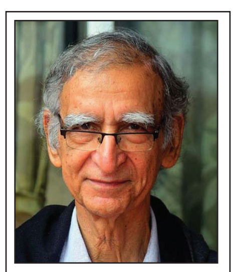

राम पुनियानी

इन दिनों उत्तरप्रदेश के रामपुर में जौहर विश्वविद्यालय के मुख्य प्रवेशद्वार पर धरना जारी है। समाजवादी पार्टी के सदस्य आजम खान, जो वर्तमान में जेल में हैं, इस विश्वविद्यालय का संचालन करने वाले न्यास के अध्यक्ष हैं। विश्वविद्यालय के विद्यार्थी रामपुर विकास प्राधिकरण के उस नोटिस के खिलाफ धरना दे रहे हैं जिसमें विश्वविद्यालय के 40 में से 38 भवनों को ढ़हाए जाने का आदेश दिया गया है। ऐसा करना विश्वविद्यालय को बंद कर देने जैसा होगा। इंडियन एक्सप्रेस (20 जुलाई 2026) के अनुसार विश्वविद्यालय की विधि संकाय की एक छात्रा मेहरोजा खान ने कहा, 'हमारा करियर और भविष्य दांव पर लगा है। हमने धरने पर बैठने का फैसला इसलिए किया क्योंकि हम चाहते हैं कि सरकार विश्वविद्यालय के भवनों को ढहाने के अपने फैसले पर पुनर्विचार करे। हम कहीं और अपनी शिक्षा जारी नहीं रख पाएंगे, विशेषकर बहुत दूर के कालेजों में। सबसे बड़ी बात यह है कि यहां हमें विभिन्न शुल्कों में छूट मिलती है। अनुसूचित जाति और जनजाति के छात्रों को 50 प्रतिशत छूट मिलती है। जिन छात्रों के माता-पिता का देहांत हो चुका है उन्हें भी छूट मिलती है। यहां बी. फार्मा और डी. फार्मा जैसे व्यावसायिक पाठ्यक्रम भी संचालित होते हैं, जिनकी पढ़ाई हममें से बहुत से छात्र अन्य संस्थानों में नहीं कर पाएंगे।'

रामपुर में मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय का शिलान्यास 18 सितंबर 2006 को हुआ था। इसे मोहम्मद अली जौहर न्यास ने कई सालों में धीरे-धीरे विकसित किया। हालांकि इसमें विभिन्न निर्माण कार्य कब हुए यह कानूनी एवं प्रशासनिक विवाद का विषय बन गया है।

रामपुर विकास प्राधिकरण (आरडीए) के अनुसार जहां विश्वविद्यालय के चिकित्सा महाविद्यालय और एक प्रशासनिक खंड का निर्माण विधिवत अनुमतियां एव स्वीकृतियां हासिल करने के बाद ही किया गया है, वहीं परिसर में स्थित 38 अन्य भवनों का निर्माण सक्षम शासकीय कार्यालयों की अनिवार्य अनुमतियां हासिल किए बगैर कर लिया गया। विश्वविद्यालय का कहना है कि इन भवनों का निर्माण वर्षों पहले किया गया था - उस समय जब यह स्थान (सिंगनखेड़ा गांव) आरडीए के क्षेत्राधिकार में नहीं था - और इन निमार्णों की अनुमति स्थानीय जिला पंचायत से ली गई थी।

आरडीए के अनुसार बगैर अनुमोदन के किए गए इन निमार्णों और भूमि उपयोग के कथित उल्लंघनों के चलते उसने इन 38 भवनों को हटाए जाने या ढहाए जाने का आदेश दिया। विद्यार्थियों और कई सामाजिक कार्यकताओं/राजनीतिज्ञों ने निवेदन किया कि विश्वविद्यालय के भवनों को ढहाया जाना अनुचित होगा क्योंकि विश्वविद्यालय विभिन्न वर्गों के छात्रों की अमूल्य सेवा कर रहा है, विशेषकर मुस्लिम और अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग के छात्रों की। उन्होंने दावा किया कि सरकार का मुख्य ध्येय मुसलमानों को शिक्षा से वंचित करना है। वैसे शिक्षा उन प्रमुख मुद्दों में से एक है जिनके प्रति मौजूदा सरकार का उपेक्षापूर्ण रवैया रहा है, जैसा कि इन दिनों चल रही युवाओं एवं विद्यार्थियों की आक्रोश की लहर से पता चलता है। जहां तक अल्पसंख्यकों की शिक्षा की बात है, उसकी राह में तो और अधिक बाधाएं खड़ी की जा रही हैं। दूसरा पहलू है मुस्लिम पहचान वाले भवनों और ढांचों को तोड़ना। जौहर विश्वविद्यालय की इमारतों को ढहाया जाना इस सिलसिले की नवीनतम कड़ी है। काशी, मथुरा, संभल, अजमेर दरगाह और सहारनपुर की मस्जिद आदि वेटिंग लिस्ट में हैं। हाल में हमने देखा कि मध्यप्रदेश में स्थित कमाल मौला मस्जिद इस आधार पर हिन्दुओं को सौंप दी गई कि यह वाग्देवी का मंदिर है। कई अन्य मस्जिदें बाबरी मस्जिद की तर्ज पर निशाने पर हैं। इन पर दावा जताने के लिए रामजन्मभूमि आंदोलन के दौरान अपनाई गई रणनीति ही दुहराई जा रही है। मध्यकालीन इतिहास का दुरूपयोग राजनैतिक और साम्प्रदायिक लक्ष्यों को हासिल करने के लिए किया जा रहा है। मस्जिदों और इसी तरह के अन्य विवाद इन कुतर्कों पर आधारित हैं कि मध्यकाल में मंदिरों को तोड़कर उसी स्थान पर मस्जिदों का निर्माण किया गया था। ये दावे अक्सर इतिहास की बढ़ा-चढ़ाकर की गई या विकृत व्याख्या पर आधारित होते हैं जिनमें औपनिवेशिक काल की टीका-टिप्पणियों का हवाला दिया जाता है। इस तरह के दावे 'उपासना स्थल (विशेष उपबंध) अधिनियम, 1991' के प्रावधानों के एकदम खिलाफ होते हैं जो बाबरी मस्जिद के अलावा सभी उपासना स्थलों के मामलों में 15 अगस्त 1947 की स्थिति बनाए रखने की बात करता है।

इस सिलसिले की शुरूआत हिन्दू दक्षिणपंथियों के बाबरी मस्जिद को ढहाने में सफलता हासिल करने के साथ हुई, जिसके संबंध में यह दावा था कि बाबर ने राममंदिर तुड़वाकर उसकी जगह मस्जिद का निर्माण करवाया था। इसके बावजूद कि न्यायालय का फैसला ह्यजनभावनाओंह्य और न्यायाधीशों के ह्यसपने में भगवान के आने परह्य आधारित था, फैसले में यह माना गया कि 1949 में वहां रामलला की मूर्ति की स्थापना किया जाना एक अपराध था। इसी तरह 6 दिसंबर 1992 को मस्जिद को ढहाए जाने को भी अपराध माना गया। इस घटना ने भाजपा की चुनावी सफलताओं को कई गुना बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त किया, जो अंततः 1996 में पहली बार, उसके बाद 1999 में और अंततः 2014 में केन्द्र की सत्ता पर काबिज होने में कामयाब रही।

लेकिन बाबरी मस्जिद ढ़हाए जाने से भाजपा को जो लाभ मिला, उससे भाजपा-आरएसएस के मन में यह लालच आया कि इसी एजेंडे को आगे बढ़ाकर और अधिक कामयाबी हासिल की जा सकती है। इसलिए वह अन्य स्थानों के संबंध में ऐसे ही दावे करती रही और न्यायपालिका 1991 के अधिनियम को नजरअंदाज करते हुए इन दावों के संबंध में जांच-पड़ताल करने का आदेश देती रही जिससे ध्रुवीकरण बढ़ा और हिन्दू राष्ट्रवादियों को जबरदस्त फायदा हुआ। हिन्दू दक्षिणपंथी विचारकों के उर्वर दिमागों में अब एक विश्वविद्यालय को निशाना बनाने का विचार आया है। इस प्रस्तावित तोड़फोड़ से एक अतिरिक्त उद्धेश्य की पूर्ति होगी- वह है मुसलमानों को बदनाम करना और उसके साथ ही अल्पसंख्यक समुदाय को शिक्षा से महरूम करना, जिसकी उन्हें सख्त जरूरत है।

इसी तर्ज पर सहारनपुर की एक बहुत पुरानी छोटी सी मस्जिद को भी नोटिस जारी कर इस आधार पर हटाए जाने को कहा गया है कि उसके निर्माण के लिए जितनी अनुमतियां ली जानीं थीं, वे नहीं लीं गईं। हिन्दू दक्षिणपंथियों की नजरों में प्रतिकूल कब्जे का कानून मुसलमानों पर लागू नहीं होता। इसलिए येन केन प्रकारेण मुस्लिमों के निमार्णों को गैरकानूनी साबित करके उन्हें तुड़वाने का प्रयास निरंतर जारी रहता है। बुलडोजरों का मनमाना उपयोग कर समाज के कुछ वर्गों में अपनी लोकप्रियता बढ़ाना, मुसलमानों को अलग-थलग करने का एक अन्य तरीका है। लगता है तोड़फोड़ करना उनका ह्यराष्ट्रनिर्माणह्य का तरीका है। भवनों को इस तरह गिराए जाने से समाज की संपदा की कितनी जबरदस्त हानि होती है, इसकी आरएसएस-भाजपा को रत्ती भर परवाह नहीं है।

आजादी के बाद राष्ट्रनिर्माण के मायने बिल्कुल अलग थे। भारत के पहले प्रधानमंत्री का नजरिया था कि आईआईटी, एम्स, सार्वजनिक क्षेत्र के कल-कारखानों और सिंचाई की सुविधाओं के निर्माण की अधोसंरचना बनाकर ही हम देश में व्याप्त अभावों से कुछ हद तक छुटकारा पा सकते हैं। ऐसा लगता है कि हिन्दू दक्षिणपंथ के उभार के साथ ही हमारा रास्ता बदल गया है और अब हम मस्जिदों के नीचे मंदिर खोजने और मुस्लिमों के निमार्णों को गैर-कानूनी साबित करने में जुटे हुए हैं जिससे एक पार्टी को राजनैतिक लाभ मिलता है और समाज में ध्रुवीकरण और नफरत बढ़ती है।

क्या हमें सद्बुद्धि आएगी? क्या हम दुबारा संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप राष्ट्रनिर्माण के मार्ग पर चलना शुरू करेंगे? क्या हम बुलडोजर कार्यवाहियों और छोटी-मोटी बातों को तूल देकर मुसलमानों के निमार्णों के गैरकानूनी होने के दावे करने से बाज आएंगे?

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

यौन उत्पीड़न में आईसीसी के मुख्य अभियोजक पद से हटाए गए

वाशिंगटन, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) के सदस्य देशों ने शुक्रवार को मुख्य अभियोजक करीम खान को पद से हटाने के लिए मतदान किया। आईसीसी के 125 सदस्य देशों ने महिला सहायक से यौन उत्पीड़न के दोषी करीम खान को हटाया। यह पहला मौका है, जब किसी मुख्य अभियोजक को निकाला गया है। 56 वर्षीय खान ने आरोप का लगातार खंडन किया है। अदालत की निगरानी संस्था ने अपनी रिपोर्ट में खान को गंभीर दुराचार का दोषी पाया था। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि अमेरिका आईसीसी को खत्म करने के लिए अभियान चला रहा है।

रंगभेद विरोधी योद्धा शांति नायडू का 91 वर्ष की आयु में दक्षिण अफ्रीका में निधन

केप टाउन , एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका की स्वतंत्रता सेनानी और रंगभेद विरोधी कार्यकर्ता शांति नायडू का शुक्रवार को 91 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वह महात्मा गांधी के सहयोगी थम्बी नायडू की पोती थीं। 6 मार्च 1935 को प्रिटोरिया में जन्मीं शांति नायडू ने ट्रांसवाल इंडियन यूथ कांग्रेस और एएनसी के माध्यम से स्वतंत्रता संग्राम में भाग लिया। रंगभेद के दौर में उन्होंने 371 दिनों की एकांत कैद और प्रताड़ना सही, लेकिन विनी मडिकीजेला-मंडेला समेत अपने साथियों के खिलाफ गवाही देने से इन्कार कर दिया। उनका परिवार दक्षिण अफ्रीका में भारतीय समुदाय और स्वतंत्रता संग्राम का प्रमुख केंद्र रहा था।

वेस्ट बैंक में भीषण गोलीबारी, चार फलस्तीनियों और एक इस्राइली की मौत, कई घायल

नाबलुस , एजेंसी। उत्तरी वेस्ट बैंक में नाबलुस शहर के पास हुई गोलीबारी में चार फलस्तीनियों और एक इस्राइली नागरिक की मौत हो गई। फलस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, चारों फलस्तीनियों को इस्राइली बलों ने मार गिराया। वहीं कई लोग घायल हुए हैं, जिनमें से तीन फलस्तीनियों की स्थिति गंभीर बनी हुई है। इस्राइली सेना के मुताबिक, हवात गिलाद बस्ती के पास घूम रहे नागरिकों पर हुए हमले की सूचना के बाद सैनिकों ने यह कार्रवाई की। घटना के बाद इस्राइली सेना ने नाबलुस और आसपास के क्षेत्रों की घेराबंदी कर दी है तथा दो घायल इस्राइलियों को एयरलिफ्ट किया गया है।

सिएटल में 11 लोगों को ले जा रहा सीप्लेन दुर्घटनाग्रस्त, सभी सुरक्षित बचाए गए

सिएटल , एजेंसी। अमेरिका में सिएटल के उत्तर में स्थित सुशिया द्वीप के पास 11 लोगों को ले जा रहा एक सीप्लेन दुर्घटनाग्रस्त होकर आग की चपेट में आ गया। विमान में एक पायलट और 10 यात्री सवार थे। तत्काल चलाए गए बचाव अभियान में सभी को सुरक्षित निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। यह डी हैविलैंड डीएचसी-3 ओटर विमान सिएटल के लेक यूनियन से सैन जुआन द्वीप जा रहा था। विमान चट्टानी तट से टकराकर आंशिक रूप से पानी में डूब गया। केनमोर एयर के सीईओ डेविड गजेल ने हादसे पर दुख जताते हुए शुक्रवार की सभी उड़ानें रद्द कर दी हैं। एफएए ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

कैलिफोर्निया का दिवाली अवकाश कानून विवाद में

सैक्रामेंटो , एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया में दिवाली को आधिकारिक राज्य अवकाश घोषित करने वाला कानून कानूनी चुनौती का सामना कर रहा है। कैलिफोर्निया की सुपीरियर कोर्ट के न्यायाधीश स्टीफन अक्विस्टो ने कहा कि राज्य विधानसभा द्वारा पारित एबी 268 कानून संघीय और राज्य संविधान के कई प्रावधानों का उल्लंघन करता है, क्योंकि इसमें दिवाली को उसके धार्मिक महत्व के आधार पर विशेष दर्जा दिया गया है और इसके पीछे पर्याप्त धर्मनिरपेक्ष आधार नहीं बताया गया। यह फैसला सैन फ्रांसिस्को टैक्सपेयर्स एसोसिएशन की याचिका पर सुनाया गया। हालांकि अदालत ने स्पष्ट किया कि उसका फैसला केवल एबी 268 की संवैधानिक वैधता तक सीमित है और भविष्य में संवैधानिक आधारों पर दिवाली को राज्य अवकाश घोषित करने का रास्ता बंद नहीं करता।

कनाडा में पंजाब की छात्रा की गला घोंटकर हत्या, लिव-इन पार्टनर गिरफ्तार

एडमंटन , एजेंसी। कनाडा के एडमंटन शहर में पंजाब की 23 साल की छात्रा दमनप्रीत कौर की गला घोंटकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने इस मामले में उनके 22 साल के भारतीय लिव-इन पार्टनर रितिश कुमार को गिरफ्तार किया है। दमनप्रीत पंजाब के लुधियाना जिले के समराला की रहने वाली थीं। वह स्टूडेंट वीजा पर करीब 5 साल पहले कनाडा गई थीं। एडमंटन पुलिस के मुताबिक, 9 जुलाई को उन्हें एक घर में गंभीर हालत में पाया गया था। अस्पताल में इलाज के दौरान 12 जुलाई को उनकी मौत हो गई।

बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने दिया इस्तीफा, शेख हसीना के पूर्व सहयोगी थे

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने अपने कार्यकाल के खत्म होने से दो साल पहले ही शुक्रवार को इस्तीफा दे दिया. शहाबुद्दीन अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के पूर्व सहयोगी थे. 'द डेली स्टार' अखबार के मुताबिक, 76 वर्षीय नेता ने अपने इस्तीफे की वजह के बारे में पूछे गए एक प्रश्न के जवाब में कहा, ''मैं स्वास्थ्य संबंधी कई दिक्कतों से जूझ रहा हूं.'' वहीं राष्ट्रपति भवन 'बंगभवन' के एक प्रवक्ता ने न्यूज एजेंसी पीटीआई को बताया कि शहाबुद्दीन के प्रतिनिधि उनका त्यागपत्र लेकर संसद के लिए निकल चुके हैं. त्यागपत्र संसद के अध्यक्ष हफीजुद्दीन अहमद को सौंपा दिया जाएगा, जो बांग्लादेश के संविधान के मुताबिक नए राष्ट्रपति के चुने जाने तक कार्यवाहक राष्ट्रपति के तौर पर काम संभालेंगे. साथ ही प्रवक्ता ने कहा, ''जब तक संसद के अध्यक्ष को त्यागपत्र नहीं मिल जाता, मैं इस्तीफे पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं कर सकता. वर्ष 1971 के मुक्ति संग्राम में भूमिका निभाने के अलावा और निचली अदालत के न्यायाधीश रहे शहाबुद्दीन ने अप्रैल 2023 में पांच साल के कार्यकाल के लिए राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली थी. उनको देश की पिछली संसद ने सर्वोच्च पद के लिए चुना था और वह एकमात्र ऐसे व्यक्ति थे, जो जुलाई-अगस्त 2024 में छात्रों के हिंसक विरोध-प्रदर्शनों के बाद भी अपने संवैधानिक पद पर बने हुए थे. हालांकि इन विरोध-प्रदर्शनों के बाद हसीना की अवामी लीग सरकार गिर गई थी. वहीं हसीना भारत चली गई थीं और पांच अगस्त 2024 से वहीं रह रही हैं.

कौन बनेगा बांग्लादेश के अगला राष्ट्रपति : मोहम्मद शहाबुद्दीन के इस्तीफे के बाद अटकलें हैं कि कैबिनेट सचिव नसीमुल गनी बांग्लादेश के नए राष्ट्रपति बन सकते हैं. उनका नाम शीर्ष संभावित उत्तराधिकारी के रूप में सामने आ रहा है. हाल में ही ब्रिटेन में रहने वाले बांग्लादेशी पत्रकार जुल्करनैन साएर ने सोशल मीडिया पर दावा किया था कि राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन इस्तीफा दे सकते हैं और सरकार मौजूदा कैबिनेट सचिव नसीमुल गनी को उत्तराधिकारी नामित कर सकती है.

हसीना के देश छोड़ने के बाद भी पद नहीं छोड़ा था : मोहम्मद शहाबुद्दीन ने अप्रैल 2023 में राष्ट्रपति पद संभाला था। जुलाई-अगस्त 2024 में हुए छात्र आंदोलन के बाद अवामी लीग सरकार सत्ता से बाहर हो गई थी। उस आंदोलन के कारण तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को देश छोड़ना पड़ा था। इसके बाद शहाबुद्दीन ही अवामी लीग सरकार के दौर के एकमात्र संवैधानिक पदाधिकारी थे, जो 2 साल बाद भी पद पर बने हुए थे।

लंदन दौरे पर शेख हसीना से बातचीत का आरोप : वह 9 मई को इलाज के लिए लंदन गए थे और 18 मई को ढाका लौटे थे। बांग्लादेशी समाचार पत्रों की रिपोर्टों में सूत्रों के हवाले से बताया गया था कि इस यात्रा के दौरान राष्ट्रपति ने

भारत में रह रहीं पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना से फोन पर बातचीत की थी। जैसे ही इस बातचीत की भनक बीएनपी के शीर्ष नेतृत्व को लगी, उन्होंने इसे बहुत गंभीरता से लिया। इसके बाद राष्ट्रपति तक यह मैसेज पहुंचाया कि शेख हसीना से संपर्क साधना या बातचीत करना मौजूदा राजनीतिक माहौल में स्वीकार्य नहीं है और उन्हें अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। अखबार प्रोथोम आलो ने भी सरकार के एक सीनियर अधिकारी के हवाले से बताया कि सरकार इस बात से नाराज है कि राष्ट्रपति ने हाल ही में शेख हसीना से दोबारा संपर्क करने की कोशिश की थी।

'शेख हसीना के ऐलान की वजह से कुर्सी गई' : शहाबुद्दीन का इस्तीफा ऐसे समय आया है, जब पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कुछ दिन पहले रॉयटर्स से कहा था कि वह भारत में निर्वासन खत्म कर बांग्लादेश लौटेंगी और अदालत में चल रही कानूनी कार्रवाई का सामना करेंगी। शेख हसीना के इस ऐलान के बाद सत्तारूढ़ बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के नेताओं ने राष्ट्रपति शहाबुद्दीन पर पद छोड़ने का दबाव बढ़ा दिया। द डेली स्टार ने बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के एक सीनियर नेता के हवाले से बताया कि शेख हसीना के ऐलान के बाद देश का राजनीतिक माहौल और ज्यादा संवेदनशील हो गया। अगर शेख हसीना की वापसी के दौरान राष्ट्रपति अपने पद पर बने रहते तो वे उनके फायदे के लिए कदम उठा सकते थे और किसी फैसले को प्रभावित करने की कोशिश कर सकते थे। अगर कोई संवैधानिक विवाद पैदा होता, तो वह उसे संभालने में भूमिका निभा सकते थे। यही वजह रही कि उन पर इस्तीफे का दबाव ज्यादा बढ़ गया।

अब स्पीकर राष्ट्रपति की जिम्मेदारी निभाएंगे : बांग्लादेश के संविधान के अनुच्छेद 54 के मुताबिक, नए राष्ट्रपति के चुने जाने तक संसद के स्पीकर हाफिज उद्दीन अहमद कार्यवाहक राष्ट्रपति की जिम्मेदारी संभालेंगे। इसके बाद संसद को 90 दिनों के भीतर नया राष्ट्रपति चुनना होगा, जो मौजूदा कार्यकाल का बाकी समय पूरा करेगा।

मोहम्मद शहाबुद्दीन का कार्यकाल अप्रैल 2028 तक चलना था। स्पीकर हाफिज उद्दीन अहमद 19 जुलाई को इलाज के लिए थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक गए थे। उनकी वापसी रविवार को तय थी, लेकिन उन्होंने अपना दौरा बीच में ही खत्म कर दो दिन पहले ढाका लौटने का फैसला किया। ढाका हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा था कि विदेश में होने के कारण उन्हें राष्ट्रपति के इस्तीफे के फैसले की जानकारी नहीं थी।

आसिम मुनीर ने चुन लिया अपना उत्तराधिकारी! बनाया पाकिस्तान का पहला फोर-स्टार जनरल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने लेफ्टिनेंट जनरल आमेर रजा को प्रमोट कर फोर-स्टार जनरल बनाने का ऐलान किया है। इसके साथ ही उन्हें देश का पहला कमांडर, नेशनल स्ट्रेटेजिक कमांड नियुक्त किया गया है। यह पाकिस्तान की सैन्य व्यवस्था में नया और बेहद अहम पद माना जा रहा है। इस नियुक्ति के बाद आमेर रजा को सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर के बाद सबसे प्रभावशाली सैन्य अधिकारियों में गिना जा रहा है।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने शुक्रवार को जारी बयान में बताया कि आमेर रजा को फोर-स्टार जनरल के पद पर पदोन्नत किया गया है। वह पहले से नेशनल कमांड अथॉरिटी के तहत नेशनल स्ट्रेटेजिक कमांड की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। अब उन्हें आधिकारिक रूप से इस नए सैन्य कमांड का पहला प्रमुख बनाया गया है। उन्हें पहले हिलाल-ए-इम्तियाज (सैन्य) और सितारा-ए-बसालात जैसे सम्मान भी मिल चुके हैं। रजा को फोर-स्टार जनरल बनाए जाने के बाद सोशल मीडिया में दावा किया जा रहा है कि वो आगे चलकर आसिम मुनीर की जगह लेंगे।

सेना में काम करने का लंबा अनुभव : आमेर रजा का सैन्य करियर तीन दशक से ज्यादा लंबा रहा है। वह 1988 में {th लांसर्स रेजिमेंट में कमीशन हुए थे। इसके बाद उन्होंने 41वें चीफ ऑफ जनरल स्टाफ,4 कोर के कमांडर और हैवी इंडस्ट्रीज टैक्सिला के चेयरमैन जैसे महत्वपूर्ण पदों पर काम किया। उन्होंने दक्षिण वजीरिस्तान में इन्फैंट्री ब्रिगेड, एक

आर्मर्ड ब्रिगेड और इन्फैंट्री डिवीजन की भी कमान संभाली है। आमेर रजा ने कमांड एंड स्टाफ कॉलेज, क्वेटा और नेशनल डिफेंस यूनिवर्सिटी, इस्लामाबाद से सैन्य शिक्षा प्राप्त की है। उनके पास यूनिवर्सिटी ऑफ नॉटिंघम से इंटरनेशनल रिलेशंस की डिग्री भी है। इसके अलावा उन्होंने डिफेंस एंड स्ट्रैटेजिक स्टडीज और आर्ट्स एंड साइंस ऑफ वॉरफेयर में मास्टर डिग्री हासिल की है। उनके अनुभव और शैक्षणिक पृष्ठभूमि को इस नियुक्ति की बड़ी वजह माना जा रहा है।

नेशनल स्ट्रेटेजिक कमांड में कर चुके हैं काम : हालिया संवैधानिक संशोधनों के बाद चेयरमैन ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी का पद समाप्त कर नेशनल स्ट्रेटेजिक कमांड बनाया गया है। यह कमांड नेशनल कमांड अथॉरिटी के अधीन काम करेगी और पाकिस्तान की रणनीतिक संपत्तियों तथा परमाणु हथियारों के प्रबंधन की जिम्मेदारी संभालेगी। नेशनल कमांड अथॉरिटी की स्थापना 2 फरवरी 2000 को हुई थी, जबकि यह नया सैन्य पद 2025-26 के रक्षा सुधारों के तहत बनाया गया है।

पाकिस्तान में आत्मघाती हमला, टैंक जिले में 12 सैनिकों समेत 15 की मौत, 12 आतंकी ढेर

इस्लामाबाद, एजेंसी। उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान में आतंकवादियों ने एक बहुत ही बड़ा और खौफनाक आत्मघाती हमला किया है। आतंकियों ने विस्फोटकों से भरी एक गाड़ी को सीधे एक सुरक्षा चौकी से ले जाकर टकरा दिया। इस भयानक हमले में 12 सैनिकों समेत कुल 15 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है। यह हमला टैंक जिले में हुआ है जो लंबे समय से इस्लामी आतंकवादियों का एक बहुत बड़ा गढ़ रहा है। पाकिस्तानी सेना के अनुसार यह हमला गुरुवार और शुक्रवार की दरमियानी रात अफगानिस्तान की सीमा के पास हुआ। जवाबी कार्रवाई में सुरक्षाबलों ने भी 12 आतंकवादियों को मौके पर ही ढेर कर दिया है। जब आतंकवादी चौकी की सुरक्षा को भेदने में नाकाम रहे तो उन्होंने विस्फोटक भरी गाड़ी दीवार से टकरा दी। इस भीषण हमले के बाद पूरे इलाके में भारी दहशत का माहौल है और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। स्थानीय आतंकवादी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान ने इस बड़े आत्मघाती हमले की जिम्मेदारी ली है। संगठन ने एक बयान जारी करके यह दावा किया है कि इस हमले में उनके 4 आत्मघाती हमलावर शामिल थे। टीटीपी लंबे समय से पाकिस्तानी सरकार के खिलाफ अपनी हिंसक लड़ाई लड़ रहा है और लगातार हमले कर रहा है। उनका मुख्य उद्देश्य सरकार को उखाड़ फेंकना और देश में अपना इस्लामी कानून लागू करना है। पाकिस्तान सरकार लंबे समय से आरोप लगाती आ रही है कि आतंकी अफगानिस्तान में मौजूद सुरक्षित ठिकानों का इस्तेमाल करते हैं। उनका कहना है कि आतंकी वहां ट्रेनिंग लेते हैं और पाकिस्तान में बड़े हमलों की योजना आसानी से बनाते हैं। दूसरी तरफ अफगानिस्तान की सरकार इन सभी आरोपों से हमेशा पूरी तरह से इनकार करती रही है। अफगानिस्तान का स्पष्ट कहना है कि आतंकवाद पूरी तरह से पाकिस्तान की अपनी घरेलू और आंतरिक समस्या है। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान साल 2007 से ही पाकिस्तानी सरकार के खिलाफ बहुत ही भारी विद्रोह कर रहा है। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में हाल के कुछ महीनों में इन आतंकी गतिविधियों के मामले काफी ज्यादा बढ़े हैं। सेना और पुलिस इस संयुक्त चौकी पर मिलकर काम कर रहे थे।

सऊदी प्रिंस की लंदन में ड्रग्स-शराब के ओवरडोज से हुई थी मौत! ब्रिटिश कोर्ट का बड़ा फैसला

लंदन, एजेंसी। लंदन में 29 वर्षीय सऊदी प्रिंस अब्दुल्ला बिन फहद बिन अब्दुल्ला बिन अब्दुलअजीज बिन जलावी अल सऊद की हुई मौत के रहस्यों पर से पूरी तरह पर्दा उठ गया है. ब्रिटिश अदालत की कानूनी सुनवाई में यह साफ हो गया है कि प्रिंस की जान किसी आपराधिक साजिश या आत्महत्या की वजह से नहीं, बल्कि विभिन्न नशीले पदार्थों और अत्यधिक शराब के एक साथ सेवन के कारण हुए घातक हादसे में गई थी.

होटल के बाथरूम में मिला था शव : यह पूरी घटना 25 नवंबर 2025 की है. प्रिंस अब्दुल्ला वेस्ट लंदन के केंसिंग्टन इलाके में स्थित प्रसिद्ध मैरियट होटल के एक महंगे सुइट में ठहरे हुए थे. सफाई कर्मचारी जब अंदर दाखिल हुआ तो वहां का नजारा बेहद चौंकाने वाला था. प्रिंस अपने बंद बाथरूम के फर्श पर अचेत अवस्था में पड़े हुए थे. होटल

प्रबंधन ने तत्काल सुरक्षाकर्मियों और पैरामेडिक्स को मौके पर बुलाया. डॉक्टरों ने उन्हें होश में लाने के कई प्रयास किए, लेकिन तब तक उनका निधन हो चुका था.

रिपोर्ट में चौंकाने वाले तथ्य : इनर वेस्ट लंदन कोरोनर कोर्ट में पेश की गई मेडिकल और टॉक्सिकोलॉजी (विष विज्ञान) रिपोर्ट के मुताबिक, प्रिंस की मौत का मुख्य कारण गंभीर रूप से 'कार्डियक अरेस्ट' था, जो शरीर के भीतर पहुंचे खतरनाक रसायनों के मिश्रण की वजह से हुआ. प्रिंस के खून में अल्कोहल की मात्रा बहुत अधिक पाई गई, जो ब्रिटेन में कानूनी रूप से निर्धारित ड्राइविंग सीमा से कई गुना अधिक थी. उनके शरीर से कुछ प्रतिबंधित नशीले पदार्थों के अंश बरामद हुए. प्रिंस कुछ तनाव और अवसाद रोधी दवाओं का भी सेवन कर रहे थे, जिनका स्तर शरीर में खतरनाक पाया गया।

रिहैब सेंटर में चला था इलाज : अदालत को दी गई जानकारी के अनुसार, सऊदी शाही परिवार के सदस्य प्रिंस अब्दुल्ला लंबे समय से शराब और दवाओं की लत से जूझ रहे थे. अपनी मौत से करीब तीन महीने पहले, उन्होंने लंदन के 'प्रायरी क्लिनिक' और मर्सिसाइड स्थित 'रेनफोर्ड हॉल' नामक निजी नशामुक्ति केंद्रों में समय बिताया था. जहां उनका डिटॉक्सीफिकेशन इलाज भी हुआ था। 19 नवंबर को वे अस्पताल से छुट्टी पाकर एक सप्ताह के लिए इस होटल में रहने आए थे. घटना की पूर्व संध्या पर उन्हें सीसीटीवी में अकेले बाहर सिगरेट पीते हुए देखा गया था और कमरे में उनके अलावा किसी दूसरे व्यक्ति की मौजूदगी के सबूत नहीं मिले।

अदालत का अंतिम निष्कर्ष : असिस्टेंट कोरोनर जीन हार्किन ने मामले की गहराई से समीक्षा करने के बाद इस मौत को 'मिसएडवेंचर' (दुर्घटनावश हुई मौत) के रूप में दर्ज किया है. अदालत ने पूरी तरह स्पष्ट किया कि कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला और न ही प्रिंस ने किसी से अपनी जान लेने की बात कही थी, जिससे आत्महत्या की संभावना खारिज होती है।

नेपाली प्रधानमंत्री की तानाशाही! बालेन शाह सरकार पर सुप्रीम कोर्ट के 3 जजों को धमकाने का आरोप

काठमांडू, एजेंसी। बालेन शाह ने जब से नेपाल के प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ ली है, उनके फैसलों को लेकर कई बार विवाद हो चुका है। इसी बीच नेपाली प्रधानमंत्री एक बार फिर विवादों में फंसते नजर आ रहे हैं। उन पर न्यायपालिका में राजनीतिक दखल बढ़ाने के आरोप लगे हैं। इसके चलते बालेन शाह की न सिर्फ नेपाल में बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। एमनेस्टी इंटरनेशनल, ह्यूमन राइट्स वॉच और इंटरनेशनल कमीशन ऑफ जूरिस्ट्स ने संयुक्त बयान जारी कर कहा कि नेपाल सरकार के हालिया फैसले अदालतों की स्वतंत्रता को कमजोर कर सकते हैं। संगठनों का कहना है कि यदि न्यायपालिका पर राजनीतिक प्रभाव बढ़ा तो कानून का शासन और लोकतांत्रिक व्यवस्था दोनों प्रभावित हो सकते हैं।

कॉन्स्टिट्यूशनल काउंसिल एक्ट संशोधन पर आपत्ति : मानवाधिकार संगठनों ने सरकार द्वारा कार्यकारी आदेश (ऑर्डिनेंस) के जरिए 'कॉन्स्टिट्यूशनल काउंसिल एक्ट' में किए गए संशोधन पर भी आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि इतने महत्वपूर्ण कानून में संसद के बजाय ऑर्डिनेंस से बदलाव करना संवैधानिक मूल्यों के खिलाफ है। इससे मुख्य न्यायाधीश सहित कई अहम संवैधानिक पदों पर नियुक्तियों की निष्पक्षता पर सवाल खड़े हो गए हैं। द काठमांडू पोस्ट के मुताबिक, संशोधन के बाद संवैधानिक परिषद के कोरम और वोटिंग से जुड़े नियम बदल दिए गए हैं। यही परिषद मुख्य न्यायाधीश और अन्य संवैधानिक अधिकारियों की नियुक्ति की सिफारिश करती है। मानवाधिकार संगठनों का कहना है कि परिषद में पहले से ही सरकार का बहुमत है, इसलिए नए नियम न्यायिक नियुक्तियों पर राजनीतिक प्रभाव बढ़ा सकते हैं।

मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति पर विवाद : संगठनों ने मनोज कुमार शर्मा को मुख्य न्यायाधीश बनाए जाने पर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि नेपाल में लंबे समय से सबसे वरिष्ठ कार्यरत न्यायाधीश को मुख्य न्यायाधीश बनाने की परंपरा रही है। लेकिन इस बार उस परंपरा का पालन नहीं किया गया। साथ ही, उनके नामांकन के खिलाफ दर्ज शिकायतों की सार्वजनिक और निष्पक्ष जांच भी नहीं कराई गई। जबकि मनोज कुमार से सीनियर जज पहले से मौजूद हैं।

नेपाल के संविधान के अनुसार, किसी जज के खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया शुरू होते ही वह स्वतः निलंबित हो जाता है, जब तक संसद अंतिम फैसला नहीं ले लेती। मानवाधिकार संगठनों ने चेतावनी दी है कि यदि सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ जजों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई होती है, तो अदालत के कामकाज पर गंभीर असर पड़ सकता है। खासकर तब, जब सुप्रीम कोर्ट सरकार के फैसलों और संवैधानिक मामलों से जुड़ी महत्वपूर्ण याचिकाओं की सुनवाई कर रहा है।

स्पेसएक्स ने स्टारशिप की 13वीं परीक्षण उड़ान सफलतापूर्वक पूरी की, पहली बार छोड़े इतने स्टारलिंक उपग्रह

केप कैनावेरल , एजेंसी। अरबपति बिजनेसमैन एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने शुक्रवार को दुनिया के सबसे बड़े और सबसे शक्तिशाली रॉकेट स्टारशिप की 13वीं परीक्षण उड़ान सफलतापूर्वक पूरी की। इस मिशन में पहली बार कंपनी ने अपने सबसे उन्नत 20 स्टारलिंक इंटरनेट उपग्रह अंतरिक्ष में तैनात किए। यह मिशन नासा के लिए भी बेहद अहम माना जा रहा है, क्योंकि भविष्य में इसी स्टारशिप का इस्तेमाल आर्टेमिस-III मिशन के तहत अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा पर उतारने के लिए किया जाना है। 407 फीट (124 मीटर) ऊंचे स्टारशिप ने टेक्सास के दक्षिणी छोर पर स्थित स्पेसएक्स के स्टारबेस लॉन्च साइट से उड़ान भरी। पिछले सप्ताह इंजन में आई तकनीकी समस्या के कारण लॉन्च अंतिम क्षणों में रोकना पड़ा था। इस बार उड़ान की शुरुआत सफल रही और सभी इंजन सही तरीके से चालू हुए। हालांकि, रॉकेट के पहले चरण (बूस्टर) की वापसी के दौरान सभी इंजन दोबारा चालू नहीं हो सके। इसके कारण बूस्टर नियंत्रित तरीके से लौटने के बजाय तेज गति से नीचे आया और मैक्सिको की खाड़ी में गिर गया। इसके बावजूद मिशन का मुख्य हिस्सा पूरी तरह सफल रहा।

भारतीय महासागर में सुरक्षित उतरा स्टारशिप : बूस्टर से अलग होने के बाद स्टारशिप अंतरिक्ष की ओर बढ़ता रहा और लगभग 200 किलोमीटर की ऊंचाई पर एक-एक करके 20 उन्नत स्टारलिंक उपग्रहों को अंतरिक्ष में छोड़ा। करीब एक घंटे की उड़ान के बाद स्टारशिप ने भारतीय महासागर में स्प्लैशडाउन किया। यह इतनी सफल रही कि यान कुछ समय तक पानी की सतह पर तैरता भी रहा। स्पेसएक्स के कर्मचारियों ने इस सफलता पर खुशी जताई। नए लॉन्च किए गए स्टारलिंक उपग्रहों ने अंतरिक्ष में पहले से मौजूद स्टारलिंक उपग्रहों से लेजर तकनीक के जरिए सफल संपर्क स्थापित किया। फिलहाल स्पेसएक्स के 10,000 से अधिक स्टारलिंक उपग्रह दुनिया भर में इंटरनेट सेवा दे रहे हैं, जिससे यह दुनिया का सबसे बड़ा उपग्रह नेटवर्क बन गया है। इस मिशन में छह नए स्टारलिंक उपग्रहों पर कैमरे लगाए गए थे, जिन्होंने उड़ान के अंत में स्टारशिप की हीट शील्ड की तस्वीरें भेजीं। वैज्ञानिकों ने हीट शील्ड पर सेंसर भी लगाए थे, ताकि पृथ्वी के वायुमंडल में दोबारा प्रवेश के दौरान उस पर पड़ने वाले अत्यधिक दबाव और तापमान का अध्ययन किया जा सके। कुछ टाइलों को जानबूझकर सफेद रंग से रंगा गया था, ताकि यह जांचा जा सके कि कुछ टाइलें खराब होने की स्थिति में भी हीट शील्ड कितनी सुरक्षित रहती है। स्पेसएक्स की इंजीनियर केट टाइस ने इसे 'लकी फ्लाइट 13' बताते हुए कहा कि कंपनी इस मिशन के नतीजों से बेहद उत्साहित है। नासा चाहता है कि स्टारशिप जल्द पूरी तरह परीक्षण पूरा कर कक्षा में नियमित उड़ान भरने के लिए तैयार हो जाए। इसके बाद आर्टेमिस-III मिशन के तहत तीन अमेरिकी और एक इतालवी अंतरिक्ष यात्री चंद्रमा की यात्रा से पहले अपने कैप्सूल को स्टारशिप से डॉकिंग का अभ्यास करेंगे।

अमेरिका चीन के साथ एआई साइंस की दौड़ में आगे बढ़ रहा

वॉशिंगटन, एजेंसी। ट्रंप प्रशासन ने इस सप्ताह अमेरिका के वैज्ञानिक रिसर्च सिस्टम में बड़े बदलाव का बचाव किया। प्रशासन का तर्क है कि आने वाले दशकों में टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में चीन से आगे रहने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), क्वांटम कंप्यूटिंग और एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग अहम होंगे। इस रणनीति का भारत जैसे अहम सहयोगियों पर भी असर पड़ेगा। साइंस, स्पेस और टेक्नोलॉजी पर बनी हाउस कमेटी के सामने पेश होते हुए व्हाइट हाउस के ऑफिस ऑफ़ साइंस एंड टेक्नोलॉजी पॉलिसी (ओएसटीपी) के डायरेक्टर माइकल क्रैट्सियोस ने 'साइंस का नया सुनहरा दौर' की रूपरेखा पेश की। वहीं, फंडिंग, रिसर्च की प्राथमिकताओं और अमेरिकी साइंस की भविष्य की दिशा को लेकर कानून बनाने वाले नेता पार्टी के आधार पर बंटे हुए दिखे। क्रैट्सियोस ने कानून बनाने वालों से कहा, 'तेजी से बदलती दुनिया में हमारी आर्थिक लीडरशिप और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में हमारे दबदबे को हल्के में नहीं लिया जा सकता। अमेरिका अब अकेला औद्योगिक और वैज्ञानिक सुपरपावर नहीं रहा। अमेरिकी साइंस के सुनहरे दौर की शुरुआत करने के लिए नए फोकस और सुधारों की जरूरत है।'

क्रैटसियोस ने कहा कि उनके ऑफिस की एक रिपोर्ट में फेडरल रिसर्च को अधिक लचीला बनाने, अलग-अलग वैज्ञानिकों की मदद करने, वैज्ञानिक खोज और मैन्युफैक्चरिंग के बीच संबंध मजबूत करने और भविष्य की रिसर्च में एआई को केंद्र में रखने के लिए सुधारों का प्रस्ताव दिया गया है। इसका एक मुख्य हिस्सा प्रशासन का 'जेनेसिस मिशन' है, जिसे क्रैटसियोस ने 'विज्ञान के लिए अमेरिकी एआई का सबसे अहम हिस्सा' बताया। उन्होंने कहा कि 15 से अधिक फेडरल एजेंसियों ने एआई-आधारित वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए 5

अरब डॉलर से ज्यादा की राशि देने का वादा किया है। इन एजेंसियों में ऊर्जा, कृषि, स्वास्थ्य और मानव सेवा विभाग, नासा, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्टैंडर्ड्स एंड टेक्नोलॉजी और अन्य शामिल हैं। रिपब्लिकन सांसदों ने बार-बार इस पहल को चीन के मुकाबले अमेरिका की तकनीकी बढ़त बनाए रखने के लिए जरूरी बताया। समिति के चेयरमैन ब्रायन बैबिन ने चेतावनी दी कि 'चीनी कम्युनिस्ट पार्टी ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को राष्ट्रीय प्राथमिकता बना लिया है और उसी के अनुसार खर्च कर रही है।' उन्होंने यह भी कहा कि बीजिंग अत्याधुनिक रिसर्च हासिल करने के लिए अमेरिकी विश्वविद्यालयों और प्रयोगशालाओं को लगातार निशाना बना रहा है। क्रैटसियोस ने कहा कि वॉशिंगटन को 'इस बात पर अपनी स्पष्ट राय बनानी चाहिए कि अमेरिका के लिए सबसे जरूरी प्राथमिकताएं क्या हैं'। उन्होंने एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग, फ्यूजन एनर्जी और स्पेस टेक्नोलॉजी को ऐसे रणनीतिक सेक्टर बताया जिनमें अमेरिका को अपनी लीडरशिप बनाए रखनी चाहिए। हालांकि, डेमोक्रेट्स ने प्रशासन पर आरोप लगाया कि वह उसी साइंटिफिक इकोसिस्टम को कमजोर कर रहा है जिसे वह मजबूत करने का दावा करता है। रैंकिंग मेंबर जो लोफ़ग्रेन ने तर्क दिया कि ग्रेजुएट एडमिशन में कमी, रिसर्च फंडिंग को लेकर अनिश्चितता और ग्रांट पॉलिसी में प्रस्तावित बदलाव अमेरिकी रिसर्च बेस को कमजोर कर रहे हैं, जबकि चीन साइंस में निवेश बढ़ा रहा है और अमेरिका से रिसर्चर्स को भर्ती कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रशासन के कदम 'चीन को मजबूत कर रहे हैं और साथ ही अमेरिकी रिसर्च सिस्टम को बर्बाद कर रहे हैं।' कई डेमोक्रेटिक सदस्यों ने नेशनल साइंस फ़ाउंडेशन (एनएसएफ) की फंडिंग में प्रस्तावित कटौती, रिसर्च ग्रांट में राजनीतिक दखल और वैज्ञानिक सलाहकार निकायों को हटाने पर सवाल उठाए। क्रैटसियोस ने इस बात से इनकार किया कि व्हाइट हाउस एनएसएफ के अलग-अलग ग्रांट फैसलों में शामिल था। उन्होंने प्रशासन के 'गोल्ड स्टैंडर्ड साइंस' पर जोर देने का बचाव करते हुए कहा कि फेडरल फंडिंग वाली रिसर्च 'दोबारा की जा सकने वाली पारदर्शी' और भरोसेमंद होनी चाहिए।

इस खास वजह से होती है अंगुलियों में सूजन

शरीर के किसी हिस्से में अगर सूजन है तो यह बड़ी परेशानी का संकेत हो सकता है। शरीर के अलग-अलग अंगों में सूजन कई बीमारियों का लक्षण हो सकती है। विभिन्न हिस्सों में सूजन के जरिए ही रोग अपनी उपस्थिति दर्ज करवाते हैं। आमतौर पर पैरों के पंजे या अंगुलियों में सूजन ज्यादा रहती है। इसे चिकित्सा की भाषा में डेक्टलाइटिस कहते हैं।

किसी भी बीमारी या चोट को लेकर मानव शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली प्रतिक्रिया देती है। इसी प्रतिक्रिया के तहत सूजन होती है। सूजन के अलावा दर्द भी हो सकता है या फिर कोई अन्य लक्षण नजर आ सकते हैं। डेक्टलाइटिस एक ऐसी ही सूजन है जो कि अंगुलियों या पैरों के पंजों में होती है और कई स्थिति में पूरे पैर या हाथ पर भी फैल सकती है। इससे अंगुलियां फूल सकती हैं। डेक्टलाइटिस की समस्या किसी प्रतिरक्षा प्रणाली के बदलाव के अलावा संक्रमण का कारण

क्या है इलाज और सावधानियां

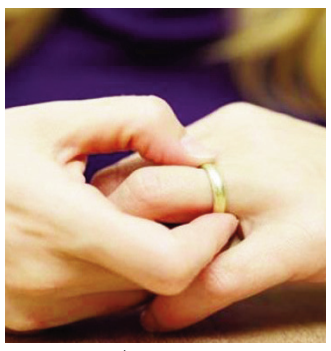

भी हो सकती है। इस स्थिति में प्रतिरक्षा प्रणाली स्वस्थ ऊतकों पर हमला कर देती है। यह किसी ऑटोइम्यून डिसऑर्डर के कारण हो सकता है। कई बार मरीज अंगुलियों में सूजन को नजरअंदाज कर देते हैं और उसे सामान्य समझकर टाल देते हैं। लेकिन ऐसा करने पर यह संक्रमण हड्डियों तक पहुंच जाता है। किसी भी स्थिति में चिकित्सक की सलाह के बिना सूजन उतारने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। आमतौर पर लोग मालिश करने लगते हैं, या लेप लगाने लगते हैं। ऐसी जगहों पर बेवजह दबाव डालने से बचना जरूरी है। इस सूजन के आम कारणों में से एक है सिकल सेल डिसीज। यह लाल रक्त कोशिकाओं से जुड़ी एक जेनेटिक समस्या है। ये कोशिकाएं वैसे तो डिस्क के आकार की होती हैं लेकिन सिकल सेल डिसीज में इसका आकार घुमावदार होता है। बच्चों में खासकर डेक्टलाइटिस के शुरुआती लक्षण के रूप में उभर सकता है। इसके साथ ही दर्द और बुखार की समस्या हो सकती है। यह छह महीने के बच्चे को भी हो सकता है।

टीबी के कारण भी डेक्टलाइटिस की समस्या उभर सकती है। इस स्थिति में फेफड़ों में सूजन आती है लेकिन कई बार हड्डियों में सूजन की वजह भी बन सकता है। इससे अंगुलियां सूज जाती हैं।

सूजन का कारण विशेष प्रकार के आर्थराइटिस के कारण भी हो सकता है

इस रोग के लिए त्वचा संबंधित संक्रमण भी कई बार अंगुलियों में सूजन का कारण बन सकते हैं। यह त्वचा की निचली परत ही नहीं, हड्डियों तक पहुंच जाते हैं। एक अन्य कारण में सारकॉइडोसिस भी शामिल है जो कि एक ऑटोइम्यून डिसीज है। इसके कारण लिवर, दिल, फेफड़ों और अन्य अंगों पर प्रभाव पड़ता है। यह जानलेवा भी हो सकती। हड्डियों के अलावा मांसपेशियां भी प्रभावित हो सकती है। अगुलियों में सूजन का कारण विशेष प्रकार के आर्थराइटिस के कारण भी हो सकता है। यह सराइटिक आर्थराटिस में ज्यादा देखने को मिलता है। इस तरह की सूजन से आर्थराइटिस के निदान में चिकित्सकों को मदद मिलती है। इस बीमारी को लेकर इलाज और सावधानियां समझ लेना जरूरी हैं। इसके लिए दवाइयों के अलावा फिजियोथैरेपी काम आएगी। साथ ही खानपान और लाइफस्टाइल में बदलाव जरूरी है। इस बात का ध्यान रखें कि सूजन किसी बीमारी का संकेत हो सकता है इसलिए नजरअंदाज करने की बजाए डॉक्टर से परामर्श जरूर लेना चाहिए।

रेसिपी

कॉर्न बिरयानी

सामग्री

■ डेढ़ कप कॉर्न ■ 3 कप बासमती चावल ■ लंबाई में कटे हुए 2 बड़े प्याज ■ 3 बारीक कटे टमाटर ■ 2 टीस्पून अदरक-लहसुन का पेस्ट ■ 6 बारीक कटी हरी मिर्च ■ 4 टेबलस्पून तेल ■ 4 टेबलस्पून घी ■ 200 ग्राम दही ■ 750 मिली पानी ■ स्वादानुसार नमक ■ 2 टीस्पून मिर्च पाउडर ■ 1/4 टीस्पून हल्दी पाउडर ■ 1/4 कप बारीक कटा हरा धनिया ■ 1/4 कप मिंट की पत्तियां ■ 2 टुकड़े दालचीनी ■ 5 लौंग ■ 3 इलायची

विधि

आधे घंटे के लिए चावल को पानी में भिगो कर रख दें। पानी निकालने के बाद चावल को अलग रख दें। भारी तले वाले बर्तन में तेल और घी को एक साथ गरम करें। उसमें दालचीनी, इलायची और लौंग को फ्राई करें। उसमें प्याज को भूरा होने तक भूनें। उसके बाद उसमें टमाटर और अदरक-लहसुन का पेस्ट मिलाएं। अब उसमें हरी मिर्च, धनिया और मिंट की पत्तियां डालें। मक्के के दानों के साथ उसमें हल्दी, मिर्च, दही और नमक मिलाकर गाढ़ी ग्रेवी तैयार कर लें। इस ग्रेवी में पानी और चावल मिलाकर प्रेशर कुकर में पका लें। धनिया की पत्तियों से गार्निश कर सर्व करें।

बीमारी के कारण पुरुषों में खुदकुशी का खतरा अधिक

माना जाता है कि शारीरिक रोगों से पुरुषों के मुकाबले महिलाएं अधिक परेशान रहती हैं। लेकिन, एक नए अध्ययन में पता चला है कि शारीरिक बीमारी और चोट से पुरुष अधिक परेशान होते हैं। रोगों के चलते उनमें आत्महत्या करने का खतरा बढ़ जाता है। जबकि महिलाओं के साथ ऐसा नहीं होता। यह अध्ययन जेएएमए साइकाइट्री नामक पत्रिका में प्रकाशित हुआ है। बोस्टन यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के शोधकर्ताओं द्वारा यह अध्ययन किया गया। उन्होंने डेनमार्क के लोगों का डाटा लिया और मशीन लर्निंग सिस्टम से आत्महत्या के जोखिम कारक का पता लगाने के लिए उसका विश्लेषण किया। एपिडेमिओलॉजी के एसोसिएट प्रोफेसर और अध्ययन के लेखक डॉ. जैमी ग्रेडस ने कहा कि आत्महत्या का अनुमान लगाना अविश्वसनीय रूप से चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि प्रत्येक आत्महत्या हर एक के जीवन के अलग-अलग जोखिम कारकों का परिणाम है। डॉ. ग्रेडस और उनके सहयोगियों ने 14,103 उन लोगों के मेडिकल रिकॉर्ड में हजारों कारकों को देखा, जो 1995 से 2015 के बीच डेनमार्क में आत्महत्या से मरे थे।

दिमागी कसरत के लिए खूब पढ़िए किताबें, जानें क्या कहता है शोध

एक अध्ययन में पाया गया है कि किताबें पढ़ना दिमाग के लिए अच्छा होता है। ये आदत दिमाग की कसरत करवाती हैं और मानसिक क्षमता को बढ़ाने का काम करती हैं। यह अध्ययन बर्कले की कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने किया।

शोधकर्ताओं ने कहा कि दिमाग को स्वस्थ बनाए रखने के लिए किताबें पढ़ना जरूरी है। उन्होंने आगे कहा कि ये बात हम पहले से ही जानते हैं कि पढ़ना से बच्चों का विकास होता है। हालांकि उन्होंने शोध में पाया कि जो बच्चे कम उम्र से ही पढ़ना शुरू कर देते हैं, वे बौद्धिक परीक्षणों में बेहतरीन प्रदर्शन करते हैं।

अध्ययन में यह भी पता चला कि पढ़ने से वयस्कों के दिमाग का विकसित होना जारी रहता है। अध्ययन के दौरान, लोगों को पढ़ने के लिए एक किताब दी गई और उनका एमआरआई किया गया। इसमें पता चला कि अलग-अलग तरह की किताबें पढ़ने से मस्तिष्क के विभिन्न हिस्सों का व्यायाम होता है। एक अन्य अध्ययन का कहना है कि जैसे-जैसे आप बड़े होते हैं, वैसे-वैसे पढ़ने से आपकी दिमागी क्षमता कमजोर होने की गति धीमी हो जाती है या फिर रुक जाती है। शोधकर्ताओं ने कहा, किताबों पर अंकित शब्द आपकी मानसिक क्षमता में सुधार कर सकते हैं। शोध के मुताबिक, किताबें केवल आपकी दिमागी क्षमता को ही नहीं बढ़ाती, बल्कि ये आपको एक अच्छा इंसान भी बनाती हैं।शोधकर्ताओं का कहना है कि अधिकतर लोग व्यस्त होने के कारण किताबें नहीं पढ़ पाते। हालांकि, अगर वे किताबें पढ़ने का एक उद्देश्य बना लेंगे तो व्यस्तता में भी समय निकाल सकते हैं। उन्होंने कहा कि लेकिन रोज एक-एक पेज पढ़ने से धीरे-धीरे उनको पूरी किताब पढ़ने की आदत हो जाएगी।

शोध

■ कम उम्र से किताब पढ़ने वाले बच्चों को प्रदर्शन होता है बेहतर।
■ किताबें पढ़ने से मस्तिष्क के हिस्सों का व्यायाम।

रेसिपी

ऑलिव नॉन

सामग्री

■ 300 ग्राम मैदा ■ 100 मिलीलीटर मिल्क ■ 50 मिलीलीटर पानी ■ 50 ग्राम पिघला हुआ बटर, 5 ग्राम नमक ■ 50 ग्राम ग्रीन ऑलिव ■ 30 ग्राम ब्लैक ऑलिव ■ 3 ग्राम ऑरगेनो

विधि

एक बोल में मैदा, नमक, मिल्क, बटर, ऑरगेनो और पानी डालकर अच्छी तरह गूंथे। अब लगभग 60 ग्राम आटा लेकर आटे की बॉल्स तैयार करें और उस पर ऑयल से ब्रेश करें।सभी बॉल्स को ट्रांसपेरेंट प्लास्टिक से रैप करें और फ्रिज में लगभग 7-8 घंटे के लिए रख दें। फ्रिज से बॉल्स निकालकर रूम टेम्प्रेचर पर करीब 40-50 मिनट के लिए रखें। अब एक-एक कर बॉल को बेल लें और नान का शेप दें। ऊपर से बारीक कटे हुए ग्रीन और ब्लैक ऑलिव्स काटकर फैलाएं। गर्म तंदूर में नान को अच्छी तरह सेंक लें। अब तैयार ऑलिव नान पर बटर से ब्रशिंग कर सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): मित्तव्ययता रखें क्योंकि रुपये-पैसों की सुविधा आगे मिले न मिले। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। शुभांक-4-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): निकटस्थ व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-3-5-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। मेहमानों का आगमन होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-5-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): ज्ञानीजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। आध्यात्मिक वातावरण बनेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। यात्रा का योग बन रहा है। शुभांक-2-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): विवादों व मुकदमे बाजी से राहत मिलेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेगें। भावनाओं में न बहें, सावधान रहें। रुका हुआ धन प्राप्त होगा। अवरुद्ध कार्य सम्पन्न होंग। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग है। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। हरि करे सो खरी अत: हानि का कोई भय नहीं, यथावत कार्य जारी रखें। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। मातृ पक्ष से विशेष लाभ। शुभांक-2-4-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): मुंह मांगी मुराद मिलेगी यानि इच्छित फल की प्राप्ति होगी। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। शुभांक-3-5-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। शुभांक-3-6-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। किसी से निकटता प्रेम-प्रसंग में बदलेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-5-8-9

काकुरो पहेली - 5022

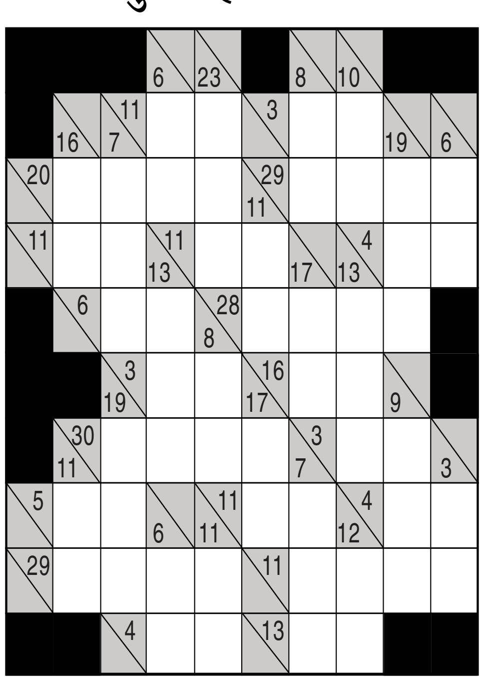

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

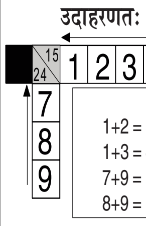

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो 5021 का हल

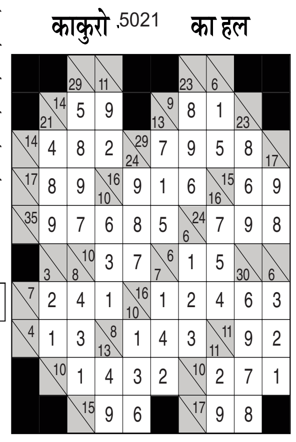

लॉफिंग ज़ोन

एक चोर अदालत में अपनी गवाही देने खुद ही खड़ा हो गया। वहाँ खड़ा होकर जब वह अनाप-शनाप बकने लगा तो न्यायाधिश ने झुँझलाकर कहा- तुमको तो ठीक से झूठ भी नहीं बोलना आता।

चोर- तो मैं क्या करूँ महोदय।

न्यायाधिश- तुम एक वकील को अप्वाइंट क्यों नहीं कर लेते। ताकि तुम आसानी से झूठ बोल सको।

ब्यूटी-क्लीनिक पहुँची एक महिला डॉक्टर से बोली- मेरे चेहरे को और सुंदर बनाने के लिए क्या फीस लगेगी?

डॉक्टर साहब (गंभीर होकर बोले)- पाँच हजार पाँच सौ रुपए।

निराश होकर महिला बोली- इससे सस्ता कोई उपाय नहीं है क्या? सुझाइए न!

डॉक्टर साहन ने सलाह दी- इससे सस्ता उपाय भी है...। आप बस घूँघट काढ़ना शुरू कर दीजिए।

प्रेमी (प्रेमिका से)- क्या तुम जानती हो, संगीत में इतनी शक्ति है कि उससे पानी भी गरम हो सकता है।

प्रेमिका- हाँ हाँ क्यों नहीं! तुम्हारा गाना सुन कर मेरा खून खौल सकता है, तो फिर पानी क्यों नहीं?

फिल्म वर्ग पहेली- 5022

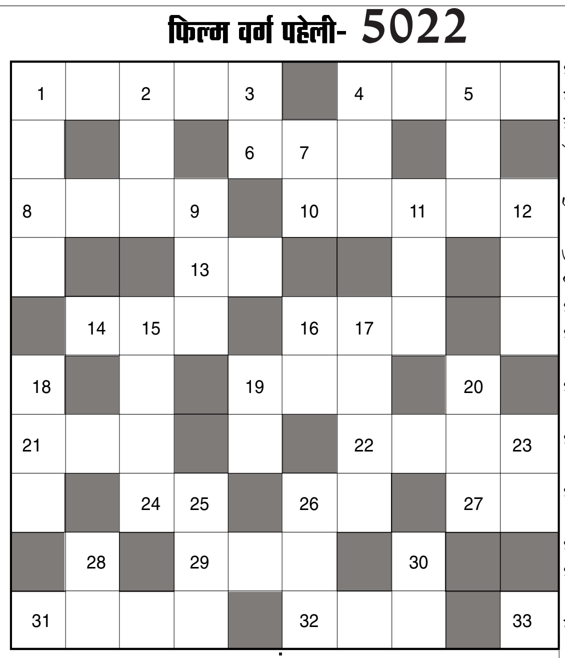

बायें से दायें:-

१. संजीव कुमार, वहीदा रहमान की 'ऐ मेरी आँखों के पहले सपने' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'चलो एक बार फिर से अजनबी बन जायें' गीत वाली फिल्म-४
६. ऋषि, श्रीदेवी की 'भूली बिसरी प्रेम कहानी' गीत वाली फिल्म-३
८. 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
१०. जीतेंद्र, आदित्य, संगीता की १९९३ की एक फिल्म-५
१३. ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
१४. 'किसी को किसी' गीत वाली राजेश खन्ना, स्मिता की फिल्म-३
१६. शाहरूख, पूजा भट्ट, रम्या की फिल्म-३
१९. विवाह से पूर्व टीना अंबानी का सरनेम क्या था-३
२१. अमोल, जरीना की 'दो दीवाने शहर में' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'सरकाय लेओ' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-२,२
२४. अनिल कपूर, अक्षय खन्ना, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२६. 'वो कागज की कश्ती' गीत वाली कुमार गौरव, अनामिका की फिल्म-२
२७. संजय दत्त, कुमार गौरव, पूनम की 'तेरे दिल की तू' गीतवाली फिल्म-२
२९. 'मैं लव तुम से' गीत वाली तुषार कपूर, अंतरा माली की फिल्म-३
३१. सुनील दत्त, नूतन की 'बड़ी देर भई नंदलाला तेरी राह तके ब्रजबाला' गीत वाली फिल्म-४
३२. 'दिल हूम हूम करे' गीत वाली राज बब्बर, राखी, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-३
३३. धर्मेंद्र, हेमा मालिनी की 'ओ ऐसी कोई बात' गीत वाली फिल्म-१

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीप कुमार, वैजयंती की फिल्म-४
२. 'मेरो गाम काथा पारे' गीत वाली फिल्म-३
३. 'सरकी चुनरिया रे' गीत वाली फिल्म-२
४. डिनो मारिया, बिपाशा बसु की 'रूठ कर हम उन्हें भूल जाने लगे' गीत वाली फिल्म-३
५. फिल्म 'आज का अर्जुन' में 'लक्ष्मी' की भूमिका किस अभिनेत्री ने की थी-३
७. राजेंद्र कुमार, माला सिन्हा की फिल्म-२
९. 'मेरे चेहरे पे' गीत वाली फिल्म-३
११. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३
१२. अमोल, राखी की 'जो राह चुनी तूने राही' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'कभी खुशियों की सरगम' गीत वाली अमिताभ, अरबाज, डिम्पल की फिल्म-४
१६. वी. शांताराम की प्रेमकुमार, मास्टर सुशांत, रंजना, गौरी कामथ अभिनीत फिल्म-२
१७. 'प्यार कर इकरार कर' गीत वाली बॉबी देओल, अक्षय, अमीषा की फिल्म-४
१८. अक्षय कमार, प्रीति जिंटा की फिल्म-३
१९. 'लल्ला लल्ला लोरी दूध की' गीत वाली फिल्म-२
२०. फिल्म 'गॉड मदर' में शीर्षक भूमिका किसने निभाई है-३
२३. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
२५. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की फिल्म-३
२६. 'जिन्हें हम भूलना चाहें वो अक्सर याद आते हैं' गीत वाली फिल्म-३
२८. मनोज वाजपेई, उर्मिला मातोंडकर अभिनीत रामगोपाल वर्मा की एक सस्पेंस फिल्म-३
३०. 'माई हार्ट इज बीटिंग गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 5021

सूडोकु -5022

	9				4			
8	4			6		9		5
5		6	8	2		3		
	1	5	6	3			9	7
3	6			9	7	1	4	
		1		4	8	7		6
9		4		7			2	1
			2				8	

■ प्रत्येक पंक्ति में १ से ९ तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं ३×३ के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -5021 हल

8	5	4	7	3	2	6	1	9
6	7	1	9	5	4	3	2	8
2	9	3	8	6	1	7	5	4
4	3	9	2	1	7	8	6	5
5	6	2	3	8	9	4	7	1
7	1	8	6	4	5	9	3	2
3	2	6	5	9	8	1	4	7
9	4	7	1	2	6	5	8	3
1	8	5	4	7	3	2	9	6

शब्द पहेली -5022

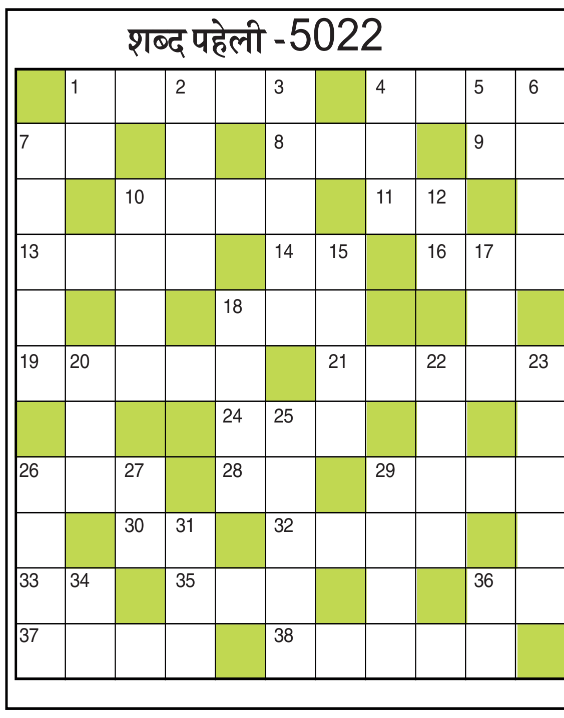

बाएँ से दाएँ

1.फिल्म 'बॉबी' के निर्माता-निर्देशक -2,3
4.आश्चर्य, विलक्षणता-4
7.जीत, फतेह-2
8.आकाश रेखा, छोर-3
9.तल, पैंदा-2
10.थाती, धरोहर-4
11.मोटा आटा-2
13.सलाह, मशवरा-4
14.अन्य, वो, तिन-2
16.घर,गृह-3
18.धावक (अंग्रेजी-3)
19.नाम रखना-2,3
21.परामर्शदाता-5
24.सुनसान, नीरव-3
26.वन, जंगल-3
28.मिट्टी, रेत-2
29.चेतनाहीन-4
30.पराग कण-2
32.भयभीत होना-4
33.छोटी सवारी गाड़ी-2
35.फूलों का हार जो बालों में लगाते हैं,वेणी-3
36.द्वार,किवाड़-2
37.जनता की राय-4
38.नाटक लिखने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.मत, सलाह-2
2.करतब-4
3.वह जंगल जो संरक्षित हो-3,2
4.अनश्वर, चिरयुवा-3
5.लीन, मग्न-2
6.जलाऊ लकड़ी-4
7.रनिवास 3,2
10.मूर्ख (उर्दू-4)
12.बांया-2
15.आनंदित होना-4
17.शत्रुघ्न सिन्हा व रीना राय की फिल्म-3
18.योद्धा-4
20.अमिताभ के तिहरे रोल वाली फिल्म-3
22.मुआवजा-4
23.चित्रपट, फिल्मी दुनिया-3,2
25.राज वंश-2,3
26.काम, कार्य-4
27.मादा का विलोम-2
29.उपद्रव फैलाने वाला-4
31.दुनिया, जहान-3
34.क्रिकेट में बनते हैं-2
36.पंख, पराया-2

शब्द पहेली 5021 का हल

अभिजीत दीपके ने पेपर लीक के खिलाफ युवाओं को जगाने का काम किया : रामदास आठवले

एजेंसी

लखनऊ। रिपब्लिकन पार्टी आफ इण्डिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष व केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री रामदास आठवले ने रविवार को लखनऊ में कहा कि कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने नीट परीक्षा विवाद और पेपर लीक के खिलाफ आन्दोलन कर देश के युवाओं का जगाने का काम किया है। हर शहर में उनके समर्थन में हजारों युवा आए। महाराष्ट्र के हर जिले में बड़ी संख्या में युवाओं ने उनका समर्थन किया। केन्द्रीय मंत्री आठवले ने वीवीआईपी गेस्ट हाउस, लखनऊ में प्रेस कांफ्रेस को संबोधित करते हुए कहा कि युवाओं पर हुए लाठीचार्ज का मैं समर्थन नहीं करता हूँ, लेकिन इस आन्दोलन को राजनैतिक रूप देने का प्रयास जरूर किया गया। इसका श्रेय अभिजीत दीपके व सोनम वांगचुक को देना चाहिए।

धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा देश के युवाओं के संघर्ष और जद्दोजहद की बड़ी जीत : ओवैसी

मुरादाबाद। केंद्र सरकार में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा देश के युवाओं के संघर्ष और जद्दोजहद की बड़ी जीत है। यह हक की झूठ पर जीत है। यह उन तमाम नौजवानों की कामयाबी है जिन्होंने अपने अधिकारों के लिए संघर्ष किया। यह बातें ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख और सांसद बैरिस्टर असदुद्दीन ओवैसी ने मुरादाबाद के जामा मस्जिद पार्क म रात्रि में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहीं। मुरादाबाद पहुंचे एआईएमआईएम प्रमुख सांसद बैरिस्टर असदुद्दीन ओवैसी ने जामा मस्जिद पार्क में अयोजित जनसभा में केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यदि मोदी सरकार यह समझती है कि वह कुछ भी कर सकती है, तो इस आंदोलन ने साफ संदेश दे दिया है कि देश में तानाशाही नहीं चलेगी। एआईएमआईएम प्रमुख ने कहा कि लोकतंत्र को संविधान के दायरे में रहकर ही चलाना होगा। ओवैसी ने उम्मीद जताई कि भविष्य में राष्ट्रीय या राज्य स्तर की किसी भी प्रतियोगी परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक जैसी घटनाएं नहीं होंगी और युवाओं का विश्वास कायम रहेगा।

ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग में नई दर्शन व्यवस्था लागू, अब 10 फीट दूर से होंगे सुलभ दर्शन

खंडवा। मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में स्थित तीर्थनगरी ओंकारेश्वर में जिला प्रशासन द्वारा विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग श्री ओंकारेश्वर मंदिर में दर्शन व्यवस्थाओं में विशेष बदलाव किया गया है। यहां एकादशी के अवसर पर नई दर्शन व्यवस्था लागू कर दी गई है। खंडवा कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने बताया कि पिछले कुछ समय से शुकदेव मुनि द्वार के चौड़ीकरण का कार्य चल रहा था, जो कि अब पूरा हो गया है। इस कार्य के पूरा हो जाने से एकादशी पर्व से भक्तों के लिए ओंकार जी के दर्शन पहले से अधिक सुलभ हो गए हैं। नई व्यवस्था के तहत शुकदेव मुनि द्वार के चौड़ीकरण के बाद भक्तों को 10 फीट दूर से दर्शन कराए जा रहे हैं, और दर्शन के बाद श्रद्धालुओं की निकासी चांदी द्वार से कराई जा रही है।

श्रद्धालुओं ने जताई खुशी, आसानी से हो रहे दर्शन

गाजियाबाद से आए श्रद्धालु गौरव सिंह ने कहा कि मैं पहले भी कई बार ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन के लिए आया हूं, लेकिन आज जो दर्शन का अनुभव किया वह अद्भुत और आनंददायक है। उन्होंने कहा कि भगवान श्री ओंकारेश्वर के नजदीक से दर्शन करने की अपेक्षा जो व्यवस्था दूर से की गई है यह काफी अच्छी है, क्योंकि अब कुछ देर रुक कर आराम से दर्शन कर सकते हैं। पहले दर्शन पास से कराए जाते थे, लेकिन ज्यादा देर रुक कर दर्शन नहीं कर पाते थे और मन में सुकून से दर्शन करने की इच्छा अधूरी सी रह जाती थी।

पश्चिम बंगाल को मिलेगा नया विधानसभा भवन, न्यू टाउन में 40 एकड़ भूमि पर होगा निर्माण

कोलकाता। पश्चिम बंगाल को जल्द ही नया विधानसभा भवन मिलेगा। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने विधानसभा अध्यक्ष रथींद्रनाथ बोस के समक्ष नए विधानसभा भवन के निर्माण का प्रस्ताव रखा, जिसे स्वीकार करते हुए अध्यक्ष ने घोषणा की कि न्यू टाउन में 40 एकड़ भूमि पर अत्याधुनिक विधानसभा भवन का निर्माण किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि भविष्य में परिसीमन और महिला आरक्षण लागू होने के बाद विधानसभा की वर्तमान 294 सदस्यीय क्षमता बढ़कर 400 से अधिक हो सकती है। ऐसे में मौजूदा विधानसभा भवन पर्याप्त नहीं रहेगा। उन्होंने अध्यक्ष से प्रस्तावित भूमि का सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के साथ निरीक्षण कर निर्माण की प्रारंभिक योजना तैयार करने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि नए भवन के निर्माण में वित्तीय संसाधनों की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी और सरकार इस परियोजना को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाएगी। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि वर्तमान विधानसभा भवन का ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व बना रहेगा। स्वतंत्रता से पहले निर्मित यह भवन पश्चिम बंगाल की संसदीय परंपरा का महत्वपूर्ण साक्षी रहा है। उन्होंने संकेत दिया कि नए भवन के तैयार होने के बाद भी वर्तमान भवन की विरासत को सुरक्षित रखते हुए उसके उपयोग पर सरकार अलग से निर्णय लेगी।

कारगिल विजय दिवस पर सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने कहा- भारतीय योद्धाओं का कोई मुकाबला नहीं

एजेंसी

द्रास (लद्दाख)। कारगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ पर देश ने 1999 के कारगिल युद्ध में अदम्य साहस और वीरता का परिचय देने वाले शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। लद्दाख के द्रास स्थित कारगिल युद्ध स्मारक पर भारतीय सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए और उनके सर्वोच्च बलिदान को नमन किया। पत्रकारों से बातचीत में जनरल धीरज सेठ ने कहा, मैं इस अवसर पर हमारे बहादुर वीर शहीदों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। मैं सिर्फ इतना कहना चाहता हूं कि भारतीय सेना का योद्धा दुनिया की किसी भी सेना के सैनिक से श्रेष्ठ है। उसकी क्षमता और साहस का मुकाबला नहीं किया जा सकता। मैं देश को विश्वास दिलाना चाहता हूं कि

भारतीय थल सेना राष्ट्र की प्रगति और सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है तथा आने वाले समय में देश का गौरव और ऊंचा करेगी। उन्होंने अपनी यूनिट के एक सैनिक द्वारा लिखी गई कविता की पंक्तियां भी साझा कीं। उन्होंने कहा कि जब भी वह कारगिल के वीरों को याद करते हैं, अपनी ही यूनिट के सैनिकों द्वारा लिखी गई एक रचना याद आती है। कविता की पंक्तियां थीं, मरना सभी को है, तुम भले मरे... करके नमक हलाल, लड़ते हुए गिरे, भूलोगे आप नहीं जो छिप गई शक्ल, सफेद जमीन पर नाम हुआ तुम्हारा अटल। जनरल सेठ ने कहा कि भारतीय सेना हर परिस्थिति में राष्ट्र की सुरक्षा और सम्मान की रक्षा के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि सैनिक का जीवन कर्तव्य, सम्मान और निष्ठा के सिद्धांतों पर आधारित होता है तथा वीर जवानों का सर्वोच्च बलिदान आने वाली पीढ़ियों को हमेशा प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने कहा, कारगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ पर यहां मौजूद होना मेरे लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है। मैं हमारे बहादुर शहीदों और उनके परिवारों को श्रद्धापूर्वक नमन करता हूं। रक्षा मंत्री की उपस्थिति भारतीय सेना के लिए आने वाले वर्षों में भी प्रेरणा का स्रोत बनी रहेगी। इस अवसर पर द्रास स्थित कारगिल युद्ध स्मारक में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, कारगिल युद्ध स्मारक पर शान से लहराता तिरंगा इसकी प्रतिष्ठा, गौरव और महिमा के लिए चुकाई गई बड़ी कीमत का प्रतीक है।

सपा सांसद डिंपल यादव ने शिक्षा मंत्री के इस्तीफे को बच्चों के साहस की जीत बताया

एजेंसी

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी (सपा) सांसद डिंपल यादव ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को बच्चों के साहस, दृढ़, संकल्प की जीत बताया है। सांसद डिंपल यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'प्यारे बच्चों, यह जीत आपकी है। हम आपके साहस, दृढ़ संकल्प और लगन को सलाम करते हैं, जिसकी वजह से शिक्षा मंत्री को इस्तीफा देना पड़ा।' उन्होंने लिखा, 'मुझे इस बात का बहुत अफसोस है कि आपको इतनी तकलीफ, मारपीट, सदमे और अपमान का सामना करना पड़ा।' डिंपल यादव ने कहा कि देश को बदलाव की जरूरत है। ऐसा बदलाव, जिससे सिस्टम में जान-बूझकर फैलाए गए भ्रष्टाचार को खत्म किया जा सके। ताकि देश तरक्की कर सके और हमारे देश के युवाओं की उम्मीदें और सपने पूरे हो सकें।

यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में यूपी का एक और एतिहासिक स्थल, बौद्ध धर्म से जुड़े सारनाथ को मिली जगह : जयवीर सिंह

एजेंसी

लखनऊ। लगभग 28 वर्षों के लंबे इंतज़ार के बाद भगवान बुद्ध की प्रथम धर्मदेशना स्थली सारनाथ को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में स्थान मिल गया है।

इसके साथ ही सारनाथ भारत का 45वां और उत्तर प्रदेश का चौथा विश्व धरोहर स्थल बन गया है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने इसे उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि बताया है। दक्षिण कोरिया के बुसान शहर में आयोजित यूनेस्को की विश्व धरोहर समिति के 48वें सत्र में यह ऐतिहासिक घोषणा की गई।

इस उपलब्धि के साथ बौद्ध धर्म के सबसे पवित्र स्थलों में शामिल सारनाथ को वैश्विक विरासत के सर्वोच्च मंच पर नई पहचान मिली है। वहीं, उत्तर प्रदेश के बौद्ध सर्किट को अंतरराष्ट्रीय पर्यटन और सांस्कृतिक विरासत के मानचित्र पर नई मजबूती मिलने की उम्मीद है। सारनाथ को 03 जुलाई 1998 को यूनेस्को की टेंटेटिव लिस्ट (संभावित सूची) में शामिल किया गया था। लगभग 28 वर्षों बाद मिली यह मान्यता उत्तर प्रदेश के लिए भी

विशेष महत्व रखती है। अब तक राज्य के तीनों विश्व धरोहर स्थल- ताजमहल, आगरा किला और फतेहपुर सीकरी (आगरा क्षेत्र) तक सीमित थे। सारनाथ के शामिल होने से उत्तर प्रदेश की विश्व धरोहर पहचान पूर्वांचल तक विस्तृत हो गई है। यह राज्य की समृद्ध बौद्ध विरासत को वैश्विक मान्यता मिली है। यूनेस्को द्वारा मान्यता प्राप्त इस विश्व धरोहर संपत्ति में चौखंडी स्तूप और सारनाथ के पुरातात्विक अवशेष शामिल हैं। ये दोनों स्थल एक-दूसरे से लगभग 626 मीटर की दूरी पर हैं। चौखंडी स्तूप भगवान बुद्ध और उनके पांच प्रथम शिष्यों के मिलन की स्मृति का प्रतीक है, जबकि पुरातात्विक परिसर में धामेक स्तूप, धर्मराजिका स्तूप, प्राचीन विहारों के अवशेष तथा अशोक स्तंभ जैसे महत्वपूर्ण स्मारक शामिल हैं। मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि '28 वर्षों की प्रतीक्षा के बाद सारनाथ को मिला यूनेस्को विश्व धरोहर का दर्जा ऐतिहासिक उपलब्धि है। इससे उत्तर प्रदेश के बौद्ध सर्किट को वैश्विक स्तर पर नई पहचान और गति मिलेगी। साथ ही, प्रदेश का शांति, आध्यात्मिकता और सांस्कृतिक समावेशिता का संदेश दुनिया के अधिक व्यापक समुदाय तक पहुंचेगा।'

एस.एम.एस. अस्पताल परिसर में प्रधानमंत्री जन औषधि केन्द्र का हुआ शुभारंभ, अब दवाइयों के लिए मरीजों को भटकना नहीं पड़ेगा

एजेंसी

जयपुर। केन्द्रीय सहकारिता राज्य मंत्री श्री मुरलीधर मोहोल, प्रदेश के सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक एवं केन्द्रीय सहकारिता सचिव आशीष कुमार भूटानी ने सवाई मान सिंह अस्पताल परिसर स्थित चरक भवन में प्रधानमंत्री जन औषधि केन्द्र का शुभारम्भ किया। मरीजों की बढती मांग एवं आमजन को किफायती दरों पर उच्च गुणवत्ता की दवाइयां उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कॉनफैड द्वारा अस्पताल परिसर में यह दूसरा स्टोर प्रारम्भ किया है। इस अवसर पर सहकारिता मंत्री ने कहा कि चरक भवन स्थित प्रधानमंत्री जन औषधि केन्द्र पर अभी 600 से अधिक दवाइयां उपलब्ध कराई गई हैं और शीघ्र ही इसे बढाकर 1500 तक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्टोर पर जो दवाइयां एवं सर्जिकल आइटम्स उपलब्ध करवाए जा रहे है वे बाजार में प्रचलित मूल्य से 50 से 80 प्रतिशत तक कम हैं। उन्होंने कहा कि अस्पताल परिसर में जन औषधि केन्द्र खुलने से मरीजों को दवाइयों के लिए भटकना नहीं पडेगा और जो दवाइयां अस्पताल से नहीं मिल पाई हैं उन्हें किफायती दर पर हमारे स्टोर

पर मिल जाएंगी। दक ने बताया कि हमारे द्वारा शुरू किए गए स्टोर पर समान सॉल्ट की दवाइयां किफायती दरों पर उपलब्ध करवाई जा रही हैं ताकि मरीजों पर पडने वाले आर्थिक भार को कम किया जा सके। उन्होंने बताया कि कई बार अस्पताल में मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा योजना के तहत मरीजों को दवाइयां नहीं मिल पाती है और उन्हें मजबूरी में बाहर से उच्च मूल्य पर दवाइयां खरीदनी पडती हैं। ऐसी स्थिति में मरीजों को राहत देने के लिये सहकारिता के माध्यम से अस्पताल परिसर में कॉनफैड ने दूसरा प्रधानमंत्री जन औषधि केन्द्र शुरू किया है ताकि वे अस्पताल परिसर में ही उच्च गुणवत्ता की किफायती दरों पर दवाइयां खरीद सके। शासन सचिव, सहकारिता डॉ. समित शर्मा ने कहा कि अस्पताल प्रशासन एवं कॉनफैड प्रशासन में दवाइयों की उपलब्धता में तालमेल के लिए आज एस.एम.एस. मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. दीपक माहेश्वरी, अधीक्षक डॉ. मृणाल जोशी, आई डिपार्टमेंट के प्रमुख डॉ. पंकज शर्मा सहित अन्य अधिकारियों के साथ बैठक की गई। बैठक में की गई सहमति के अनुसार प्रति सप्ताह अस्पताल के स्टोर में अनुपलब्ध दवाइयों की सूची कॉनफैड प्रशासन के साथ शेयर की जाएगी ताकि उन दवाइयों की उपलब्धता प्रधानमंत्री जन औषधि केन्द्र एवं अन्य कोऑपरेटिव फार्मेसी स्टोर्स पर की जा सके।

राज्यसभा के नए सदस्यों के लिए 'प्रारंभ' कार्यक्रम का शुभारंभ, सीपी राधाकृष्णन ने दिए संसदीय दायित्वों के मंत्र

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि विचारों में मतभेद स्वाभाविक हैं लेकिन सभी सदस्यों की प्रतिबद्धता संविधान और जनता के प्रति होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वाद-विवाद, चर्चा या यहां तक कि व्यवधान भी निर्णयोन्मुखी होने चाहिए। केवल व्यवधान के लिए व्यवधान लोकतांत्रिक उद्देश्य की पूर्ति नहीं करते। वे राज्यसभा के 2026 के द्विवार्षिक चुनावों में निर्वाचित और नामित नए सदस्यों के लिए आयोजित दो दिवसीय विषयबोध कार्यक्रम 'प्रारंभ' को संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम में उपसभापति हरिवंश, राज्यसभा के महासचिव पी.सी. मोदी, सांसद और राज्यसभा सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। नए सदस्यों को बधाई देते हुए सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि इस बार 67 सदस्य पहली बार राज्यसभा पहुंचे हैं। विभिन्न राज्यों का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्य एक साझा उद्देश्य से जुड़े हैं। उन्होंने कहा, हम एक दस्तावेज अर्थात् हमारा संविधान, एक विजन अर्थात् राष्ट्र प्रथम और एक लक्ष्य अर्थात्

विकसित भारत के माध्यम से एकजुट हैं। सभापति ने प्रश्नकाल और शून्यकाल को सांसदों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि इनकी गरिमा बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने नियम 267 का उल्लेख करते हुए कहा कि इसका प्रयोग केवल दुर्लभतम परिस्थितियों और सदन की व्यापक सहमति से ही किया जाना चाहिए। जनप्रतिनिधियों की भूमिका पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, चुनाव वोटों से जीते जाते हैं लेकिन सम्मान जनसेवा से अर्जित होता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नीति, प्रत्येक प्रश्न, प्रत्येक कानून और प्रत्येक बहस लाखों लोगों के जीवन में बदलाव लाने की क्षमता रखती है।

अपने संसदीय अनुभव साझा करते हुए राधाकृष्णन ने बताया कि लोकसभा सदस्य रहते हुए वस्त्र संबंधी संसदीय उपसमिति में किए गए सुझावों के आधार पर प्रौद्योगिकी उन्नयन निधि योजना लागू हुई, जिसने कपड़ा उद्योग के आधुनिकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि छोटा-सा संसदीय हस्तक्षेप भी दूरगामी नीतिगत परिवर्तन ला सकता है। उन्होंने सांसदों से संसदीय नियमों, विधायी प्रक्रिया, बजटीय कार्यवाही और समितियों के कामकाज का गहन अध्ययन करने की अपील की। उन्होंने बताया कि इस बार विषयबोध कार्यक्रम में डिजिटल तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर विशेष सत्र शामिल किए गए हैं। उन्होंने कहा कि 'वाणी सेतु' जैसे एआई आधारित उपकरण अब राज्यसभा में कई भाषाओं में रीयल-टाइम अनुवाद की सुविधा उपलब्ध करा रहे हैं।

संगठन की रीति-नीति के अनुरूप कार्य करते हुए जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरें जनप्रतिनिधिः नितिन नवीन

एजेंसी

पटना। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधानमंडल दल की बैठक प्रदेश कार्यालय स्थित अटल सभागार में आयोजित की गई। बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया। बैठक में सरकार और संगठन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर जनहित और विकास कार्यों को और गति देने पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक की शुरुआत प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी द्वारा भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत करने के साथ हुई। इस दौरान मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को उनके नेतृत्व में राज्य सरकार के 100 दिन पूरे होने पर बधाई एवं शुभकामनाएं भी दी गईं। बैठक में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में बीते 100 दिनों के दौरान सरकार द्वारा जनहित, सुशासन और विकास के क्षेत्र में किए गए कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। नेताओं ने कहा कि राज्य सरकार ने पारदर्शी, जवाबदेह और संवेदनशील प्रशासन के माध्यम से जनता का विश्वास मजबूत किया है तथा विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में विकसित बिहार के संकल्प को साकार करने की प्रतिबद्धता दोहराई गई। नेताओं ने कहा कि सरकार और संगठन के बीच निरंतर संवाद, बेहतर समन्वय और जनभागीदारी के माध्यम से विकास की गति को और तेज किया जाएगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने जनप्रतिनिधियों से संगठन की रीति-नीति के अनुरूप कार्य करने और जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का आह्वान किया।

कारगिल विजय दिवस पर मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों ने वीर जवानों को नमन करते हुए किया याद

एजेंसी

नई दिल्ली। कारगिल विजय दिवस पर कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों ने भारतीय सेना के सभी अमर वीरों को नमन करते हुए याद किया है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक्स पर पोस्ट किया, कारगिल विजय दिवस की सभी को हार्दिक बधाई। यह दिवस हमारे वीर सैनिकों के शौर्य, त्याग और राष्ट्रनिष्ठा का अमर प्रतीक है। मातृभूमि की रक्षा हेतु अपने प्राणों का उत्सर्ग करने वाले भारतीय सेना के सभी अमर वीरों को नमन। दिल्ली की रेखा गुप्ता ने एक्स पर लिखा, कारगिल विजय दिवस पर भारत माता के अमर वीरों को शत-शत नमन। 26 जुलाई 1999 को ऑपरेशन विजय की सफलता के साथ हमारे जांबाज सैनिकों ने दुर्गम चोटियों पर तिरंगा फहराकर भारत की अखंडता और संप्रभुता की रक्षा की। भारतीय सेना का अद्वितीय शौर्य, अटूट संकल्प और सर्वोच्च बलिदान सदैव राष्ट्र को गौरवान्वित करता रहेगा। हमारे वीरों का साहस, अनुशासन और मातृभूमि के प्रति समर्पण हम सभी को सदैव राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की प्रेरणा देता रहेगा। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एक्स पर पोस्ट किया, 'देश की सीमाओं की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले मां भारती के अमर वीर सपूतों को कारगिल विजय दिवस पर कोटि-कोटि नमन!हमारे वीर सैनिकों का अदम्य साहस, अटूट राष्ट्रभक्ति और सर्वोच्च बलिदान भारतीय इतिहास का स्वर्णिम अध्याय है। उनका त्याग और समर्पण सदैव राष्ट्र को प्रेरित करता रहेगा। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने एक्स पर लिखा, कारगिल विजय दिवस केवल एक विजय का पर्व नहीं, बल्कि उन वीर सपूतों के अदम्य साहस, सर्वोच्च बलिदान और अटूट राष्ट्रभक्ति का अमर स्मरण है, जिन्होंने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। कारगिल के सभी अमर शहीदों को विनम्र श्रद्धांजलि एवं भारतीय सेना के शौर्य को शत-शत् नमन। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने एक्स पोस्ट में कहा, हिमालय की दुर्गम चोटियों पर अदम्य साहस, शौर्य और पराक्रम का परिचय देते हुए कारगिल विजय का स्वर्णिम इतिहास रचने वाले भारत माता के वीर सपूतों को कारगिल विजय दिवस पर कोटि-कोटि नमन। मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर जवानों का अमर बलिदान, अटूट संकल्प और अद्वितीय वीरता प्रत्येक भारतीय के लिए प्रेरणास्रोत है। उनका शौर्य देश के युवाओं में राष्ट्रभक्ति की अखंड ज्योति को सदैव प्रज्ज्वलित रखेगा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री ने एक्स पर लिखा, कारगिल विजय दिवस पर मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले अमर जवानों को कोटिशः नमन। यह दिवस केवल एक युद्ध की विजय नहीं बल्कि हमारे वीर जवानों के अदम्य साहस, सर्वोच्च बलिदान और राष्ट्र के प्रति अटूट समर्पण का प्रतीक भी है। आप सभी की शौर्य गाथा हमें सदैव राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करती रहेगी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने एक्स पर पोस्ट किया, 'कारगिल विजय दिवस पर, मैं कारगिल के उन अमर नायकों को नमन करता हूं, जिन्होंने साहस के साथ लड़ाई लड़ी और देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। कारगिल युद्ध के दौरान उनके कर्तव्य-बोध ने भारत की संप्रभुता की रक्षा की और उन्हें हमेशा गर्व और कृतज्ञता के साथ याद किया जाएगा। आइए, जिन मूल्यों के लिए उन्होंने लड़ाई लड़ी, उन्हें अपनाकर और उनके बलिदान को अपने दिलों में जीवित रखकर हम उनकी विरासत का सम्मान करें।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने एक्स पर लिखा, मां भारती की रक्षा के लिए प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले अमर वीरों को कारगिल विजय दिवस पर कोटि-कोटि नमन करता हूं। दुर्गम चोटियों पर अदम्य साहस और पराक्रम का परिचय देते हुए जवानों ने तिरंगे की आन-बान-शान की रक्षा करते हुए स्वर्णिम इतिहास रचा। राष्ट्र सदैव आपका ऋणी रहेगा।

गुजरात में भारी बारिश, 42,000 से ज्यादा लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया, 308 मवेशियों की मौत

एजेंसी

गांधीनगर। गुजरात में कई दिनों की भारी बारिश के बाद राहत और पुनर्वास का काम जारी है और 42,000 से ज्यादा लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है। शुरुआती अनुमानों के मुताबिक, हालिया बाढ़ में 308 मवेशियों की मौत हुई है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने शनिवार देर शाम गांधीनगर में स्टेट इमरजेंसी ऑपरेशन्स सेंटर (एसईओसी) में बारिश की बदलती स्थिति और राहत कार्यों की समीक्षा की। उनके साथ मुख्य सचिव एमके. दास, अतिरिक्त मुख्य सचिव (राजस्व) डॉ. जयंती रवि और राहत आयुक्त गौरव मकवाना भी मौजूद थे। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि एहतियात के तौर पर राज्य भर के जोखिम वाले इलाकों से अब तक कुल 42,158 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है।दक्षिण गुजरात में बारिश कम होने के साथ ही, राज्य का तत्काल ध्यान बचाव कार्यों से हटकर प्रभावित जिलों में राहत और पुनर्वास कार्यों पर केंद्रित हो गया है।

मुख्यमंत्री को बताया गया कि प्रभावित परिवारों को नकद सहायता

देने का काम शुरू हो गया है और घर-गृहस्थी से जुड़ी मदद भी जल्द से जल्द दी जाएगी। बैठक में पेश शुरुआती अनुमानों के मुताबिक, हाल ही में हुई भारी बारिश की वजह से पूरे गुजरात में 308 मवेशियों की मौत हुई है।

अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को यह भी बताया कि अगले 24 घंटों में उत्तरी गुजरात के पाटन, मेहसाणा, वाव-थराद और बनासकांठा जिलों में भारी बारिश होने की संभावना है।

इसके जवाब में, स्थानीय प्रशासन की मदद के लिए नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स (एनडीआरएफ) और स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स (एसडीआरएफ) की टीमें पहले ही तैनात कर दी गई हैं।

मुख्यमंत्री ने प्रभावित इलाकों के जिला कलेक्टरों को हाई अलर्ट पर रहने और यह पक्का करने का निर्देश दिया कि भारी बारिश की आशंका को देखते हुए सभी जरूरी एहतियाती उपाय किए जाएं।

उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि बाढ़ का पानी उतरते ही प्रभावित इलाकों में हालात सामान्य करने के लिए तुरंत सफाई अभियान, सार्वजनिक स्वास्थ्य उपाय और नुकसान का आकलन करने वाले सर्वे शुरू किए जाएं।

समीक्षा बैठक के दौरान, राहत आयुक्त ने बताया कि इस महीने कई जिलों में हुई बारिश का स्तर पिछले साल जुलाई की इसी अवधि में हुई बारिश के स्तर से पहले ही ज्यादा हो चुका है।

वलसाड में जुलाई के औसत के मुकाबले 93 प्रतिशत, नवसारी में 97 प्रतिशत, डांग में 71 प्रतिशत, सूरत में 81 प्रतिशत, अहमदाबाद में 66 प्रतिशत और अमरेली में 63 प्रतिशत बारिश दर्ज की गई है।

कनिष्ठ विधि अधिकारी परीक्षा : केंद्रों का जायजा लेने पहुंचे आयोग के कार्यवाहक अध्यक्ष

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) द्वारा आयोजित कनिष्ठ विधि अधिकारी भर्ती परीक्षा-2025 रविवार से शुरू हुई। दो दिवसीय परीक्षा के लिए जयपुर जिले में 53 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां 13,245 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। परीक्षा के शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी संचालन के लिए जिला प्रशासन एवं आयोग द्वारा व्यापक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। परीक्षा के प्रथम दिन राजस्थान लोक सेवा आयोग के कार्यवाहक अध्यक्ष कर्नल केसरी सिंह ने राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, झोटवाड़ा फ्लाईओवर (झोटवाड़ा), शहीद लेफ्टिनेंट अभय पारीक राजकीय बालिका वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय (गांधी नगर), पीएम श्री राजकीय बालिका वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय (गंगौरी बाजार) तथा शहीद अमित भारद्वाज राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय (माणक चौक) का निरीक्षण कर परीक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान अतिरिक्त जिला कलक्टर (पूर्व) नरेंद्र कुमार वर्मा भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था, अभ्यर्थियों के प्रवेश, बैठक व्यवस्था तथा अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान आयोग अध्यक्ष कर्नल केसरी सिंह ने कहा कि जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन के सहयोग से परीक्षा का बेहतर आयोजन किया जा रहा है। मैं स्वयं परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर रहा हूँ। हमारा उद्देश्य है कि हर अभ्यर्थी निष्पक्ष और पारदर्शी माहौल में परीक्षा दे सके। इसलिए व्यवस्थाओं की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। वहीं राजस्थान लोक सेवा आयोग की संयुक्त सचिव ऋषिबाला श्रीमाली ने भी जयपुर के विभिन्न अन्य परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर परीक्षा के शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष संचालन के लिए की गई व्यवस्थाओं की समीक्षा की तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एडीएम ईस्ट नरेंद्र कुमार वर्मा ने बताया कि परीक्षा की प्रभावी निगरानी के लिए फ्लाइंग स्क्वॉड गठित किए गए हैं। इन दलों में राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आरएएस) अधिकारी, पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) रैंक के अधिकारी तथा शिक्षा विभाग के अधिकारी शामिल किए गए हैं, जो परीक्षा केंद्रों का लगातार निरीक्षण कर रहे हैं। परीक्षा के सफल संचालन के लिए जिला कलक्टर कार्यालय के कक्ष संख्या 116 में जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है, जिसका दूरभाष नंबर 0141-2206699 है। नियंत्रण कक्ष 26 एवं 27 जुलाई को प्रातः 7 बजे से परीक्षा समाप्ति तक संचालित रहेगा।

उनका कर्ज कभी नहीं भूलेंगे, विजय दिवस पर सहवाग-जाधव ने वीर जवानों को किया नमन

नई दिल्ली, एजेंसी। कारगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ पर पूरा देश 1999 के कारगिल युद्ध में शहीद हुए वीर जवानों को श्रद्धांजलि दे रहा है। इस अवसर पर भारत के पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग और केदार जाधव ने भी भारतीय सशस्त्र बलों के अदम्य साहस, बलिदान और देशभक्ति को याद करते हुए भावुक संदेश साझा किए।

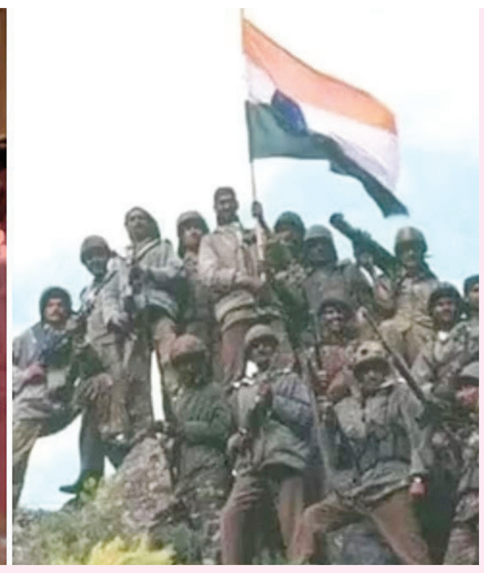

सहवाग बोले– सैनिकों का बलिदान कभी नहीं भुलाया जाएगा

वीरेंद्र सहवाग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कारगिल युद्ध की कठिन परिस्थितियों का जिक्र करते हुए लिखा कि भारतीय सैनिक 16 हजार फीट की ऊंचाई पर बर्फ से ढकी चोटियों पर दुश्मन का सामना कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हर कदम देश की रक्षा के लिए उठाया गया था।

सहवाग ने अपने संदेश में लिखा, 'अगर दुनिया में निस्वार्थ लोगों को देखना हो तो एक सैनिक की जिंदगी देखिए। वह सिर्फ इतना चाहता है कि उसके पीछे का देश सुरक्षित रहे। 527 सैनिकों ने अपनी जान दी ताकि हम आज चैन की नींद सो सकें। 27 साल बीत चुके हैं, लेकिन हम उनका कर्ज कभी नहीं भूलेंगे। उन सभी वीरों को सलाम। जय हिंद।'

केदार जाधव ने भी वीर जवानों को किया नमन

पूर्व भारतीय ऑलराउंडर केदार जाधव ने भी कारगिल विजय दिवस पर शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने लिखा कि कारगिल के रणक्षेत्र में भारतीय जवानों ने वीरता, बलिदान और देशभक्ति की अमर गाथा लिखी। जाधव ने कहा कि आज देश का तिरंगा जिस गर्व के साथ लहरा रहा है, वह इन वीर सैनिकों के बलिदान का परिणाम है।

1999 में मिला था ऐतिहासिक विजय का गौरव

कारगिल युद्ध मई से जुलाई 1999 के बीच भारत और पाकिस्तान के बीच लड़ा गया था। यह संघर्ष लद्दाख के कारगिल, द्रास, बटालिक, मुश्कोह और काक्सर जैसे दुर्गम पहाड़ी इलाकों में हुआ। बेहद कठिन मौसम, बर्फीली चोटियों और चुनौतीपूर्ण हालात के बावजूद भारतीय सेना ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए पाकिस्तानी घुसपैठियों को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया।

'ऑपरेशन विजय' के दौरान 527 भारतीय सैनिकों ने सर्वोच्च बलिदान दिया। उनकी वीरता और अनुशासन की मिसाल आज भी देशवासियों को प्रेरित करती है। कारगिल विजय दिवस उन सभी अमर शहीदों के साहस और बलिदान को याद करने का अवसर है, जिन्होंने राष्ट्र की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया।

मुक्केबाजी में भारत का जलवा कायम

सचिन सिवाच ने कनाडा के अल-अहमदिएह को 4-1 से चटाई धूल

ग्लासगो। भारत के मुक्केबाज सचिन सिवाच ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 की पुरुषों की 60 किग्रा स्पर्धा के पहले दौर में कनाडा के केओमा अल-अहमदिएह को कड़े मुकाबले में 4-1 के विभाजित निर्णय (स्प्लिट डिसीजन) से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया।

अगला मुकाबला प्री-क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड के विल हेविट से होगा

स्काटिश इवेंट कैंपस में शनिवार को खेले गए इस मुकाबले के बाद अब उनका सामना सोमवार को प्री-क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड के विल हेविट से होगा। 26 वर्षीय पूर्व राष्ट्रमंडल युवा खेल चैंपियन सचिन ने तीनों राउंड में संयम बनाए रखा।मुकाबले की शुरुआत तेज गति से हुई, जहां दोनों मुक्केबाजों ने रिंग के बीचोंबीच जमकर पंचों का आदान-प्रदान किया। ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में जीत दर्ज करने वाले सचिन दूसरे भारतीय मुक्केबाज बने हैं।उनसे पहले पुरुषों के 55 किग्रा वर्ग के राउंड ऑफ 32 में जादुमणि सिंह ने आसान जीत हासिल की थी। भारत ने राष्ट्रमंडल खेलों की मुक्केबाजी प्रतियोगिता में 14 सदस्यीय टीम उतारी है, जिसमें सात पुरुष और सात महिला मुक्केबाज विभिन्न भार वर्गों में हिस्सा ले रहे हैं।

अनाहत सिंह ने 18 साल की उम्र में रचा इतिहास

नई दिल्ली। एक तरफ जहां पूरे देश की नजरें कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारतीय दल के प्रदर्शन पर टिकी हुई हैं तो वहीं दूसरी तरफ जूनियर स्क्वैश विश्व चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबले में भारत की 18 साल की बेटी अनाहत सिंह ने इतिहास रचते हुए खिताब अपने नाम कर लिया है। अनाहत सिंह की फाइनल मुकाबले में भिड़ंत मिस्र की दूसरी वरीयता प्राप्त रुकय्या सालेम से था जिसमें उन्होंने लगातार तीन सेट को अपने नाम करने के साथ खिताब जीतने में सफलता हासिल की। अनाहत सिंह जहां 21 साल में भारत की पहली खिलाड़ी हैं जो फाइनल में जगह बनाने में कामयाब हो सकी थी तो वहीं खिताब जीतने वाली भी पहली खिलाड़ी बन गई हैं।साल 2028 में होने लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक गेम्स में स्क्वैश को भी शामिल किया गया है, जिसमें अनाहत सिंह की इस जीत से उनका आत्मविश्वास भी काफी बढ़ गया होगा। जूनियर लेवल पर अपना कमाल दिखाने के बाद अब अनाहत से सभी को सीनियर स्तर पर भी उसी प्रदर्शन की उम्मीद है। अनाहत अभी सीनियर पीएसए टूर की विश्व रैंकिंग में टॉप-20 खिलाड़ियों में शामिल हैं।

मिस्र की खिलाड़ी को नहीं दिया वापसी का मौका

अनाहत सिंह ने कनाडा में हुए जूनियर स्क्वैश विश्व चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबले में मिस्र की रुकय्या सालेम को पहले सेट में जहां 11-3 के अंतर से मात दी तो वहीं उसके बाद दूसरे सेट को 11-7 के अंतर से जीतने में कामयाब रही। अब सभी की नजरें इस मुकाबले के तीसरे सेट पर टिकी हुई थी जिसको अनाहत सिंह 11-9 के अंतर से जीतने के साथ खिताब अपने नाम करने में कामयाब रही। अनाहत सिंह जहां साल 2005 में जोशना चिनप्पा के बाद फाइनल मुकाबले में पहुंचने वाली पहली भारतीय बनी, जिसमें चिनप्पा ने इस टूर्नामेंट के फाइनल तक का सफर तक का किया था, लेकिन वह टाइटल जीतने से चूक गई थीं। वहीं अनाहत की इस ऐतिहासिक जीत पर केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने भी बधाई दी, जिसमें उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि इतिहास रचा गया! अनाहत सिंह को विश्व स्क्वैश जूनियर चैंपियनशिप जीतने वाली पहली भारतीय बनने पर हार्दिक बधाई ! यह अभूतपूर्व उपलब्धि हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण है।

पाकिस्तान को हराकर भारत बना एशियाई चैंपियन

महिला टीम ने रजत जीता, विश्व कप का टिकट कटाया

मस्कट, एजेंसी। भारतीय सब-जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने एफआईएच यूथ हॉकी फाइव्स एशियाई चैंपियनशिप के फाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 3-1 से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। वहीं महिला टीम फाइनल में चीन से 2-4 से हार गई, लेकिन उपविजेता रहते हुए विश्व कप का टिकट हासिल करने में सफल रही। दोनों भारतीय टीमों ने पहले एफआईएच यूथ हॉकी फाइव्स विश्व कप के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है।

पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल में भारत का दबदबा

फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। रोमित पाल ने पांचवें मिनट में गोल कर भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई। इसके बाद दूसरे हाफ में कप्तान केतन कुशवाहा ने 12वें मिनट में गोल दागकर बढ़त दोगुनी कर दी।भारत ने पाकिस्तान पर दबाव बनाए रखा और शाहरुख अली ने 13वें मिनट में तीसरा गोल कर मुकाबले को लगभग भारत की झोली में डाल दिया। पाकिस्तान की ओर से मोहम्मद उस्मान ने 16वें मिनट में एक गोल जरूर किया, लेकिन भारतीय रक्षापंक्ति ने अंत तक बढ़त कायम रखते हुए 3-1 से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ भारत एलीट पूल तालिका में भी शीर्ष स्थान पर पहुंच गया।महिला वर्ग के फाइनल में चीन ने तेज शुरुआत करते हुए पहले छह मिनट में तीन गोल कर भारत पर दबाव बना दिया। भारत की ओर से नौशीन नाज ने 13वें मिनट में पहला गोल कर वापसी की कोशिश की, लेकिन चीन ने एक और गोल कर बढ़त 4-1 कर दी। मैच के अंतिम मिनट में पुष्पा मांझी ने गोल कर अंतर जरूर कम किया, लेकिन भारतीय टीम 2-4 से मुकाबला हार गई।

भारत को दूसरा मेडल: वेटलिफ्टर ऋषिकांत सिंह ने सिल्वर जीता

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत को कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 का दूसरा मेडल मिल गया है। ऋषिकांत सिंह ने गेम्स के चौथे दिन मेंस वेटलिफ्टिंग की 60 केजी कैटेगरी में सिल्वर मेडल जीता। उन्होंने कुल 264 केजी वजन उठाकर दूसरा (स्नैच 121 केजी और क्लीन एंड जर्क 143 केजी)। इससे पहले मेंस पैरा पावरलिफ्टिंग में झंडू कुमार ने ब्रॉन्ज जीता था। भारत अब 1 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज के साथ मेडल टेबल में 10वें स्थान पर है। ऑस्ट्रेलिया 12 गोल्ड सहित 23 मेडल के साथ पहले नंबर पर है।दिनभर में कुल 14 गोल्ड मेडल इवेंट्स होंगे। इनमें सबसे ज्यादा 9 स्विमिंग और पैरा स्विमिंग, 3 वेटलिफ्टिंग और 2 आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक्स में होंगे।भारत को विमेंस पेयर्स लॉन बॉल्स में नामीबिया से टाई-ब्रेक में हार का सामना करना पड़ा। टीम को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए इंग्लैंड को हराना होगा। रूपा रानी तिर्की और पिंकी सिंह की जोड़ी के लिए यह मुकाबला करो या मरो का होगा। इंग्लैंड के खिलाफ जीत दर्ज करने पर भारतीय जोड़ी सेमीफाइनल में जगह बना लेगी और मेडल की उम्मीदें बरकरार रहेंगी।ऋषिकांत सिंह का वेटलिफ्टिंग मेंस 60 किग्रा का इवेंट जारी है। इसके बाद शाम 5ः30 बजे मीराबाई चानू महिला 49 किग्रा फाइनल में गोल्ड के लिए मुकाबला करेंगी।

यामागुची अकाने ने चेन युफेई को हराकर दूसरी बार जीता महिला एकल का खिताब

टोक्यो (एजेंसी)। मौजूदा विश्व चैंपियन जापान की यामागुची अकाने ने बीडब्ल्यूएफ चाइना ओपन 2026 के महिला एकल फाइनल में मेजबान चीन की चेन युफेई को सीधे गेमों में हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ अकाने ने दूसरी बार चाइना ओपन का खिताब जीता और टूर्नामेंट के इतिहास में महिला एकल का खिताब जीतने वाली इकलौती जापानी खिलाड़ी बनी रहीं।

सीधे गेमों में चेन युफेई को हराया

चांगझोउ में खेले गए फाइनल मुकाबले में विश्व नंबर-3 यामागुची अकाने ने टोक्यो ओलंपिक 2020 की स्वर्ण पदक विजेता और चीन की स्टार शटलर चेन युफेई को 21-18, 21-16 से हराकर खिताब अपने नाम किया।

शुरुआत में लड़खड़ाईं, फिर की दमदार वापसी

लगातार छठे फाइनल में खेल रहीं दो बार की ओलंपियन यामागुची ने मुकाबले की शुरुआत धीमी की। हालांकि उन्होंने जल्द ही लय हासिल कर ली और पहले गेम में शानदार वापसी करते हुए 21 मिनट में बढ़त बना ली।

घरेलू दर्शकों के समर्थन के बावजूद नहीं टिक सकीं चेन

दूसरे गेम में घरेलू दर्शकों के जोरदार समर्थन के बीच चेन युफेई ने कड़ी चुनौती पेश की। लेकिन यामागुची ने धैर्य और अनुभव का शानदार प्रदर्शन करते हुए मुकाबले पर पकड़ बनाए रखी और 44 मिनट में जीत दर्ज कर ली।

ट्रिनिडाड टेस्ट: पाक के खिलाफ वेस्टइंडीज की अच्छी शुरूआत

वेस्टइंडीज ने पहले दिन 3 विकेट पर 194 रन बनाए; कावेम हॉज 83 रन बनाकर नाबाद

ट्रिनिडाड (एजेंसी)। वेस्टइंडीज और पाकिस्तान के बीच ट्रिनिडाड के ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी में खेले जा रहे टेस्ट मैच के पहले दिन मेजबान टीम ने मजबूत शुरुआत की। बारिश और खराब रोशनी से प्रभावित दिन का खेल खत्म होने तक वेस्टइंडीज ने पहली पारी में 3 विकेट पर 194 रन बना लिए। कावेम हॉज 83 और शाई होप 32 रन बनाकर नाबाद लौटे। दोनों चौथे विकेट के लिए 88 रन की साझेदारी कर चुके हैं। खराब रोशनी के कारण पहले दिन सिर्फ 67 ओवर का खेल हो सका।

ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी में पहली बार टेस्ट मैच खेला जा रहा है। वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी। मैच शुरू होने से पहले दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने पिछले सप्ताह निधन वाले महान क्रिकेटर सर गारफील्ड सोबर्स की याद में एक मिनट का मौन रखा। वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों और अंपायरों ने काली पट्टी बांधकर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

बारिश के कारण सुबह के सत्र में सिर्फ 14.1 ओवर का खेल हो सका। वेस्टइंडीज ने इस दौरान 23 रन बनाए और एक विकेट गंवाया। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज मोहम्मद अब्बास ने शानदार लाइन-लेंथ से गेंदबाजी की। उन्होंने शुरुआती 7 ओवर में 5 मेडन डाले। दबाव में आए ब्रैंडन किंग बाहर जाती गेंद पर कट लगाने की कोशिश में बोल्ड हो गए। इसके बाद तेज बारिश शुरू होने से अंपायरों ने समय से पहले लंच की घोषणा कर दी।

लंच के बाद पिच में नमी होने से तेज गेंदबाजों को मदद मिली। इसके बावजूद कावेम हॉज ने कुछ आकर्षक चौके लगाए और तगेनरायन चंद्रपॉल के साथ 50 से ज्यादा रन की साझेदारी की।

कप्तान बाबर आजम ने आमेर जमाल को गेंद थमाई और उन्होंने अपने पहले ही ओवर में चंद्रपॉल को स्लिप में सलमान आगा के हाथों कैच करा दिया। इसके बाद आमिर जांगू को मोहम्मद अब्बास ने डीआरएस की मदद से एलबीडब्ल्यू आउट किया। 106 रन तक वेस्टइंडीज के 3 विकेट गिर चुके थे।

तीन विकेट जल्दी गिरने के बाद कावेम हॉज और शाई होप ने पारी संभाली। हॉज ने टेस्ट करियर का चौथा अर्धशतक अली उस्मान की गेंद पर कवर में चौका लगाकर पूरा किया।दोनों बल्लेबाजों ने चौथे विकेट के लिए नाबाद 88 रन जोड़ लिए हैं। पाकिस्तान के गेंदबाजों ने आखिरी सत्र में दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन उन्हें कोई और सफलता नहीं मिली।

दिन के आखिरी सत्र में रन गति धीमी रही। इस दौरान एक भी चौका नहीं लगा। हॉज और होप ने जोखिम लेने के बजाय क्रीज पर टिके रहने पर ध्यान दिया। शाम को खराब रोशनी के कारण अंपायरों ने पहले दिन का खेल समय से पहले समाप्त कर दिया। दूसरे दिन का खेल तय समय पर शुरू होगा।

क्रिएटिव डिफरेंस के बाद आमिर ने छोड़ी अश्नीर ग्रोवर की बायोपिक

बॉलीवुड एक्टर आमिर खान भारतपे के पूर्व को-फाउंडर और बिजनेसमैन अश्नीर ग्रोवर की बायोपिक से बाहर हो गए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म के डायरेक्टर राहुल मोदी के साथ क्रिएटिव डिफरेंस की वजह से आमिर ने इस प्रोजेक्ट को छोड़ने का फैसला किया है। पहले खबर थी कि आमिर इस फिल्म में अश्नीर ग्रोवर का किरदार निभाने वाले थे और उनके साथ श्रद्धा कपूर मुख्य भूमिका में थीं। आमिर के फिल्म छोड़ने के बावजूद मेकर्स इस प्रोजेक्ट पर काम जारी रखेंगे। अब श्रद्धा कपूर और राहुल मोदी अश्नीर के रोल के लिए किसी युवा एक्टर की तलाश कर रहे हैं।
आमिर खान को स्टार्टअप्स की दुनिया काफी पसंद है। वे अश्नीर ग्रोवर की बायोपिक को लेकर काफी उत्सुक थे। रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने खुद फिल्म की स्क्रिप्ट पर काम किया था और इसे अपने हिसाब से तैयार करने की कोशिश की। हालांकि, स्क्रिप्ट और फिल्म के डायरेक्शन को लेकर डायरेक्टर राहुल मोदी और आमिर के विचार अलग थे। लगातार बातचीत के बाद भी जब सहमति नहीं बनी, तो आमिर ने खुद को इस प्रोजेक्ट से अलग कर लिया।

फिल्म में एक्टिंग के साथ प्रोडक्शन भी संभालेंगी श्रद्धा

इस बायोपिक में श्रद्धा कपूर अहम भूमिका में नजर आएंगी। वे फिल्म में अश्नीर ग्रोवर की पत्नी माधुरी जैन ग्रोवर का किरदार निभा सकती हैं। इसके साथ ही श्रद्धा कपूर एक बड़े स्टूडियो के साथ मिलकर इस फिल्म को प्रोड्यूस भी कर रही हैं। एक्टर और प्रोड्यूसर के तौर पर यह फिल्म श्रद्धा के करियर का बड़ा प्रोजेक्ट मानी जा रही है।

'इश्क़नामा' के 'नरक' को शहनाज़ गिल ने दी अपनी आवाज़

इश्क़नामा की रिलीज़ से पहले शहनाज़ गिल ने फैंस को एक खूबसूरत सरप्राइज़ दिया है। फिल्म के सबसे पसंद किए जा रहे गानों में से एक 'नरक' को शहनाज़ ने अपनी आवाज़ और अपने अंदाज़ में पेश किया है। ओरिजिनल गाने को बी प्राक और ज्योतिका टांगरी ने अपनी आवाज़ दी है, वहीं अब शहनाज़ का स्पेशल कवर वर्ज़न इस गाने में इमोशन्स की एक नई परत जोड़ता है। जानी के लिखे और कंपोज़ किए गए 'नरक' ने पहले ही सुनने वालों के दिलों को छू लिया है। यह गाना फिल्म के मुख्य किरदार नसीमा और निम्मा के बीच के दर्द, तड़प और अनकहे प्यार को बयां करता है। पर्दे पर इन किरदारों को शहनाज़ गिल और जय रंधावा ने निभाया है। फिल्म में नसीमा का किरदार निभाने वाली शहनाज़ इस कवर के जरिए गाने को एक अलग नज़रिए से सामने लाती हैं। ओरिजिनल को दोहराने के बजाय उन्होंने इसे बेहद सॉफ्ट और दिल के करीब अंदाज़ में गाया है, जिसमें नसीमा के जज़्बात साफ महसूस होते हैं।
अपने कवर वर्ज़न को लेकर शहनाज़ गिल ने कहा, ''नरक' 'इश्क़नामा' के मेरे सबसे पसंदीदा गानों में से एक है, इसलिए इसका अपना वर्ज़न रिकॉर्ड करना मेरे लिए बेहद खास रहा। मैंने फिल्म में नसीमा का किरदार निभाया है, इसलिए इस गाने से मेरा पहले से ही एक इमोशनल कनेक्शन था। मैं ओरिजिनल को दोबारा बनाने की कोशिश नहीं कर रही थी, क्योंकि बी प्राक और ज्योतिका ने इसे पहले ही इतनी खूबसूरती और रूह के साथ गाया है। मैं बस इसे अपने अंदाज़ में गाना चाहती थी और उम्मीद करती हूं कि लोग मेरे इस वर्ज़न से भी जुड़ेंगे।'
शहनाज़ पिछले कई सालों में पंजाबी और हिंदी गानों के जरिए अपनी सिंगिंग का हुनर दिखा चुकी हैं। अब 'नरक' के इस कवर के साथ उन्होंने इश्क़नामा से अपने जुड़ाव को और भी पर्सनल बना दिया है। फिल्म की रिलीज़ से पहले यह कवर दर्शकों को इसकी इमोशनल दुनिया को एक नए अंदाज़ में महसूस करने का मौका देता है।
निम्मा और नसीमा की असाधारण सच्ची कहानी से प्रेरित इश्क़नामा की कहानी 1981 से 1988 के बीच भारत-पाकिस्तान सीमा की पृष्ठभूमि पर आधारित है। शहनाज़ गिल, जय रंधावा और सौरभ सचदेवा स्टारर इस फिल्म का निर्देशन अरविंदर एस. खैरा ने किया है। 'नरक' के अपने कवर वर्ज़न के साथ शहनाज़ गिल ने फैंस को इश्क़नामा की इमोशनल दुनिया की एक और खूबसूरत झलक दे दी है, जिसने फिल्म की रिलीज़ को लेकर एक्साइटमेंट और बढ़ा दी है।

तुषार कपूर ने प्रकाश झा की 'जनादेश' को बताया समाज का आईना

तुषार कपूर अपनी आने वाली नई फिल्म 'जनादेश' को लेकर काफी उत्साहित हैं। इस फिल्म की खास बात यह है कि तुषार पहली बार मशहूर निर्देशक प्रकाश झा के साथ काम कर रहे हैं। तुषार के करियर की यह पहली पॉलिटिकल ड्रामा फिल्म है। हाल ही में फिल्म इंडस्ट्री में अपने 25 साल पूरे होने पर तुषार कपूर ने अपनी नई फिल्म 'जनादेश' के बारे में खुलकर बात की। तुषार ने कहा, 'फिल्म 'जनादेश' देश के राजनीतिक माहौल पर बनी एक गंभीर और गहरा असर छोड़ने वाली कहानी है।' तुषार ने आगे कहा, 'हालांकि, यह फिल्म आज के समाज का आईना है। प्रकाश झा जैसे बेहतरीन डायरेक्टर के साथ काम करना और ऐसा दिलचस्प किरदार निभाना मेरे लिए बिल्कुल नया और अनोखा अनुभव है।' फिल्म 'जनादेश' के निर्देशक प्रकाश झा हैं, जो इससे पहले 'राजनीति', 'आरक्षण', 'सत्याग्रह' जैसी बेहतरीन फिल्में और 'आश्रम' जैसी सुपरहिट वेब सीरीज बना चुके हैं। 'जनादेश' में तुषार कपूर के साथ इस फिल्म में शेखर सुमन, राहुल बोस, प्रगति श्रीवास्तव और इश्वक सिंह जैसे मंझे हुए कलाकार दिखाई देंगे।

'गोलमाल 5' में भी दिखेंगे तुषार

'जनादेश' के अलावा तुषार कपूर जल्द ही रोहित शेट्टी की सुपरहिट कॉमेडी फ्रेंचाइजी की अगली फिल्म 'गोलमाल 5' में भी नजर आएंगे। इस फिल्म की शूटिंग इसी साल मार्च में शुरू हो चुकी है। फिल्म में अजय देवगन, अक्षय कुमार, अरशद वारसी, श्रेयस, कुणाल खेमू और शरमन जोशी जैसे कई बड़े सितारे एक साथ नजर आने वाले हैं।

अभिनय की दुनिया जितनी ग्लैमरस दिखती है, उतनी ही चुनौतीपूर्ण भी है

अभिनेत्री महिमा मकवाना ने अपने करियर में कई तरह के किरदार निभाए हैं और अब वह अपनी आने वाली वेब सीरीज 'मुसाफिर कैफे' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच, उन्होंने इंटरव्यू में कहा कि अभिनय की दुनिया जितनी ग्लैमरस दिखाई देती है, उतनी ही चुनौतीपूर्ण भी होती है। उन्होंने कहा कि इस इंडस्ट्री में काम के घंटे तय नहीं होते और कई बार कलाकारों को लगातार व्यस्त रहना पड़ता है। ऐसे में मानसिक रूप से खुद को मजबूत बनाए रखने के लिए एक रूटीन होना बेहद जरूरी है। खास बातचीत में महिमा ने कहा, 'मुझे लगता है कि एक खास तरह का रूटीन हमेशा जरूरी होता है, ताकि हमारा मानसिक स्वास्थ्य भी सही रहे. अभिनय ऐसा पेशा है, जिसमें कलाकार को हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करनी पड़ती है। इसमें आपको हर समय शांत मानसिकता में रहना पड़ता है, इसलिए किसी भी तरह की एक तय व्यवस्था बहुत जरूरी है और अब इसे लेकर जागरूकता भी बढ़ रही है।'
महिमा ने कहा, ''मनोरंजन जगत में सबसे बड़ी मुश्किल यह है कि यहां काम के दिन और छुट्टियों का कोई निश्चित नियम नहीं होता। इस क्षेत्र में कलाकारों को कई बार लंबे समय तक काम करना पड़ता है और शूटिंग शेड्यूल लगातार बदलते रहते हैं। ऐसे में अपने निजी जीवन और काम के बीच संतुलन बनाना एक बड़ी चुनौती होती है, जिससे काम भी प्रभावित न हो और आपकी मानसिक सेहत भी ठीक रहे।'' काम के घंटों और इंडस्ट्री में बदलाव को लेकर महिमा ने कहा, ''अब इस विषय पर पहले से ज्यादा बातचीत हो रही है। हर कलाकार की स्थिति अलग होती है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप अपने करियर में कहां हैं। आप अपनी बात किस तरह रख सकते हैं और फिल्म निर्माताओं के साथ किस तरह तालमेल बना सकते हैं। हर किसी के लिए स्थिति अलग होती है।'' उन्होंने कहा, ''किसी भी फैसले में सिर्फ अपनी सुविधा को नहीं देखना चाहिए, बल्कि पूरी टीम के नजरिए को भी समझना जरूरी है। किसी फिल्म या शो में कई लोगों की मेहनत और पैसा जुड़ा होता है, इसलिए ऐसा रास्ता निकालना चाहिए जो सभी के लिए सही हो।'' वर्क फ्रंट की बात करें तो महिमा मकवाना जल्द ही 'मुसाफिर कैफे' में नजर आएंगी। इस प्रोजेक्ट में उनके साथ अभिनेता विक्रांत मैसी और वेदिका पिंटो भी मुख्य भूमिका में हैं।

कॉमेडी-थ्रिलर 'एमआरपी' से किया डोनल बिष्ट ने तेलुगु सिनेमा में डेब्यू

टीवी अभिनेत्री डोनल बिष्ट कॉमेडी-थ्रिलर फिल्म 'एमआरपी' से तेलुगु सिनेमा में डेब्यू किया है। तेलुगु सिनेमा में अपना अनुभव शेयर करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि खुद को पहली बार बड़े पर्दे पर देखना उनके लिए एक यादगार पल में से एक था। हैदराबाद में एमआरपी के प्री-रिलीज इवेंट के दौरान अभिनेत्री ने खुद को बड़े पर्दे पर देखने के इमोशनल पल को याद करते हुए कहा, 'एक अलग माध्यम और भाषा में काम करना मेरे लिए बेहद शानदार था। तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री अपनी शानदार कहानियों और फिल्म निर्माताओं की वजह से दुनियाभर में अलग पहचान रखता है और ऐसी जगह से इतना प्यार मिलना मेरे लिए बहुत मायने रखता है।' डोनल बिष्ट ने कहा कि हिंदीभाषी दर्शक भी तेलुगु फिल्मों को उतना ही प्यार देते हैं। मैं बहुत खुश हूं कि साउथ फिल्म इंडस्ट्री ने मुझे खुले दिल से स्वीकार किया।

ऑडियंस के सामने कॉन्टेंट की कमी नहीं है

अन्नू कपूर उन कलाकारों में से हैं, जिन्हें दर्शक लंबे समय से स्क्रीन पर देख रहे हैं। फिर चाहे वह रिएलिटी शो 'अंताक्षरी' में होस्ट रहे हों या 'विकी डोनर' और 'ड्रीम गर्ल' में उनके बेहतरीन कॉमेडी रोल, वह हर अंदाज में जंचते हैं। फिल्मी दुनिया में साढ़े चार दशक लंबा समय बिता चुके अन्नू कपूर कहते हैं कि मुझे इस दुनिया में जो मिला वह काफी है। मैं कहूंगा कि मेरे भाग्य में जितना था, उतना ही मिला। साल 2012 में आई 'विकी डोनर' में अपने अभिनय के लिए नेशनल अवॉर्ड जीतने वाले अन्नू मानते हैं कि बॉक्स ऑफिस पर कमाई सीरियस फिल्में ज्यादा करती हैं।

जब उनसे पूछा गया कि क्या हमेशा से कॉमेडी फिल्में दर्शकों की पसंदीदा रही हैं? तो उन्होंने कहा, 'नहीं, ऐसी बात नहीं है। आप ताज्जुब करेंगे कि जिन फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड कमाई की है और जो कॉन्टेंट आधारित फिल्में रही हैं, उनमें से 80 फीसदी फिल्में ट्रैजिडी और सीरियस जॉनर की रही हैं। अगर आप ऑस्कर का इतिहास देखेंगे, तो सवा सौ सालों में सिर्फ दो कॉमेडी फिल्म को बेस्ट फिल्म का अवॉर्ड मिला है। अगर ऐसा होता तो जिन डायरेक्टर्स ने सिर्फ कॉमेडी फिल्में बनाई हैं, उनका नाम भारत के बेस्ट डायरेक्टर्स में आता, लेकिन उनका नाम टॉप 50 में भी नहीं है।'
करीब पांच दशक पहले नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा में पढ़ाई के दौरान अन्नू ने दिल्ली में भी काफी वक्त गुजारा। जब उनसे कुछ यादें साझा करने को कहा गया, तो उन्होंने वह मजेदार किस्सा साझा किया, जब वह एक बार में 23 रोटियां खा गए थे। बकौल अन्नू, 'अभी जब मैं इंटरव्यू के लिए आ रहा था, तो रास्ते में रेफ्यूजी मार्केट से गुजरा। तब मुझे वो जवानी के दिन याद आ गए, जब मेरे सामने खाने के लाले होते थे। मुझे आज भी याद है वह मई-जून की चिलचिलाती गर्मी का दिन इसी रेफ्यूजी मार्केट में, जब दो-तीन दिन से पेट में कुछ ठीक से गया नहीं था। उस दौरान कहीं से काम के बदले 75 रुपए का चेक मिला। इतना भूखा था मैं कि मैं उस दिन 23 रोटियां खा गया था। उस दिन 23 रोटियां, दो टिक्की मक्खन की और एक रुपए का नत्थू स्वीट्स से छोले का कुल्हड़ और दाल फ्राई खा के मैं मस्त हाथी की तरह चलता हुआ पैदल अपने हॉस्टल पहुंचा, क्योंकि अब ऑटो का किराया नहीं बचा था। हॉस्टल जाकर मैं नहाया और सो गया। उस दिन मुझे जो नींद आई, तो फिर मैं सीधा रात को साढ़े नौ बजे उठा।'
अन्नू जल्द अपनी नई फिल्म 'उत्तर दा पुत्तर' में नजर आने वाले हैं, जिसमें उनका किरदार हमेशा भविष्य में होने वाली चीजों की चिंता करता है। जब उनसे पूछा गया कि इस फिल्म को उन्होंने क्या सोचकर हां किया, तो उन्होंने जवाब दिया, 'इसका टॉपिक वाकई अच्छा है और अच्छे कॉन्टेंट के लिए मुझे नहीं लगता कि हमारी फिल्म इंडस्ट्री का कोई कोई भी एक्टर ना कहेगा, क्योंकि उनको भी पता चल गया है कि हमारी ऑडियंस के पास इतनी चॉइस आ चुकी हैं कि आप अच्छा कॉन्टेंट देंगे तभी वो आपके पास आएंगी। अब गली-गली के मोड़ पर इतने कॉन्टेंट क्रिएटर्स हो गए हैं। तो यह कॉम्पटीशन पूरे समाज के लिए बहुत अच्छा है। एक इसका पहलू यह भी है कि अब लोग अच्छा कॉन्टेंट लेकर आएंगे।'

मैंने गुरु नानक जी से सीखा है

जब हमने अन्नू से पूछा कि क्या कभी उन्हें भविष्य की चिंता नहीं हुई, तो उन्होंने बताया, ' मुझे भय जैसा कुछ नहीं हुआ, क्योंकि मैंने सद्गुरु श्री नानक देव जी से एक सीख ली है। मैं आपको एक कहानी सुनाता हूं। जब बाबा नानक 12 साल के थे तो घर से गायब हो गए थे। पूरे गांव में हल्ला मच गया कि बालक नानक कहां चले गए। जब उनके लिए तलाश शुरू हुई, तो वह एक श्मशान में मिले। जब गांव वालों ने पूछा कि आप मरघट यानी मरने के घर में क्यों बैठे हैं? तो उन्होंने कहा कि यह कोई मरने का घर नहीं हो सकता, क्योंकि यहां आकर कोई मरता नहीं है। यहां तो लोग मरकर आते हैं। और जिस घर को, जिस जगह को तुम घर की निशानी बोल रहे हो, वहां पर लोग मरते हैं। मरघट तो असलियत में वह है। यहां तो लोग चार लोगों के कंधे का सहारा लेकर आते हैं। तो मुझे ऐसा लगा कि मैं चार लोगो का सहारा लेकर क्यों आऊं। इतना कमजोर क्यों बनूं? तो मैं पहले यहां आकर बैठ गया। इससे पता चलता है कि उन्होंने मृत्यु को वैसे ही स्वीकार किया जैसे जीवन को। इसलिए मुझे भी कोई डर की बात नहीं है।'

कार्डियोलॉजिस्ट बनकर रखें लोगों के दिलों का ख्याल

एक बेहतरीन हृदय रोग विशेषज्ञ बनने के लिए छात्रों के पास ना सिर्फ चिकित्सा और विज्ञान में संबंधित ज्ञान होना चाहिए, बल्कि रोगियों की सेवा करने, दूसरों के प्रति दया करने, आत्म-प्रेरित होने और चिकित्सा शिक्षा और अभ्यास के लंबे समय तक जीवित रहने में सक्षम होना चाहिए। हृदय हमारे शरीर का एक बेहद महत्वपूर्ण आंतरिक अंग है और एक हेल्दी लाइफस्टाइल जीने के लिए जरूरी है कि आप इसका पूरी तरह ख्याल रखें।

आमतौर पर लोग अपने दिल का ख्याल रखने के लिए खानपान से लेकर अन्य कई उपाय अपनाते हैं, लेकिन फिर भी कई बार लोगों को कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इस स्थिति में व्यक्ति को कार्डियोलॉजिस्ट को कंसल्ट करने की जरूरत पड़ती है। कार्डियोलॉजी चिकित्सा का एक प्रभाग है जो हृदय विकारों से संबंधित निदान और उपचार से संबंधित है। दिल के विकारों से निपटने वाले चिकित्सा चिकित्सकों को आमतौर पर कार्डियोलॉजिस्ट या हृदय रोग विशेषज्ञ कहा जाता है। चिकित्सा विज्ञान की इस शाखा का बेहद महत्व है और अगर आप चाहें तो इस दिशा में अपना कदम बढ़ा सकते हैं–

क्या होता है काम

एक हृदय रोग विशेषज्ञ हृदय, धमनियों और नसों का डॉक्टर है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, हृदय रोग विशेषज्ञ हृदय की विफलता, जन्मजात हृदय दोष और कोरोनरी धमनी रोग का निदान और उपचार प्रदान करते हैं। इसमें धमनियों के संकीर्ण होने, हृदय के वाल्व में समस्याएं, मांसपेशियों के ऊतकों को नुकसान और पेरिकार्डियम के विकार के कारण प्रतिबंधित परिसंचरण के कारण होने वाली समस्याएं शामिल हैं।

स्किल्स

एजुकेशन एक्सपर्ट्स का मानना है कि एक बेहतरीन हृदय रोग विशेषज्ञ बनने के लिए छात्रों के पास ना सिर्फ चिकित्सा और विज्ञान में संबंधित ज्ञान होना चाहिए, बल्कि रोगियों की सेवा करने, दूसरों के प्रति दया करने, आत्म–प्रेरित होने और चिकित्सा शिक्षा और अभ्यास के लंबे समय तक जीवित रहने में सक्षम होना चाहिए। कार्डियोलॉजिस्ट बनने के लिए अनुशासन, धैर्य, उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्धता और आत्मविश्वास का होना भी उतना ही आवश्यक है। उनके पास जीवन की खतरनाक स्थितियों में निर्णय लेने की क्षमता होनी चाहिए। कैरियर कोच कहते हैं कि हृदय रोग विशेषज्ञ को भी आहार और व्यायाम विशेषज्ञ भी होना चाहिए।

योग्यता

एक कार्डियोलॉजिस्ट बनने के लिए एमबीबीएस की डिग्री के अलावा कई सालों की प्रैक्टिस, लाइसेंस व बोर्ड सर्टिफिकेशन होना चाहिए। कार्डियोलॉजिस्ट बनने के लिए एमडी/एमएस या डीएनबी की डिग्री लेने के बाद इस क्षेत्र में स्पेशलाइजेशन के लिए डीएम इन कार्डियोलॉजी की डिग्री लेनी होगी। इस डिग्री की अवधि लगभग तीन साल की होती है।

अवसर

कॅरियर काउंसलर के अनुसार, एक प्रोफेशनल कार्डियोलॉजिस्ट के लिए अवसरों की कोई कमी नहीं है। आप सरकारी या प्राइवेट हास्पिटल में बतौर डॉक्टर काम कर सकते हैं। इसके अलावा आप कार्डियक रिहैबिलेशन सेंटर या क्लीनिक टेस्टिंग सेंटर्स में भी काम कर सकते हैं। वहीं आप खुद की प्रैक्टिस भी शुरू कर सकते हैं और खुद का क्लीनिक खोल सकते हैं। जो कार्डियोलॉजिस्ट पढ़ाना पसंद करते हैं, वे मेडिकल कॉलेजों में बतौर लेक्चरर भी अपनी सेवाएं दे सकते हैं।

आमदनी

एक कार्डियोलॉजिस्ट की आमदनी उसके अनुभव व भौगोलिक स्थान पर मुख्य रूप से निर्धारित होती है। जो कार्डियोलॉजिस्ट शहर में काम करते हैं, उन्हें अपेक्षाकृत अधिक सैलरी मिलती है, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में आमदनी का स्तर कम हो सकता है। हालांकि अगर आप किसी सरकारी अस्पताल में बतौर फ्रेशर काम शुरू करते हैं, तब भी शुरूआती दौर में आप 25000 रूपए आसानी से कमा सकते हैं। जबकि निजी अस्पतालों में वेतन अधिक हो सकता है। वहीं कुछ वर्षों के अनुभव के बाद आपकी आमदनी लाखों में हो सकती है।

प्रमुख संस्थान

- गोविंद वल्लभ पंत इंस्टीट्यूटी ऑफ पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, नई दिल्ली
- रविन्द्रनाथ टैगोर इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियक साइंस, कोलकाता
- मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली
- ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, नई दिल्ली
- आर्म्ड फोर्स मेडिकल कॉलेज, पुणे
- संजय गांधी पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, लखनऊ

फॉरेंसिक साइंस के क्षेत्र में कॅरियर कैसे बनाएं? कोर्स, जॉब और सैलरी

फॉरेंसिक साइंस की फील्ड में काम करने वाले प्रोफेशनल फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट या फॉरेंसिक साइंस एक्सपर्ट्स कहलाते हैं। फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट्स टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके क्राइम स्पॉट पर मौजूद सबूतों की जाँच करते हैं और अपराधियों को पकड़ने में मदद करते हैं। इसके लिए वे क्राइम सीन, ब्लड सेंपल, डीएनए प्रोफाइलिंग आदि की जांच करते हैं।

फॉरेंसिक साइंस का इस्तेमाल आपराधिक मामलों की जांच और कानूनी प्रक्रियाओं के लिए किया जाता है। फॉरेंसिक साइंस में केमिस्ट्री, बायोलॉजी, फिजिक्स, जियोलोजी, साइकोलॉजी, सोशल साइंस, इंजीनियरिंग आदि फील्ड्स शामिल होती हैं। इस फील्ड में काम करने वाले प्रोफेशनल फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट या फॉरेंसिक साइंस एक्सपर्ट्स कहलाते हैं। फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट्स टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके क्राइम स्पॉट पर मौजूद सबूतों की जाँच करते हैं और अपराधियों को पकड़ने में मदद करते हैं। इसके लिए वे क्राइम सीन, ब्लड सेंपल, डीएनए प्रोफाइलिंग आदि की जांच करते हैं।

कोर्स

फॉरेंसिक साइंस में करियर बनाने के लिए 12पद्ध में साइंस होनी जरूरी है। आप फोरेंसिक साइंस एंड क्रिमिनोलॉजी या फॉरेंसिक साइंस एंड लॉ में एक वर्षीय डिप्लोमा कर सकते हैं। आप फॉरेंसिक साइंस 3 साल की बीएससी, 2 साल की एमएससी भी कर सकते हैं। इस फील्ड में स्पेशलाइजेशन और रिसर्च करने के इच्छुक हों तो फॉरेंसिक साइंस में पीएचडी और एमफिल भी कर सकते हैं।

जरूरी स्किल्स

एक फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट को जिज्ञासु होना चाहिए और साहसिक कार्यों में दिलचस्पी होनी चाहिए। इस फील्ड में हर कदम पर चुनौती है इसलिए आपको दिमागी तौर पर मजबूत होना जरूर है। इसके साथ ही आपके अंदर मजबूत कम्युनिकेशन स्किल्स होना भी बेहद जरूरी है। एक फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट को कई तरह की टेस्ट रिपोर्ट लिखनी होती हैं इसलिए आपकी राइटिंग स्किल्स भी अच्छी होनी चाहिए।फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट को सबूतों की जाँच करनी होती है इसलिए आपको एकाग्रता और सतर्कता के साथ काम करना आना चाहिए।

कहां मिलेगी नौकरी

इस फील्ड में सरकारी और प्राइवेट जॉब्स की भरमार है। फॉरेंसिक साइंस में डिग्री हासिल करने के बाद आपको पुलिस, लीगल सिस्टम, इंवेस्टिगेटिव सर्विस जैसी जगहों पर जॉब मिल सकती है। वहीं, कोई प्राइवेट एजेंसी भी आपको बतौर फॉरेंसिक साइंटिस्ट्स जॉब ऑफर कर सकती है। अगर आप में योग्यता है तो आपको फॉरेंसिक साइंटिस्ट इंटेलि?जेंस ब्यूरो और सीबीआई में भी नौकरी का अवसर प्राप्त हो सकता है। इसके अलावा आप किसी फॉरेंसिक साइंस शिक्षण संस्थान में टीचर के रूप पढ़ा कर अच्छी सैलरी कमा सकते हैं।

सैलरी

योग्यता के आधार पर आपको शुरुआत में 20–50 हजार रुपये प्रतिमाह तक सैलरी मिल सकती है। समय के साथ अनुभव होने पर आप 6 से 8 लाख रुपये तक महीना कमा सकते हैं।

विदेशों में स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई करने से पहले इन बातों का रखें ध्यान

विदेशों से हायर एजुकेशन प्राप्त करना कई लोगों की टू–डू लिस्ट में शामिल होता है। कई लोग इसे प्राप्त कर लेते हैं और कई लोग इसे प्राप्त करने से वंचित भी रह जाते हैं। विदेशों से हायर एजुकेशन की पढ़ाई करने पर जीवन में कई अवसर मिलते हैं। हालांकि हायर एजुकेशन जितने बेहतर अवसर देता है उतना ही खर्चीला भी है। विदेशों में पढ़ाई करने के लिए एक बेहतर प्लानिंग की आवश्यकता तो होते ही है साथ ही आवश्यकता होती है नॉलेज की। उसी नॉलेज और प्लानिंग में से एक है स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई करना। जब स्कॉलरशिप की बात आती है तो हमें कई बातों को ध्यान में रखना पड़ता है। आइए जानते हैं कुछ महत्वपूर्ण बातों को जिन्हें स्कॉलरशिप प्राप्त करने से पहले ध्यान में रखना पड़ता है।

स्ट्रांग प्रोफाइल बनाएं

हालांकि स्कॉलरशिप के लिए एकेडमिक स्ट्रेन्थ आवश्यक है। अगर मास्टर्स करने का आप प्लान बना रहे हैं तो आपका जीपीए 7.0 से अधिक है तो स्कोर बेहतर माना जाता है। लेकिन केवल इतना ही आवश्यक नहीं है। स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई करते वक्त इस बात का ध्यान रखें कि आपका प्रोफाइल बेहद स्ट्रांग होना चाहिए। इसके लिए आप इसमें एक्स्ट्रा करिकुलम एक्टिविटी जैसे स्पोर्टस, म्यूजिक, ड्रामा इत्यादि की डिटेल जरूर लिखें। इससे आपका प्रोफाइल बेहद स्ट्रांग बनेगा।

यूनिवर्सिटी स्कॉलरशिप से आगे बढ़कर सोचें

ध्यान रखें कि विदेशों में पढ़ने के लिए केवल यूनिवर्सिटी ही नहीं बल्कि कई संस्था स्कॉलरशिप प्रदान करती है। ये स्कॉलरशिप सरकारी के साथ–साथ प्राइवेट संस्थाओं द्वारा भी दिया जाता है। अगर आप भारत में हैं तो कई संस्था जैसे टाटा आपको विदेश में पढ़ने के लिए स्कॉलरशिप देगी। इसके साथ ही अगर आप विदेश में हैं तो वो देश भी विदेशों छात्रों के लिए कई स्कॉलरशिप प्लान पर कार्य करता है। इन स्कॉलरशिप के बारे में दोनें देशों के एजुकेशन डिपार्टमेंट से जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

कोर्स से पहले कर दें अप्लाई

आप जो कोर्स करना चाहते हैं उसके शुरू होने से 18 महीने पहले आप अप्लाई करने की प्रक्रिया शुरू कर दें। ऐसा इसलिए क्योंकि आवेदन करने के बाद डॉक्यूमेंट सबमिशन और वेरिफिकेशन में काफी वक्त लगता है। ऐसे में आपको समय पर स्कॉलरशिप भी मिल जाएगा और कोर्स में भी कोई समस्या नहीं होगी।

एप्लीकेशन का कराएं रिव्यू

एप्लीकेशन फॉर्म भरने के बाद यह सबसे बेहतर आइडिया है कि उसका रिव्यू करा लिया जाए। रिव्यू कराने से एप्लीकेशन की कमियां सामने आएगी और उसके बाद सुधार किया जा सकेगा। अपना एप्लीकेशन और डॉक्यूमेंट लें और उसे किसी प्रोफेशनल के पास ले जाएं। ये प्रोफेशनल आपके शिक्षक या कोई अन्य एक्सपर्ट भी हो सकते हैं। इससे आपको रिव्यू मिलेगा और आप एप्लीकेशन में सुधार कर पाएंगे।

अधिक से अधिक रियल रहने का प्रयास करें

जब एप्लीकेशन लिखे तो ज्यादा से ज्यादा रियल रहने का प्रयास करें। यूनिवर्सिटी में आप खुद को निखारने और खुद को बेहतर बनाने के लिए जाते हैं इसी कारण एप्लीकेशन में खुद को ज्यादा बढ़ा–चढ़ा कर ना लिखें। जो हैं वह ईमानदारी के साथ लिखें और अपने स्किल, पैशन और इंटरेस्ट आदि के विषय में लिखें।

पेंट टेक्नोलॉजिस्ट बनकर कॅरियर को दें एक रंगीन दिशा

एक पेंट टेक्नोलॉजिस्ट अलग-अलग एप्लीकेशन के लिए विभिन्न पेंट की उपयुक्तता की पहचान और मूल्यांकन करता है। पेंट टेक्नोलॉजिस्ट ग्राहकों को पेंट के सही उपयोग के बारे में समझाता है और उत्पादों के लिए नए बाजारों की पहचान करता है। रंगों का जीवन से एक गहरा नाता है। रंगों के बिना दुनिया की कल्पना भी नहीं की जा सकती। कपड़ों से लेकर घर तक हर जगह तरह-तरह के रंगों का इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन क्या आपने कभी इन्हीं रंगों में अपना करियर बनाने की सोची है। अगर नहीं, तो अब आप इस क्षेत्र में भी अपना भविष्य बना सकते हैं। जी हां, पेंट टेक्नोलॉजी एक ऐसा ही क्षेत्र है। अगर आप भी चाहें तो इस क्षेत्र में अपना सफल भविष्य बना सकते हैं। तो चलिए विस्तार से जानते हैं इस क्षेत्र के बारे में

क्या है पेंट टेक्नोलॉजी

पेंट टेक्नोलॉजी एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें पेंट बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाले विभिन्न इंग्रीडिएंट जैसे रॉल, पॉलिमर व पिगमेंट आदि के बारे में अध्ययन किया जाता है। पेंट टेक्नोलॉजी में, विभिन्न प्रकार के पेंट, उनके निर्माण, विभिन्न प्रकार के पेंट के उपयोग और पेंट के अनुप्रयोग के लिए उपयोग की जाने वाली तकनीकों के बारे में अध्ययन किया जाता है। इस विषय क्षेत्र में स्नातक करने वालों को पेंट टेक्नोलॉजिस्ट के रूप में जाना जाता है।

क्या होता है काम

एक पेंट टेक्नोलॉजिस्ट अलग–अलग एप्लीकेशन के लिए विभिन्न पेंट की उपयुक्तता की पहचान और मूल्यांकन करता है। पेंट टेक्नोलॉजिस्ट ग्राहकों को पेंट के सही उपयोग के बारे में समझाता है और उत्पादों के लिए नए बाजारों की पहचान करता है। उनके काम में पेंट के नए रंग और बनावट विकसित करना, पेंट एप्लीकेशन के लिए नई तकनीक को विकसित करना आदि शामिल हैं। सरल भाषा में, वे नए उत्पादों को विकसित करने के साथ–साथ उन उत्पादों के गुणों को बढ़ाने और उन्नत करने के लिए जिम्मेदार हैं जो पहले से ही विकसित किए गए हैं।

पर्सनल स्किल्स

एक पेंट टेक्नोलॉजिस्ट को रंगों से बेहद प्यार होना चाहिए। साथ ही उसमें कई तरह के एक्सपेरिमेंटल स्किल्स भी होने चाहिए, ताकि वह नए रंगों के साथ–साथ उनके टेक्टचर को भी बेहतर बना सके। एक पेंट टेक्नोलॉजिस्ट को मेहनती होना चाहिए। इसके अलावा, आपमें अच्छी संचार कौशल और टीम भावना होनी चाहिए, क्योंकि आपको इस उद्योग में अन्य पेशेवरों के साथ मिलकर काम करने की आवश्यकता होगी। साथ ही विभिन्न विभागों में टीमों का नेतृत्व करने के लिए पेंट टेक्नोलॉजिस्ट में प्रबंधकीय कौशल भी आवश्यक है।

योग्यता

इस क्षेत्र में कदम रखने के लिए आपको बीटेक इन पेंट टेक्नोलॉजी करना होगा। बीटेक के बाद आप एमटेक कर सकते हैं। अधिकांश संस्थानों द्वारा पेंट इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों को केमिकल इंजीनियरिंग में एक विषय के रूप में भी पेश किया जाता है।

संभावनाएं

पेंट उद्योग के विभिन्न विभागों में पेंट टेक्नोलॉजिस्ट की आवश्यकता होती है। वे पेंट निर्माण कंपनियों के किसी भी विभाग में काम पा सकते हैं। पेंट उद्योग मुख्य रूप से ऑटोमोबाइल और रियल एस्टेट उद्योग पर निर्भर है। कई बड़ी–बड़ी पेंट मैन्युफैक्चिरिंग कंपनियों जैसे एशियन पेंट्स इंडिया लिमिटेड, शालीमार पेंट्स, बर्जर पेंट्स इंडिया लिमिटेड, नेरोलैक पेंट्स लिमिटेड आदि में पेंट टेक्नोलॉजिस्ट की हमेशा ही जरूरत होती है। पेंट टेक्नोलॉजिस्ट ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री, होम फर्निशिंग इंडस्ट्री आदि में भी कार्य कर सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में वेतन आपके अनुभव और उस सेक्टर पर निर्भर करता है, जिसके लिए आप काम कर रहे हैं। इस क्षेत्र में शुरुआत करने वाले व्यक्ति प्रारंभ में 1,25000 रूपए से 2,00000 रूपए प्रति वर्ष कमा सकते हैं। इसके अलावा अगर आप किसी प्रतिष्ठित ब्रांड के साथ काम कर रहे हैं तो आपको आकर्षक वेतन मिल सकता है। वहीं, अनुभव बढ़ने के साथ–साथ आपका वेतन भी बढ़ता जाता है।

प्रमुख संस्थान

हरकोर्ट बटलर तकनीकी विश्वविद्यालय, कानपुर
यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी, जलगांव, महाराष्ट्र
गार्वेयर इंस्टीट्यूट ऑफ कॅरियर एजुकेशन एंड डेवलपमेंट, सांताक्रूज, महाराष्ट्र
लक्ष्मीनारायण इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, नागपुर